दैनिक विनय उजाला

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, आलीराजपुर, ठाणे, मुंबई से एक साथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 3.00

RNI. Reg. MPHIN/2016/68363

उज्जैन

गुरुवार, 26 फरवरी 2026

फाल्गुन शुक्ल पक्ष-10

वर्ष : 11 | अंक : 39

कुल पृष्ठ : 12

तिलक की जगह नंबर-3 पर खेल सकते हैं संजू सैमसन...09

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला का किया शुभारंभ

स्व-सहायता समूहों से सशक्त हुईं 65 लाख दीदियां, 12 लाख बनीं लखपतिः डॉ. यादव

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजीविका मिशन से जुड़ी दीदियाँ एकता की शक्ति का सजीव उदाहरण है। बहनों द्वारा एकजुटता से किए जा रहे प्रयास 'बंद मुट्ठी लाख की' के भाव को चरितार्थ करते हुए देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

बहनें आज ट्रैक्टर से लेकर ड्रोन तक चलाने के साथ गैस और पेट्रोल रिफिलिंग जैसे कार्य भी कर रही हैं। कैफे संचालन से लेकर मार्केट का टारगेट पूरा करने में अव्वल बहनें अचार, पापड़ निर्माण सहित कई छोटे उद्योगों से बेहतर कमाई कर रही हैं। भारतीय संस्कृति में मातृ सत्ता का विशेष महत्व है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश की बहनें सशक्त हो रही हैं। प्रदेश के 5 लाख स्व-सहायता समूहों से 65 लाख से अधिक दीदियां जुड़कर सशक्त हुई हैं। इनमें से 12 लाख से अधिक दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं। राज्य सरकार प्रदेश की बहनों के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व-सहायता समूहों ने एक वर्ष में विभिन्न कंपनी और मेलों के माध्यम से 310 करोड़ रुपए का व्यापार किया है। मध्यप्रदेश, देश का सर्वाधिक प्राकृतिक खेती वाला राज्य है। हमारे स्व-सहायता समूहों की 50 हजार बहनें प्राकृतिक खेती में जुटी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में महिला बाल विकास विभाग में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। साथ ही बजट का कुल 34 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण विकास पर खर्च किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में स्वसहायता समूहों की आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला का शुभारंभ कर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

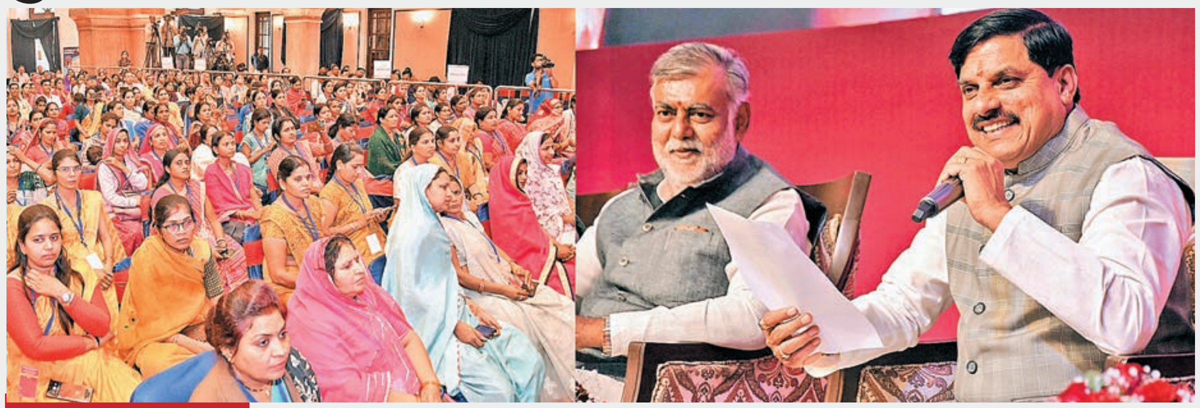

स्व सहायता समूहों की दीदियों द्वारा लगाए गए स्टालों का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न जिलों के स्व सहायता समूहों की दीदियों द्वारा लगाए गए विभिन्न उत्पादों के स्टालों का अवलोकन कर दीदियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी स्थल पर ग्राम छावनी पठार के मिलेट्स कैफे पर स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के 7 वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना किया। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदीयों द्वारा तैयार स्पेशल होली हैम्पर को लॉंच किया गया। इसमें प्राकृतिक रंग, देशी घी, मिष्ठान, गोकाष्ठ, पूजन सामग्री और टीशर्ट जैसे 10 उत्पाद शामिल हैं। उज्जैन, सागर, कटनी, सीहोर, रीवा जिले की दीदीयों द्वारा तैयार होली हैम्पर पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का विमोचन किया

कार्यशाला में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ (एमपीएसआरएलएम) इंडिया पोस्ट, अमेजन सहेली, एक्सेस डेवलपमेंट सर्विस, बुद्धा इंस्टीट्यूट, टीआरआईएफ और साइटसेवर संस्थान के साथ एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वालीं स्व-सहायता समूहों की 5 दीदियों को सम्मानित किया। कार्यशाला में विपणन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली गुना जिले की श्रीमती मीनाक्षी फरागते ने अपनी सफलता की कहानी सभी के साथ साझा की।

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री के कार्यक्रम को लेकर इंडो-नेपाल बॉर्डर पर सुरक्षा कड़ी

अररिया, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। गृह मंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए इंडो-नेपाल बॉर्डर पर निगरानी व्यवस्था पूरी तरह हाईटेक करते हुए अररिया से सटे लगभग 110 किलोमीटर लंबी सीमा पर एसएसबी ने अत्याधुनिक कैमरे और डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम सक्रिय कर दिया है। अब सीमा पार करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का व्यक्तिगत विवरण डिजिटल रूप से दर्ज किया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने सीमा चौकियों पर फेस रीडिंग सिस्टम और आईडी स्कैनर कैमरे स्थापित किए हैं। फोटो और पहचान पत्र की जानकारी कंप्यूटर सिस्टम में सुरक्षित की जा रही है।

पुंछ में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और विस्फोटक बरामद

पुंछ, (हि.स.)। पुंछ जिले के मेंढर उपमंडल के कसबलारी इलाके में बुधवार को सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) के दौरान भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए। सुरक्षा बलों ने लगभग 4.5 किलोग्राम वजन का एक बड़ा देसी बम (आईईडी), एक छोटा आईईडी, दो चीनी ग्रेनेड, दो राउंड के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, 7.62 मिमी गोला बारूद के 22 राउंड और एक पुराना काला बैग बरामद किया। उन्होंने बताया कि विस्फोट में किसी के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

सीबीआई की 6 राज्यों में छापेमारी,ठगी के तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। सीबीआई ने 1.86 करोड़ रुपये के डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में ब्लेसिन जैकब अब्राहम (गोवा से), मोहम्मद मुश्ताक (नागपुर से) और मोहम्मद जुनैद (बेंगलुरु से) शामिल हैं। इस दौरान डिजिटल उपकरण, डेबिट कार्ड, बैंक दस्तावेज और अन्य सामग्री बरामद की गई। सीबीआई के मुताबिक, ब्लेसिन जैकब अब्राहम म्यूल खाता ऑपरेटर है और क्रिप्टो करेंसी लेन-देन में अहम भूमिका निभाता था। मोहम्मद मुश्ताक शेल कंपनी के जरिए अपराध की रकम को संभालता था। वहीं, मोहम्मद जुनैद फर्जी तरीके से सिम कार्ड हासिल करता था और 5जी सिम अपग्रेड के नाम पर लोगों को ठगता था।

तेल अवीव पहुंचे पीएम मोदी... एयरपोर्ट पर नेतन्याहू ने गले लगाकर किया वेलकम

इजरायल में आपका स्वागत है...

तेल अवीव, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिन की इजरायल यात्रा पर बुधवार को यहां तेल अवीव के बेन गुरियन हवाई अड्डे पहुंचे जहां प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी पत्नी सारा नेतन्याहू के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, औग गले लगाकर वेलकम किया।

हवाई अड्डे पर पीएम मोदी का पारंपरिक स्वागत किया गया। उनके पहुंचने पर नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इजरायल में आपका स्वागत है , मेरे प्रिय मित्र नरेन्द्र मोदी। बता दें कि मोदी की इजरायल की यह दूसरी यात्रा है। इससे पहले वह 2017 में इजरायल गये थे।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे ही विमान से नीचे उतरे और उनके समकक्ष नेतन्याहू ने हाथ जोड़कर और गले मिलकर गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। उसी समय सारा नेतन्याहू भी वहां पर मौजूद थीं। उन्होंने भी पीएम से हाथ मिलाया। तभी नेतन्याहू ने पीएम मोदी के पॉकेट स्क्वायर के रंग और पत्नी सारा की ड्रेस के रंग की ओर इशारा किया। इस पर पीएम मोदी ने कहा- हां, हां...भगवा (यस, यस...सेफ्रॉन)। इस पर तीनों ठहाके लगाकर हंसने लगे।

भारतीय समुदाय के लोगों से मिले पीएम मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी तेल अवीव में एक होटल में सांस्कृतिक कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने यहां मौजूद भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की। पीएम मोदी इजराइल के दो दिन के राजकीय दौरे पर हैं। पीएम मोदी के दौरे पर इंडो-इजराइली प्रवासी समुदाय की सदस्य इवा ने कहा, हम पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्साहित हैं। हम अब भी उन्हीं परंपराओं को मानते हैं, जो हम पहले भारत में मानते थे। हम भारत से प्यार करते हैं। मैं उनसे (पीएम मोदी) कहूंगी कि वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हम सच में उनसे प्यार करते हैं।

मोदी के इस्राइल दौरे पर कांग्रेस का हमला, कहा- यह नैतिक कायरता

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे से पहले उन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम मोदी ऐसे समय में नैतिक कायरता दिखा रहे हैं, जब पूरी दुनिया उनके प्यारे दोस्त की आलोचना कर रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में रमेश ने फिलिस्तीन के समर्थन में पुरानी सरकारों के कदमों को याद किया। उन्होंने बताया कि 20 मई 1960 को जवाहरलाल नेहरू गाजा गए थे और वहां संयुक्त राष्ट्र की भारतीय टुकड़ी से मिले थे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत ने 29 नवंबर 1981 को फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिखाने के लिए एक यादगार डाक टिकट जारी किया था। इसके बाद 18 नवंबर 1988 को भारत ने फिलिस्तीन को औपचारिक रूप से एक देश के तौर पर मान्यता दी थी।

पीएम मोदी का ऐतिहासिक इजरायल दौरा, हमारे बीच करीबी निजी संबंध : नेतन्याहू

इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मेरी पत्नी सारा और मैंने आज अपने अच्छे मित्र, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया, जो इजरायल के ऐतिहासिक दौरे पर आए हैं। उन्होंने आगे लिखा, प्रधानमंत्री मोदी ने पहले 2017 में इजरायल का दौरा किया था और बाद में मैंने भी बदले में भारत का दौरा किया था, जो वास्तव में बहुत खास था। हमारे बीच करीबी निजी संबंध हैं। हम अक्सर बात करते हैं और मेरा मानना है कि हमारी गहरी दोस्ती हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों की मजबूती दिखाती है। हम नेसेट में एक फेस्टिव रिसेप्शन में शामिल होंगे, यरूशलम में एक नवाचार कार्यक्रम में जाएंगे और प्रधानमंत्री मोदी को एक रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। कल हम याद वाशेम जाएंगे और उसके बाद अपनी टीमों के साथ एक और बैठक करेंगे, जिस दौरान हम आर्थिक, सुरक्षा और रणनीतिक क्षेत्रों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे जो इजराइल और भारत के बीच सहयोग को और आगे बढ़ाएंगे।

3716 करोड़ रुपए है घर की कीमत

ईडी ने अनिल अंबानी का मुंबई स्थित घर 'एबोड' किया कुर्क

नई दिल्ली, (हि.स)

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने धनशोधन रोधक कानून (पीएमएलए) 2002 के तहत अनिल अंबानी के मुंबई पॉश इलाका स्थित घर 'एबोड' को कुर्क किया है, जिसकी कीमत 3,716 करोड़ रुपये है।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को दी गई जानकारी में बताया कि रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर 'एबोड' को ईडी ने कुर्क किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी उनके समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) द्वारा कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में इस बहुमंजिला घर को कुर्क किया है। ईडी ने ये कार्रवाई धनशोधन रोधक कानून (पीएमएलए) 2002 के तहत की है। मुंबई के पाली हिल स्थित 66 मीटर ऊंचा यह आलीशान घर 17 मंजिला है। कुर्क की गई संपत्ति का मूल्य 3,716.83 करोड़ रुपये है।

सोलर पर 126% अमेरिकी टैरिफ से भड़की कांग्रेस, कहा- समझौता ठंडे बस्ते में डाले

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा कि भारत के लिए अमेरिका से आयात तो आसान किए जाएंगे, लेकिन अमेरिका को निर्यात अमेरिकी राष्ट्रपति की मनमर्जी पर निर्भर रहेगा। अब आगे बढ़ने का सिर्फ एक ही रास्ता है-भारत को साहस दिखाते हुए इस समझौते को फिलहाल स्थगित कर देना चाहिए और उसे ठंडे बस्ते में डाल देना चाहिए।

कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील पूरी तरह से एकतरफा है और आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका यह है कि भारत इसे रोकने की हिम्मत करे, क्योंकि यह देश भर के लाखों किसानों के लिए बहुत बुरा होगा। अमेरिका ने भारत से सोलर मॉड्यूल के इंपोर्ट पर 125.87 परसेंट टैरिफ लगा दिया है। भारत को साहस दिखाते हुए इस समझौते को फिलहाल स्थगित कर देना चाहिए और उसे ठंडे बस्ते में डाल देना चाहिए।

पीएम-सीएम की बर्खास्तगी वाला विधेयक

संसदीय समिति जानेगी विपक्ष शासित राज्यों की राय, कर्नाटक और तेलंगाना को न्योता

नई दिल्ली, एजेंसी

भ्रष्टाचार के आरोप में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को पद से हटाने की अनुमति देने वाले विधेयकों की जांच कर रही संसदीय समिति कर्नाटक और तेलंगाना जैसे विपक्षी शासित राज्यों के विचार आमंत्रित करेगी। भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी की अध्यक्षता वाली समिति ने बुधवार को मध्य प्रदेश राज्य के विचार सुने, जिसने 'संविधान विधेयक, 2025' का पूर्ण रूप से समर्थन किया। मध्य प्रदेश का राज्य के मुख्य सचिव ने प्रतिनिधित्व किया और उन्होंने समिति के सामने कहा कि राज्य विधेयक के प्रावधानों से पूरी तरह सहमत है। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च और इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि भी संसदीय समिति के समक्ष उपस्थित हुए और उन्होंने समिति को कुछ सुझाव दिए। सूत्रों के अनुसार, पैनल ने दो कानूनी अनुसंधान संगठनों के विचार सुने, जिन्होंने प्रस्तावित कानून के प्रावधानों से पूरी तरह असहमति व्यक्त की और संशोधन सुझाए। हालांकि, उन्होंने पैनल को बताया कि विधेयक लाने में भारत सरकार की मंशा पर कोई सवाल नहीं है। सूत्रों ने बताया कि पैनल के सदस्य विपक्षी शासित राज्यों के विचार जानने के लिए सर्वसम्मति से सहमत हुए और कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों को बुलाने पर भी सहमत हुए।

सुप्रीम कोर्ट ने जताई थी आपत्ति

एनसीईआरटी बुक से हटेगा 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार'

नई दिल्ली, एजेंसी। एनसीईआरटी की कक्षा 8 की नई सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' से जुड़े विवादित हिस्से पर तीखी बहस छिड़ गई है। विवाद के बीच खबर है कि इस संवेदनशील खंड को हटा दिया जाएगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट में स्वत: संज्ञान लेते हुए इसे 'संस्था को बदनाम करने' का प्रयास करार दिया और साफ कहा कि न्यायपालिका की छवि पर कोई हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, एनडीटीवी ने सरकारी सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट किया है कि एनसीईआरटी की कक्षा 8 की पाठ्यपुस्तकों से न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार के संदर्भ को हटा दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, यह हिस्सा शुरू से ही नहीं लिखा जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि ऐसे पहलुओं को उजागर करना 'उचित नहीं' है और इसके बजाय 'प्रेरणादायक बातें' लिखी जानी चाहिए थीं।

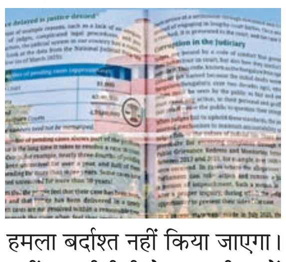

रिपोर्ट में सूत्रों ने यह भी कहा कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई का हवाला देना 'सही नहीं' और 'उचित नहीं' था। साथ ही वर्तमान मुख्य न्यायाधीश ने भी इस पर नाराजगी जताई है। यह उद्धृत संदर्भ पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की जुलाई 2025 की टिप्पणी से लिया गया था, जिसमें उन्होंने न्यायपालिका के अंदर भ्रष्टाचार और कदाचार की घटनाओं से सार्वजनिक विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की बात कही थी। पुस्तक में उनके हवाले से लिखा था कि इस विश्वास को फिर से मजबूत करने का रास्ता इन मुद्दों को संबोधित करने, हल करने के लिए त्वरित, निर्णायक और पारदर्शी कार्रवाई में है...।

कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी से मंजूरी मिलना बाकी

सुखोई-30 फाइटर जेट को 'सुपर सुखोई' बनाने की तैयारी में वायु सेना

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन एयर फोर्स (आईएएफ) अपने दमदार लड़ाकू विमान सुखोई-30एमकेआई को सुपर सुखोई में बदलने का प्लान तैयार कर लिया है।

इंडियन एयर फोर्स अपने 'सुपर-सुखोई' प्रोजेक्ट को फाइनल रूप देने के लिए बस कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी से मंजूरी मिलना बाकी है। इतना ही नहीं, वायु सेना परिचालन तत्परता बनाए रखने के लिए रूस के साथ समान या इससे अधिक संख्या में विमानों को उन्नत करने की योजना पर भी विचार कर रही है।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान की खरीद को औपचारिक रूप देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और रूस का एसयू-57 एक प्रमुख दावेदार के रूप में उभर रहा है। हाल ही में एक रूसी टीम ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की नासिक स्थित सुविधा का दौरा किया, जो दोनों पक्षों के बीच गहरे सहयोग का संकेत देता है।

केवल स्वदेशी अपग्रेडेशन पर निर्भर रहने से समयसीमा आगे बढ़ सकती है

द न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक केवल स्वदेशी अपग्रेडेशन पर निर्भर रहने से समयसीमा अगले दशक तक बढ़ सकती है। इसलिए, परिचालन तत्परता प्रभावित न हो, इसके लिए एक समानांतर योजना पर विचार किया जा रहा है,' एक सूत्र ने बताया। सूत्र ने आगे कहा कि सुपर सुखोई उन्नयन केवल 84 विमानों तक सीमित होने के कारण, शेष लगभग 175 एसयू-30एमकेआई विमानों के बेड़े के लिए एक समानांतर योजना की आवश्यकता है।

युद्ध प्रणाली और रडार को मजबूत करने पर केंद्रित होने की उम्मीद

प्रस्तावित रूसी योजना विमान के इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और रडार को मजबूत करने पर केंद्रित होने की उम्मीद है। मॉस्को ने मौजूदा एएल-31 इंजनों के स्थान पर अधिक शक्तिशाली एएल-41 इंजन लगाने का भी प्रस्ताव दिया है, और भारतीय वायु सेना इस प्रस्ताव का मूल्यांकन कर रही है। दोनों देशों के बीच बातचीत पूरी होने के बाद, रक्षा मंत्रालय द्वारा आवश्यकता स्वीकृति के लिए एक अलग प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। यह खरीद प्रक्रिया का पहला औपचारिक चरण होगा, जिसके बाद वाणिज्यिक वार्ता और अनुबंध को अंतिम रूप दिया जाएगा।

निर्माण कार्यों में समय-सीमा और गुणवत्ता का रखें विशेष ध्यान : कलेक्टर

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। कलेक्टर रौशनकुमार सिंह ने विभागीय निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध प्रगति पर जोर देते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। बुधवार को कलेक्टर कार्यालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में सिंहस्थ 2028 से अलग अन्य विभागीय निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में लोक निर्माण विभाग, लोक निर्माण सेतु, भवन विकास विभाग, पीआईयू, सिंचाई विभाग, ग्रामीण सेवा यांत्रिकी, यूडीए, पुलिस हाउसिंग, एमपीईबी, एमपीआरडीसी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। गुणवत्ता एवं भौतिक प्रगति की जांच समय-समय पर निरीक्षण के दौरान की जाएगी। कार्यपालन यंत्री (पीआईयू) ने बताया कि तराना में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल में उन्नयन कार्य प्रगति पर है। अन्य प्रमुख कार्यों में बड़नगर खेल मैदान एवं पाथवे (30 जुलाई तक), घट्टिया शासकीय आईटीआई (नवंबर 2026), खरसौदकलां उप तहसील भवन (मई 2026), सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय पवेलियन (मई 2026), विभिन्न ग्रामों में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (मई-अप्रैल 2026 तक) और नागदा सिविल अस्पताल का 60 बिस्तरीय उन्नयन (जून 2026) शामिल हैं। बाबू जगजीवन राम योजना अंतर्गत 250 सीटर कन्या छात्रावास फिनिशिंग स्टेज पर है, जबकि बड़नगर अनुसूचित जाति प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास अक्टूबर 2026 तक पूर्ण होगा। कंठाल चौराहे पर खादी ग्रामोद्योग भवन प्रगतिरत है और केंद्रीय जेल में आवास गृह निर्माण जल्द शुरू होगा। सिंचाई विभाग ने जिले में अरनिया बहादूरपुर तालाब, इंदौख बैराज सहित विभिन्न परियोजनाओं से कुल 30,068 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता विकास की जानकारी दी। कलेक्टर ने सभी विभागों से समन्वय और तेजी से कार्य पूरा करने पर बल दिया।

बैलेंस शीट वाले किसानों की सफलता देख संभागायुक्त हुए चकित

संभागायुक्त आशीषसिंह ने किया प्रगतिशील किसानों के खेतों का किया अवलोकन

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। किसान कल्याण वर्ष-2026 के तहत संभागायुक्त आशीष सिंह ने देवास जिले के विभिन्न गांवों में प्रगतिशील किसानों के खेतों का दौरा किया और आधुनिक पद्धतियों से की जा रही खेती का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ऋतुराज सिंह, सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम मेंढकी धाकड़ में किसान जगदीश नागर ने 5 हजार वर्ग फीट जमीन से 55 हजार रुपये की लौकी उत्पादन की जानकारी दी। उन्होंने ड्रीप सिंचाई, मल्चिंग और उद्यानिकी फसलों टमाटर, ड्रैगन फ्रूट, गोभी, धनिया, खरबूजा से साल में तीन फसलें लेने की बात बताई। संभागायुक्त ने उनकी मेहनत की सराहना की। ग्राम जामगोद में किसान कैलाश पटेल ने 30 हजार रुपये की पूंजी से शुरू किए केंचुआ खाद उत्पादन को 3 लाख रुपये टर्नओवर वाला व्यवसाय बनाने की सफलता साझा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नवाचार अपनाने के आह्वान से प्रेरित बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे सैकड़ों किसान जैविक खेती से जुड़े हैं। संभागायुक्त ने इसे आत्मनिर्भर भारत का बेहतरीन उदाहरण बताया। संभागायुक्त और कलेक्टर भी उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण से चकित रह गए। संभागायुक्त ने सभी किसानों की सराहना की और कहा कि आधुनिक, जैविक और नवाचारी खेती से किसान आत्मनिर्भर बन रहे हैं, जो प्रदेश के लिए प्रेरणा है।

महाकाल विवाह उत्सव में हल्दी-मेहंदी की रस्म

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। जय महाकाल शयन आरती महिला भक्त मंडल ने बाबा महाकाल के विवाह समारोह के भंडारे का विधिवत शुभारंभ किया। मंडल सदस्यों ने गणेश पूजन, खल-मिट्टी की रस्म अदा की और मंगल गीतों के साथ गजानन गणपति को आमंत्रित किया। 25 फरवरी को हल्दी-मेहंदी कार्यक्रम हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। महेंद्र कटियार ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम 26 फरवरी को होगा। मंडल ने सभी भक्तों से 26 तारीख के आयोजन में अनिवार्य उपस्थिति और तन-मन-धन से सहयोग का आग्रह किया है। भक्त धर्मशाला स्थित आयोजन स्थल पर संपर्क कर सकते हैं। यह उत्सव महाकाल के प्रति भक्ति का प्रतीक है।

श्रमिकों के स्थायीकरण का मुद्दा विधानसभा में उठा

नागदा जं., निप्र। मध्य प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायक बाला बच्चन द्वारा लैंक्सेस उद्योग नागदा में 500 श्रमिकों के स्थायीकरण, वर्गीकरण, वीआरएस एवं निरीक्षण संबंधी प्रश्न उठाए गए।

श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने उत्तर देते हुए कहा कि उद्योग में कुल श्रमिक संख्या के आधार पर 500 श्रमिकों को अनिवार्य रूप से स्थायी करने का कोई वैधानिक प्रावधान नहीं है। वर्तमान में लैंक्सेस में केवल 218 स्थायी श्रमिक कार्यरत हैं। यह एक निजी संस्थान होने से नियुक्ति एवं स्थायीकरण के निर्णय नियोजक द्वारा लिए जाते हैं, जबकि श्रम विभाग केवल कानून अनुपालन की निगरानी करता है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि निरंतर कार्य करने मात्र से स्थायीकरण अनिवार्य नहीं है।

भारतीय मजदूर संघ ने सौंपा ज्ञापन

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। भारतीय मजदूर संघ जिला नागदा ने 25 फरवरी को देशव्यापी आंदोलन के तहत प्रधानमंत्री, केंद्रीय श्रम मंत्री एवं मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम कार्यालय नागदा को सौंपा। जिला मंत्री करण सिंह शेखावत के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में लेबर कोड में संशोधन, ईपीएस-95 न्यूनतम पेंशन 1,000 से बढ़ाकर 7,500 रुपये, ईपीएफ वेतन सीमा 15,000 से 30,000 रुपये, ईएसआईसी कवरेज सीमा 21,000 से 42,000 रुपये, बोनस सीलिंग में वृद्धि, स्कीम/ठेका श्रमिकों का स्थायीकरण, आम भर्ती पर रोक हटाना, आंगनवाड़ी/आशा कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान, संविदा कर्मचारियों (बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग) का स्थायीकरण, स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता, न्यूनतम वेतन को केंद्रीय स्तर से जोड़ना आदि। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी, आशा, मध्यान्ह भोजन कार्यकर्ता, ग्रेसिम, केमिकल, ठेकेदार श्रमिक संघ, गुलब्रंडसन, वरिष्ठ पेंशनर महासंघ, नगर पालिका सफाई कामगार, बिजली कर्मचारी संघ आदि के सैकड़ों प्रतिनिधि शामिल हुए। संचालन करण सिंह शेखावत एवं राजकुमार सिसोदिया ने किया, आभार जोध सिंह राठौड़ ने व्यक्त किया।

आस्था पर टैक्स का यूथ कांग्रेस ने किया विरोध

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में संध्या और शयन आरती के दर्शन के लिए लगाए गए 250 रुपये के शुल्क को लेकर विवाद गहरा गया है। जिला यूथ कांग्रेस ने इसे आस्था पर टैक्स और धर्म का व्यवसायीकरण करार देते हुए विरोध जताया। जिला अध्यक्ष अर्पित यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भगवान और भक्त के बीच शुल्क की दीवार खड़ी करना अन्यायपूर्ण है। प्रदर्शन के बाद यूथ कांग्रेस ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, जिसमें शुल्क तत्काल वापस लेने और सामान्य श्रद्धालुओं के लिए गर्भगृह दर्शन की पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की गई।

संक्षिप्त समाचार

तीन दिवसीय फाग महोत्सव आज से

उज्जैन, निप्र। सिद्ध आश्रम रामघाट स्थित खाटू श्याम मंदिर में 26 से 28 फरवरी तक फाग महोत्सव मनाया जाएगा। 26 फरवरी को अभिषेक, श्रृंगार और दादी मंगल पाठ होगा। मुख्य आकर्षण 27 फरवरी को निशान यात्रा रहेगी, जो गोपाल मंदिर से शुरू होकर रामघाट पहुंचेगी। सुसज्जित रथ, डीजे-बैंड और हजारों भक्त शामिल होंगे। शाम को भजन संध्या और महाआरती होगी। 28 फरवरी को समापन। श्याम सेवा समिति ने सभी से सपरिवार पधारने की अपील की है।

डॉ. जुबैर अहमद का एमडी मेडिसिन में चयन

उज्जैन, निप्र। युवा चिकित्सक डॉ. जुबैर अहमद ने नीट पीजी में सामान्य श्रेणी में 5209वीं रैंक हासिल कर एमडी (मेडिसिन) में चयनित होकर शहर का नाम रोशन किया। वे शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय विदिशा में प्रवेश लेंगे। माधव महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. कल्पना सिंह ने उनका सम्मान किया। डॉ. जुबैर एमबीबीएस जबलपुर से किया और प्रो. डॉ. रफीक नागौरी के पुत्र हैं।

सीए आशीष तोतला बने चेयरमैन

उज्जैन, निप्र। आईसीएआई उज्जैन शाखा के 2026-27 के लिए निर्वाचन संपन्न। सर्वानुमति से सीए आशीष तोतला अध्यक्ष, सीए मनीष राठी उपाध्यक्ष, सीए अनिश चौधरी सचिव और सीए रितेश तलरेजा कोषाध्यक्ष चुने गए। सीए आतुष जैन सिकासा अध्यक्ष और सीए अकृत जैन सीपीई संयोजक बने। अध्यक्ष तोतला ने सदस्यों-विद्यार्थियों के लिए सेमिनार, व्यावसायिक विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों पर जोर दिया।

श्री श्याम निशान यात्रा एवं भजन संध्या कल निकलेंगी

नागदा जं., निप्र। फाल्गुनी एकादशी के पावन अवसर पर नवीन श्री श्याम मंदिर समिति एवं मयूर स्पोर्ट्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 27 फरवरी को भव्य श्री श्याम निशान यात्रा एवं रंगीलोत्सव के साथ भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। यात्रा प्रातः 9:30 बजे बिरलाग्राम पुलिस चौकी स्थित श्री संकट मोचन हनुमान जी मंदिर से शुरू होकर बिरलाग्राम, अशोक कॉलोनी, बड़केश्वर महादेव, गवर्नमेंट कॉलोनी होते हुए नवीन श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी, जहां बाबा श्याम की आरती के साथ समापन होगा। शाम 8 बजे से भव्य भजन संध्या एवं रंगीलोत्सव प्रारंभ होगा, जो बाबा की इच्छा तक जारी रहेगा। इस वर्ष निशान के लाभार्थी मुकेश मोहता एवं परिवार हैं। भव्य दरबार अजय शर्मा एवं शिव राठौड़ द्वारा सजाया जाएगा।

भारतीय जैन संघटना नागदा की कार्यकारिणी गठित

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। भारतीय जैन संघटना नागदा चैप्टर की साधारण सभा 24 फरवरी को आयोजित हुई, जिसमें संस्थापक अध्यक्ष एसएस सिसौदिया एवं जिला सचिव डॉ. अंजुली कांठेड़ की उपस्थिति में 2026 सत्र की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। सक्रिय युवा अध्यक्ष अंकुर जैन द्वारा घोषित नई टीम में मयंक चपलोत को सचिव, श्रीमती रचना चपलोत को कोषाध्यक्ष, विभोर चोपड़ा को उपाध्यक्ष, सोनम कोलन को सहसचिव तथा अनुज नाहर को प्रिंट एवं सोशल मीडिया प्रभारी बनाया गया है। सभा में आगामी कार्यक्रमों जैसे सेवा शिविर, युवा मार्गदर्शन कार्यक्रम एवं समाज हित की रचनात्मक गतिविधियों पर चर्चा हुई। साथ ही महिला सशक्तिकरण विंग का गठन किया गया, जिसमें अंतिमा भूपेंद्र संघवी, प्रियंका अमित कटकानी, विभा अमित बम, सरिता सचिन सकलेचा, निशी अभिषेक कोलन एवं रुचि दीपक जैन शामिल हैं।

पाटीदार बने अभा सनातन परिषद के जिलाध्यक्ष

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं सनातन परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने संगठन विस्तार के तहत उज्जैन संभाग में नई नियुक्तियां की हैं। ऋण मुक्तेश्वर महादेव मंदिर के गादीपति महंत महावीर नाथ को संभागीय अध्यक्ष और समाजसेवी काशीराम पाटीदार को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। टावर चौक पर सनातन धर्म संस्कार जन्म कल्याण समिति ने काशीराम पाटीदार का भव्य स्वागत किया। समिति अध्यक्ष पं. मनोज रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका सम्मान किया। इन नियुक्तियों को आगामी सिंहस्थ 2028 की तैयारियों और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। स्वागत समारोह में पं. विनोद जोशी, पं. रत्नेश व्यास, कुलदीप शास्त्री सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी पं. विशाल दुबे ने सभी सनातन प्रेमियों से एकजुट होने का आह्वान किया।

निशान यात्रा एवं फाग महोत्सव मेला कल

विनय उजाला

उज्जैन। होली महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। श्री राम महल दरबार में प.पू. बाबा साहब अंजनी सखी गुरूजी के सानिध्य में 27 फरवरी को निशान यात्रा एवं फाग महोत्सव मेला आयोजित होगा। खाटू श्याम बाबा की दिव्य ज्योत श्रृंगार दर्शन, 56 भोग प्रसादी, भोजन प्रसादी और फूलों की होली के साथ भजन होंगे। निशान यात्रा दोपहर 3 बजे पिपली नाका चौराहे से शुरू होकर श्री राम महल खाटू श्याम जी मंदिर पहुंचेगी। हजारों श्याम प्रेमी शामिल होंगे। यात्रा के दौरान मंचों से स्वागत होगा। आयोजन कर्ताओं ने सभी भक्तों से सपरिवार उपस्थित होने की अपील की है।

विद्यार्थियों ने किया ग्रहशांति विधान का अनुष्ठान

विनय उजाला

उज्जैन। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन प्राच्य प्रकर्ष का बुधवार को भव्य समापन हुआ। कर्मकांड डिप्लोमा के विद्यार्थियों ने ग्रहशांति विधान का अनुष्ठान संपन्न किया।

मुख्य अतिथि महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. शिवशंकर मिश्र ने संस्कृत को ज्ञान-विज्ञान की भाषा बताते हुए वैदिक कर्मकांड के वैज्ञानिक पक्ष को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने यज्ञ की पर्यावरणीय उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। कुलगुरु ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया, जिसमें छात्र राघवेंद्र तिवारी को सर्वोत्कृष्ट विद्यार्थी का पुरस्कार मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सीमा शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. उपेंद्र भार्गव, डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र और डॉ. संकल्प मिश्र उपस्थित रहे। संचालन डॉ. हेमंत शर्मा ने किया और आभार डॉ. यश शर्मा ने माना।

सिंहस्थ 2028 की तैयारी : प्रशासन और नगर निगम का बुलडोजर एक्शन..., 2016 के बाद हुए अवैध निर्माणों पर चलेगी जेसीबी

शंकराचार्य के आश्रम, होटल सहित कई अवैध निर्माण ध्वस्त

सिंहस्थ 2028 की बड़ी तैयारियां...

यह कार्रवाई सिंहस्थ 2028 की व्यापक तैयारियों का हिस्सा है। प्रशासन पहले ही शिप्रा नदी के घाटों का करीब 29 किलोमीटर विकास प्रस्तावित करते हुए कार्य शुरू कर दिया है। वहीं सड़क चौड़ीकरण, बुनियादी ढांचे के उन्नयन और अन्य परियोजनाओं पर काम तेजी से जारी है। सिंहस्थ मेले में लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए शहर को अतिक्रमण मुक्त और व्यवस्थित बनाने पर जोर दिया जा रहा है। प्रशासन ने पहले ही संबंधित निर्माणकर्ताओं को नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने की समयसीमा दी थी, लेकिन समय पर कार्रवाई न होने पर बुलडोजर चलाए गए। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान जारी रहेगा और सिंहस्थ क्षेत्र को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा।

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। महाकुंभ सिंहस्थ 2028 के भव्य आयोजन की तैयारियों के तहत जिला प्रशासन और नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार को नगर निगम की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में नृसिंह घाट से लालपुल ब्रिज मार्ग तक 2016 के बाद बने सभी पक्के अवैध निर्माणों को चिन्हित कर ध्वस्त करने का अभियान चलाया। यह कार्रवाई मुख्य रूप से जोन क्रमांक 3 के क्षेत्र में की गई, जहां सिंहस्थ मेले के लिए साधु-संतों के डेरों, टेंट लगाने और श्रद्धालुओं की पार्किंग हेतु जगह खाली कराई जा रही है।

प्रशासन के अनुसार सिंहस्थ क्षेत्र करीब 180 हेक्टेयर में फैला हुआ है और यहां 2016 के बाद कोई भी स्थायी निर्माण की अनुमति नहीं है। पिछले सिंहस्थ 2016 के बाद बने सभी पक्के ढांचों को हटाने का अभियान तेजी से चल रहा है। जिला प्रशासन से प्राप्त सूची के आधार पर इन अवैध निर्माणों की पहचान की गई थी। शंकराचार्य मठ यहां पुण्यानंद गिरी महाराज के आश्रम में अवैध रूप से संचालित तीन मंजिला भवन को ध्वस्त किया गया। इस भवन में 54 कमरे (एसी और नॉन-एसी) थे और इसे होटल के रूप में चलाया जा रहा था। भवन का क्षेत्रफल लगभग 10,000 से 15,000 वर्ग फुट बताया जा रहा है। इसके अलावा नरसिंह घाट रोड पर माधवानंद आश्रम में करीब 60 बाय 80 फीट का निर्माण हटाया गया। श्री क्षत्रिय कलौता समाज की धर्मशाला में लगभग 80 बाय150 फीट क्षेत्र में बनी यह धर्मशाला भी ध्वस्त की गई। अन्य स्थानों पर बागली समाज और विभिन्न आश्रमों एवं धर्मशालाओं के अवैध निर्माण भी हटाए जा रहे हैं। अपर आयुक्त संतोष टैगोर ने बताया कि जिला प्रशासन से प्राप्त सूची के आधार पर यह अभियान चलाया जा रहा है। सिंहस्थ मेले में व्यवस्था बनाए रखने और साधु-संतों तथा आम श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त जगह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इन निर्माणों को हटाया जा रहा है।

इनका कहना है...

सिंहस्थ क्षेत्र में 2016 के बाद बने सभी स्थायी निर्माण चिन्हित किए गए हैं। यहां स्थायी निर्माण की कोई अनुमति नहीं है और सभी अवैध ढांचे हटाए जाएंगे। यह कार्रवाई सिंहस्थ मेले के सुचारु संचालन और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक है।

अभिलाष मिश्रा, आयुक्त -नगर निगम

एमपी बोर्ड परीक्षा में छात्र कर रहा था नकल

उज्जैन, निप्र। जिले में चल रही कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में नकल का पहला प्रकरण मंगलवार को महिदपुर के एक परीक्षा केंद्र पर सामने आया। कक्षा 10वीं के गणित विषय की परीक्षा के दौरान एक विद्यार्थी मोबाइल फोन की मदद से नकल करने का प्रयास कर रहा था, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं गणित परीक्षा में जिले भर में 23,683 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 23,039 उपस्थित हुए और 644 अनुपस्थित रहे। अधिकांश केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण रही।

ई-रिक्शा ने किशोर को मारी टक्कर

उज्जैन, निप्र। महाकाल मंदिर परिसर में बुधवार सुबह फूल-प्रसाद बेचने वाले एक किशोर को ई-रिक्शा ने टक्कर मार दी। नीलगंगा निवासी 16 वर्षीय शुभम पिता सुरेश नरवरिया मंडी से फूल लेकर महाकाल लोक की ओर जा रहा था, तभी ई-रिक्शा ने उसे टक्कर मार दी। शुभम की आंख और हाथ में गंभीर चोट आई है।

विकास कार्यों में सुस्ती बर्दाश्त नहीं: रौशनकुमार सिंह

कलेक्टर और निगमायुक्त ने किया निरीक्षण, दिए काउंटडाउन बोर्ड लगाने के निर्देश

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। शहर की बुनियादी संरचना और सड़कों के कायाकल्प को लेकर जिला प्रशासन सख्त रुख अपना रहा है। बुधवार सुबह कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने शहर के प्रमुख मार्ग निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने नानाखेड़ा से शांति पैलेस और दो तालाब से टैगोर चौराहा तक बन रही सड़कों की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सिंह ने केवल ऊपरी तौर पर काम को नहीं देखा, बल्कि निर्माण स्थल पर मौजूद डिजाइन और ड्राइंग के साथ जमीनी प्रगति का मिलान किया। उन्होंने इंजीनियरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य स्वीकृत तकनीकी मापदंडों के अनुसार ही होना चाहिए। कलेक्टर ने कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और तेजी लाने के लिए एक अनूठा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हर निर्माण साइट पर एक काउंटडाउन बोर्ड लगाया जाए, जिस पर प्रतिदिन की प्रगति दर्ज हो। काम की रफ्तार बढ़ाने के लिए श्रमिकों की संख्या तत्काल बढ़ाई जाए ताकि प्रोजेक्ट समय सीमा से पहले पूरा हो सके। गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के वरिष्ठ इंजीनियर और निर्माण एजेंसी के ठेकेदार भी मौजूद थे। आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने भी संबंधितों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय के साथ बाधाओं को दूर करें और सड़कों का निर्माण जल्द से जल्द पूर्ण करें ताकि यातायात सुगम हो सके।

इनका कहना हैं...

विकास कार्यों में समय सीमा और गुणवत्ता हमारे लिए सर्वोपरि है। काम में देरी आम जनता के लिए असुविधा का कारण बनती है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

रौशन कुमार सिंह, कलेक्टर

ऑनलाइन धोखाधड़ी कर 2.42 लाख ठगे

उज्जैन, निप्र। महाकाल थाना पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के एक मामले में प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी खालिद नूर पिता अहमद नूर खान निवासी कोट मोहल्ला ने शिकायत में बताया कि उनके बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति ने 2.42 लाख रुपये निकाल लिए। फरियादी को इसकी जानकारी भी नहीं हुई कि यह धोखाधड़ी कैसे हुई। मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। टीआई गगन बादल ने बताया कि बैंक से विवरण लिया जाएगा और साइबर सेल की मदद से जांच की जाएगी कि धोखाधड़ी कैसे अंजाम दी गई।

तेज रफ्तार बोलेरो ने मैकेनिक को उड़ाया

उज्जैन, निप्र। आगर रोड पर बुधवार सुबह एक और गंभीर हादसा हुआ। विराट नगर निवासी वाहन मैकेनिक शकूर पिता सादिक खान बाइक से पेट्रोल पंप से निकल ही रहे थे कि इंदिरानगर की ओर से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो पिकअप ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

महिलाओं को ओजस्विनी हिम्मत वायर यंत्र वितरित

हिंदू महासम्मेलन समापन में एक लाख वेलनेस सेंटर खोलने की घोषणा

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। क्षिप्रा नदी के पास बड़ा उदासीन अखाड़े के शहनाई गार्डन में आयोजित दो दिवसीय हिंदू महासम्मेलन का बुधवार को भव्य समापन हुआ। राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के संस्थापक एवं विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया के नेतृत्व में हुए इस सम्मेलन में देशभर से हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

समापन समारोह में महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष ओजस्विनी हिम्मत वायर नामक रिचार्जेबल प्रोटेक्शन यंत्र वितरित किए गए। यह यंत्र पर्स में रखा जा सकता है और आपात स्थिति में बटन दबाने पर 200 लोगों तक को करंट का झटका दे सकता है, जिससे छेड़छाड़ या हमले से बचाव हो सके। डॉ. तोगड़िया ने बताया कि यह यंत्र गुजरात के एक उद्योगपति ने बनाया है। इसकी बाजार मूल्य 800 रुपये है, लेकिन सम्मेलन में 600 रुपये में उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में 40 महिला कार्यकर्ताओं को ये यंत्र भेंट किए गए। संगठन ने पूरे देश में एक लाख महिलाओं तक यह यंत्र पहुंचाने का संकल्प लिया। साथ ही स्कूल-कॉलेजों में निशुल्क सेल्फ प्रोटेक्शन ट्रेनिंग देने की योजना घोषित की गई। डॉ. तोगड़िया ने घोषणा की कि देश में एक लाख वेलनेस सेंटर खोले जाएंगे, जहां हिंदुत्व एकता के साथ स्वास्थ्य, स्वस्थ जीवन और हनुमान चालीसा पाठ के माध्यम से लोगों को जोड़ा जाएगा। सम्मेलन में हनुमान चालीसा पाठ, गुरु प्रमाण और ऑडियो के जरिए एक करोड़ हिंदू परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया।

बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में नोटों से भव्य श्रृंगार

विनय उजाला

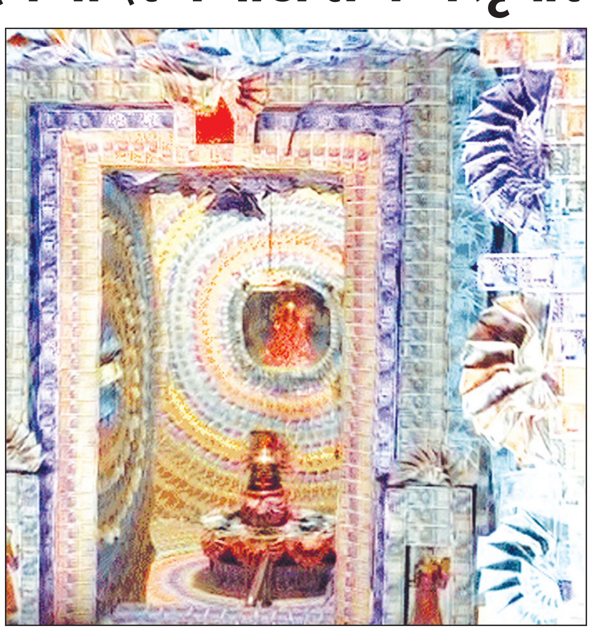

उज्जैन, निप्र। जिले के बड़नगर स्थित प्रसिद्ध बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि मेले के दौरान भगवान शिव का अनोखा और भव्य श्रृंगार किया गया है। करीब 1 करोड़ 31 लाख रुपये के असली नोटों से भगवान का मुकुट, माला, लड्डू और मंदिर परिसर को सजाया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है।

मंदिर के पुजारी संदीप पठोर के अनुसार 10 से 500 रुपये तक के नए नोटों से बनी यह सजावट सात कलाकारों की टीम ने तीन दिन की मेहनत से तैयार की। यह परंपरा पिछले कुछ वर्षों से चली आ रही है, लेकिन 2026 में राशि सबसे अधिक रही। मंदिर में कोई सुरक्षा गार्ड नहीं तैनात है, क्योंकि श्रद्धालु इसे भोलेनाथ की सुरक्षा मानते हैं। महाशिवरात्रि मेला 14 फरवरी से शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेगा। यह विशेष नोटों वाला श्रृंगार गुरुवार 26 फरवरी तक दर्शन के लिए उपलब्ध रहेगा। दूर-दूर से श्रद्धालु इस अनूठे दृश्य को देखने पहुंच रहे हैं, जिससे मंदिर परिसर में भारी भीड़ उमड़ रही है।

बजट से युवाओं को मिलेंगी नौकरियां

उज्जैन, निप्र मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रस्तुत मध्य प्रदेश बजट 2026-27 को युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बताया जा रहा है। शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्टार्टअप पर फोकस के साथ यह बजट युवाओं को नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बनाने का विजन डॉक्यूमेंट है। 15,000 शिक्षकों की नियुक्ति, 986 करोड़ की छात्रवृत्ति, प्रत्येक जिले में कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस और स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर जैसे प्रावधान युवा शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक हैं। युवा नेताओं का मानना है कि यह बजट विकसित मध्य प्रदेश के निर्माण में ऐतिहासिक कदम है।

किसानों का अनिश्चितकालीन धरना स्थगित

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। उज्जैन-इंदौर और उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड एक्सेस रोड के विरोध में करीब एक हजार किसान बुधवार को राशन, बिस्तर और 150 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ उज्जैन कलेक्ट्रेट घेराव के लिए पहुंचने वाले थे। हालांकि प्रशासन की ओर से बातचीत के लिए बुलाए जाने के बाद किसान नेताओं ने आंदोलन फिलहाल स्थगित कर दिया।

कलेक्टर रोशन सिंह ने किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद कलेक्टर ने बताया कि प्रस्तावित ग्रीन फील्ड रोड से जिले के 8 गांव प्रभावित हो रहे हैं कुल तीन जिलों में 90 गांव प्रभावित। मुआवजे, भूमि अधिग्रहण और अन्य मांगों पर चर्चा सकारात्मक रही। किसान नेता राजेश सोलंकी ने कहा कि यह परियोजना सिंहस्थ 2028 से जुड़ी होने के कारण महत्वपूर्ण है, लेकिन किसान मुआवजे की पर्याप्तता और ऊंचाई आदि मुद्दों पर नाराज हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने किये महाकाल दर्शन

विनय उजाला

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार सुबह करीब 10 बजे राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया पहुंचीं। उन्होंने नंदी हॉल से भगवान महाकाल के दर्शन किए, आशीर्वाद लिया और नंदी का पूजन कर बाबा महाकाल को जल अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने श्री वीरभद्र जी एवं महाकालेश्वर ध्वज चल समारोह के ध्वज का भी पूजन किया। मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल एवं प्रतीक द्विवेदी ने उनका स्वागत किया। वसुंधरा राजे ने मंदिर की दर्शन व्यवस्था की तारीफ की और कहा कि राजस्थान के लोग बड़ी संख्या में यहां आते हैं। भगवान महाकाल का हम सब पर आशीर्वाद रहा है। सुख-दुख में हम भगवान शिव के पास आते हैं।

टायर फटने से आयशर में भिड़ंत

उज्जैन, निप्र। गरोठ रोड पर बुधवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें आगे जा रही आयशर वाहन का टायर फट गया और पीछे से आ रही दूसरी आयशर उससे जा भिड़ी। हादसा टोल नाके के पास सुबह करीब 5 बजे हुआ। हरियाणा निवासी ड्राइवर आशिक पिता मो. खान गंभीर रूप से घायल हो गया। वह धामनोद से सब्जियां लेकर दिल्ली जा रहा था और वाहन में अकेला था, कोई हेल्पर नहीं था। मौके पर मौजूद ढाबा संचालक आमीन पिता इस्माईल ने उसे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को मोबाइल से सूचना दी। आशिक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

8 मार्च को भव्यता के साथ होगा नगर गैर का आयोजन - महापौर

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा 8 मार्च को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रंग पंचमी के अवसर पर नगर गैर का आयोजन भव्यता के साथ किया जाएगा। नगर गैर महाकाल मंदिर से गोपाल मंदिर चौक तक निकाली जाएगी। नगर गैर आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए बुधवार को महापौर मुकेश टटवाल द्वारा एमआईसी सदस्य डॉ. योगेश्वरी राठौर, अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह, उपायुक्त संजेश गुप्ता, सहायक आयुक्त प्रफुल गठरे सहित सम्बंधित अधिकरियों के साथ बैठक आयोजित कर आयोजन हेतु की गई कार्यवाही की जानकारी प्राप्त की गई। महापौर मुकेश टटवाल ने कहा कि हमारे द्वारा विगत दो वर्षो से लगातार नगर गैर आयोजन किया जा रहा है जिसमें शहरवासियों के साथ साथ श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन हेतु आने वाले श्रृद्धाओं द्वारा भी सहभागिता की जाकर गैर का आनंद लिया जाता है जो कि नगर गैर आयोजन की सफलता को दर्शता है। इसी प्रकार हम सभी को मिल कर इस वर्ष भी नगर गैर को और भव्य एवं गौरव पूर्ण बनाना है ताकि शहरवासी नगर गैर का भरपूर आनंद ले सकें। आपने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गैर का आयोजन और भव्यता के साथ किया जाए।

नाट्य श्री सम्मान से सम्मानित हुए शुक्ल

उज्जैन, निप्र। वरिष्ठ नाटक लेखक एवं निर्देशक डॉ. राजीव शुक्ल को वर्ष 2025 का प्रतिष्ठित बंश बहादुर मल्ल कला नाट्य श्री सम्मान प्रदान किया गया। बी.एन.एम. सेवा संस्थान, लखनऊ द्वारा लखनऊ में आयोजित समारोह में यह सम्मान मिला। डॉ. शुक्ल राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और संस्कृति मंत्रालय से जुड़े रहे हैं। उन्होंने अखिल भारतीय कालिदास समारोह में कई नाटकों का लेखन-निर्देशन किया, द वर्स्टडे फिल्म पुरस्कृत हुई और दूरदर्शन के रघुवंशम में अभिनय सराहा गया। वर्तमान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में आचार्य पद पर हैं।

सम्पादकीय

आतंक की परिभाषा तो बताओ

भारत आतंकवाद से छिला, जख्मी और असमय मौतों का देश है, लिहाजा आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय नीति का स्वागत है। हम 1980 के दशक से बहुस्तरीय, बहुचेहरी आतंकवाद झेलते आए हैं। उसमें पाकपरस्त इस्लामी, जेहादी आतंकवाद है और पूर्वोत्तर के उग्रवाद भी हैं। खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे खाडकू पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं, लेकिन आज उसका अस्तित्व भी समाप्ति के कगार पर है। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह हमारी सेना, अर्द्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आतंकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आतंकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है। मानवता के लिए साझा खतरा है, आओ मिल कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ें। बहरहाल इस संदर्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की सर्वप्रथम आतंकवाद-रोधी राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है। नाम दिया गया है-'प्रहार।'

दैनिक विनय उजाला सुविचार

तुलना से बचें और सदा खुश रहें ना किसी से ईर्ष्या ना किसी से कोई होड़ मेरी अपनी मंजिलें मेरी अपनी दौड़।

- के पी जाट, भोपाल

ज्ञान उसी को दीजिये, जो सुनता हो बात। बीच सड़क ब्लिंकर लगे, चमके केवल रात।। विपदा घिरती देख के, होना नहीं उदास। अंधियारे की कोख में, पलती सदा उजास।। मिट्टी के इक दीप की, अल्प नहीं औकात। ये बदले उजियार में,घनी अमावस रात।

- अभिलाषा चंदेल, इंदौर

किसी से असहमत होते हुए भी उसके प्रति आदरपूर्ण रहना मनुष्य में परिपक्वता के सबसे सच्चे लक्षणों में से एक है !!

- माया बैरागी सैलाना रतलाम

हर इंसान की सोच हमसे मिले ये संभव नही, पर हम उन्हें उनकी सोच के साथ स्वीकार कर सकें यहीं हमारी सही पहचान होती है ।

- रश्मि तिवारी

सही समय पर ग़लत जगह से...! निकल जाना भी एक बहुत बड़ा सौभाग्य है...!!

- सोमनाथ तिवारी, माण्डव

आदमी मंदिर में जितना साफ -सुथरा जाता हैं , मन के अंदर भी उतना ही साफ़ हो जाए तो यह दुनिया स्वर्ग बन जाय।

- हरिशंकर पाटीदार लिम्बोदा देवास

शब्दमुखर की मौन साँस

मैं तुम्हें पुकारती नहीं,
तुम्हें जीती हूँ -
जैसे कोई दीप
बिना शोर किए
अँधेरे से संवाद करता है।
तुम्हारा नाम
मेरी धड़कनों की दहलीज़ पर
रोज़ चुपचाप आकर बैठ जाता है,
और मैं
उसे माथे की बिंदी की तरह
सजा लेती हूँ।
तुम्हारा चेहरा
मैंने दीवारों पर नहीं,
अपने विश्वास की भीतरी सतह पर
उकेरा है -
जहाँ समय भी
आदर से धीरे चलता है।
याद तुम्हारी
कोई बोझ नहीं,
एक सुवास है -
जिसे मैं सीने में नहीं दबाती,
बल्कि
आरती की लौ-सी
संभालकर रखती हूँ।
तुम बस
मेरे हिस्से की साँस लेते रहना,
मैं तुम्हारे हिस्से का धैर्य बन जाऊँगी।
प्रेम में अधिकार नहीं,
आश्रय होता है -
और मैं
तुम्हारा आश्रय होकर भी
तुम्हारी ही रहूँगी।

दैनिक विनय उजाला

- रेनू 'शब्दमुखर'

लोक विमर्श

वह कहते हैं, 'सचिन तेंदुलकर को एलबीडब्ल्यू देना मेरी गलती थी, जिसके लिए लोग मुझे आजतक कोसते हैं कि मैंने उन्हें आउट क्यों दिया? जिंदगी में गलतियां होती हैं, मैने इसे स्वीकार कर लिया है।' पर सवाल है अब इस गलती को स्वीकार कर लेने से क्या होगा?

क्रिकेट का मजाक हैं

ये फूहड़ स्वीकारोक्तियां...!!

दैनिक विनय उजाला

लोकमित्र गौतम

क्रिकेट को 'जेंटलमैन गेम' कहा जाता है, क्योंकि यह सिर्फ शारीरिक कौशल की परीक्षा नहीं होता बल्कि नैतिकता, ईमानदारी और निष्पक्षता की सार्वजनिक कसौटी भी है। लेकिन जब इस खेल के भीतर से ही कुछ दिग्गज हंसते-मुस्कुराते हुए अतीत की अपनी आपराधिक गलतियों को सहज स्वीकारोक्तियों में बदलने लगें, तो ये न तो नैतिकता है, न ईमानदारी है और न ही सहज मानवीयता है। ये स्वीकारोक्तियां खेल का फूहड़ मजाक है। 22 साल बाद वेस्टइंडीज के पूर्व अम्पायर स्टीव बकनर ने स्वीकार किया है कि उन्होंने साल 2003-04 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान विश्ब्रेन के गाबा मैदान पर सचिन तेंदुलकर जो एलबीडब्ल्यू आउट दिया था, वह वास्तव में गलत था। गौरतलब है कि 4 मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच में सचिन तेंदुलकर जब 3 रनों पर बल्लेबाजी कर रहे थे, तब ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी की गेंद को उन्होंने छोड़ने की कोशिश की, तो गेंद उनके पैड से टकरा गई और गिलेस्पी ने जोरदार अपील की, जिसके बाद स्टीव बकनर ने बिना कुछ सोच-समझे अपनी उंगली ऊपर उठा दी और सचिन को आउट दे दिया।

लेकिन जब टीवी रिप्ले में साफ-साफ देखा गया कि गेंद स्टंप के ऊपर से जा रही थी, तो इस पर दुनिया के बड़े-बड़े दिग्गज क्रिकेटरों ने स्टीव बकनर के निर्णय की जबर्दस्त आलोचना की। इस मैच में कमेंट्री कर रहे टोनी ग्रेग ने इस फैसले को भयानक करार दिया था। दूसरे क्रिकेटरों ने भी इसे बहुत घटिया फैसला बताया था। लेकिन ऐसा फैसला देने वाले स्टीव बकनर कोई नौसिखिया अम्पायर नहीं थे, वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के उस समय भी जाने-माने अम्पायर थे। बकनर ने अपने अम्पायरिंग कॅरियर में टेस्ट मैचों में 128 मैचों में फील्ड अम्पायरिंग तथा दो मैचों में टीवी अम्पायर की भूमिका निभायी है। जबकि एक दिवसीय क्रिकेट उन्होंने 182 मैचों में फील्ड अम्पायरिंग, जबकि 26 मैचों में टीवी अम्पायरिंग की है। हालांकि यह टेस्ट मैच ड्रा हो गया था,लेकिन अगर सचिन को इस तरीके से आउट न दिया गया होता, तो शायद भारत मैच अच्छे खासे मार्जिन से जीत जाता। क्योंकि भारत इस मैच की पहली पारी में 409 रन बनाये थे, जिसमें जेसन गिलेस्पी के 4 विकेट थे। अगर सचिन को गलत तरीके से आउट न दिया जाता, तो हो सकता है भारत 550 या 600 रन बनाकर पहली पारी के आधार पर ही यह टेस्ट मैच जीत लेता। क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी मात्र 323 रन ही बना सका था जबकि स्टीव बकनर द्वारा सचिन को गलत आउट देने के बाद भी भारत ने 409 रन बनाये थे।

आज 22 सालों बाद स्टीव बकनर वेस्टइंडीज क्रिकेट अम्पायर्स एसोसिएशन को दिये गये अपने इंटरव्यू में मानते हैं कि उनसे सचिन तेंदुलकर को गलत आउट देने की गलती हुई थी। वह कहते हैं, 'सचिन तेंदुलकर को एलबीडब्ल्यू देना मेरी गलती थी, जिसके लिए लोग मुझे आजतक कोसते हैं कि मैंने उन्हें आउट क्यों दिया? जिंदगी में गलतियां होती हैं, मैने इसे स्वीकार कर लिया है।' पर सवाल है अब इस गलती को स्वीकार कर लेने से क्या होगा? क्या सचिन तेंदुलकर के उस मैच को मात्र 3 रनों पर आउट होने का परिणाम बदल जायेगा? क्या ऑस्ट्रेलिया द्वारा उस मैच को ड्रा करा लेने का नतीजा अब बदल जायेगा? अगर इतिहास से ये निर्णय या तथ्य नहीं बदले जा सकते, तो फिर स्टीव बकनर के गलती मान लेने का अब फायदा क्या है और वह भी खुद ही यह कहते हुए कि गलतियां तो इंसान से हो ही जाती हैं? लेकिन अगर गलतियां होने का पता चल जाए, फिर भी वह गलती न बदली जाए तो गलती का एहसास या गलती मान लेने का कोई फायदा क्या हुआ? निश्चित रूप से यह कोई अकेला मामला नहीं है, जब लोग अतीत की अपनी गलतियों को हंसी-मजाक का विषय बना लेते हैं और अपने शातिर झूठ की वैधता का उत्सव मनाते हैं।

यह सिर्फ खेल का संकट नहीं है, यह सत्य और न्याय की समूची अवधारणा पर एक गहरा प्रहार है। अगर इस तरह की गलतियां स्वीकार कर लेने के बाद भी इतिहास का सत्य नहीं बदलता, तो गलती स्वीकार करने का कोई मतलब नहीं है और यह कोई अकेले स्टीव बकनर के संबंध में ही बात नहीं है, इन दिनों पाकिस्तान के एक पूर्व स्पिनर सकलेन मुश्ताक भी सोशल मीडिया में प्रसारित कई अपने शॉर्ट वीडियोज में हंसते हुए बताते हैं कि उन्होंने अपने कॅरियर में जितने विकेट लिए हैं, उनमें बहुत सारे विकेट तो शोर मचाकर और अम्पायर पर प्रेशर डालकर खिलाड़ी को बिना आउट किए ही लिए हैं। मजे की बात यह है कि सकलेन मुश्ताक आजकल टीवी इंटरव्यूज में यह बात हंसते-मुस्कुराते हुए इतनी सहजता से बताते हैं, मानो यह कोई अपराध ही न हो बल्कि एक किस्म का मनोरंजन हो। जबकि हम सब जानते हैं कि कई बार किसी बल्लेबाज के आउट होने से उसका कॅरियर ही आउट हो जाता है। अगर सकलेन मुश्ताक ने कुछ ऐसे खिलाड़ियों को झूठी अपील के जरिये अम्पायर पर प्रेशर डालकर आउट कराया था, तो सोचिए उन बल्लेबाजों पर आज क्या गुजर रही होगी, जो इस तरह के दबाव से आउट हुए थे?

कुछ इसी तरह की स्वीकारोक्ति भारत के महान बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी अपने कई टीवी इंटरव्यूज में किये हैं कि अम्पायरों से दोस्ताना संबंध बनाकर वह कई बार आउट होने के बाद भी क्रीज में बने रहते थे क्योंकि अम्पायर उन्हें आउट नहीं देते थे। हालांकि यह सब कुछ आज वह हंसते-मुस्कुराते हुए बड़े मजाकिया अंदाज में बताते हैं, लेकिन क्या इससे यह झूठ गायब हो जाते हैं कि वह आउट होने के बाद वह अपने तिकड़म से आउट नहीं हुए। यह स्वीकारोक्ति खतरनाक इसलिए है कि गलती करने वाले ने तो कुछ समय के बाद अपने गलत किये जाने को अपराधबोध की शक्ल में स्वीकार कर लिया। लेकिन सवाल है जिसके विरूद्ध उन्होंने यह गलती की और जिसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ा, क्या उनकी इस स्वीकारोक्ति से उन खिलाड़ियों का भुगता गया खामियाजा भी हंसते-मुस्कुराते बदल गया? कतई नहीं। उनके विरूद्ध तो यह अपराध हो ही चुका होता है और उन्हें न केवल उसकी सजा मिल चुकी होती है बल्कि वो कभी अपराधमुक्त भी नहीं होते, तो फिर आखिर सालों बाद अपने अपराधों को हंसते-मुस्कुराते मान लेने से अपराधी, अपराधमुक्त कैसे हो सकते हैं?

वास्तव में इस सवाल का जवाब सिर्फ खेल में नहीं बल्कि कानून और हमारे समाज की संरचना में छिपा है। मान लीजिए यह मामला खेल की दुनिया का न होकर किसी दूसरे क्षेत्र का हो तो क्या होगा? उदाहरण के लिए यदि 20-25 साल बाद सुप्रीम कोर्ट का कोई न्यायाधीश हंसते-मुस्कुराते हुए कहे कि मुझसे इस निर्णय में गलती हुई थी, मैंने वास्तव में जिसे सजा दी थी, उसे नहीं दिया जाना चाहिए था, तो क्या महज सिर्फ साल गुजर जाने भर से वह गलती कम हो जाती है? क्या कुछ साल गुजरने के बाद वह गलती हंसने-मुस्कुराने और सहजता से स्वीकार करने का विषय बन जाती है? कतई नहीं। क्योंकि इस सबसे दिए गए निर्णय का परिणाम नहीं बदलता। इसलिए अगर स्टीव बकनर 22 सालों बाद सचिन के विरूद्ध किए गये अपने अपराध को स्वीकार भी करते हैं, तो यह स्वीकारोक्ति तब जायज होती, जब सचिन को इस गलत फैसले के परिणाम से मुक्त किया जाता और अगर सचिन के विरूद्ध किया गया, बकनर का अपराधिक फैसला, जस का तस बना रहता है तो फिर यह स्वीकारोक्ति अगर एक और मजाक नहीं तो और क्या है?

(लेखक विशिष्ट मीडिया एवं शोध संस्थान, इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर में वरिष्ठ संपादक हैं)

-इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

बॉलीवुड की मार्केटिंग की बड़ी चूकः दो हफ़्ते, चार फिल्में और दर्शकों से दूरी का एक कड़ा सबक

फरवरी 2026 के पहले तीन हफ्तों में बॉलीवुड को फिल्म प्रमोशन के मामले में एक कड़ा सबक मिला। सिर्फ दो हफ्तों के भीतर चार फिल्में रिलीज़ हुईं। इन फिल्मों के पास अच्छे निर्देशक थे, पॉपुलर कलाकार थे और समय के हिसाब से मजबूत विषय भी थे। फिर भी ये चारों बॉक्स ऑफिस पर लड़खड़ा गईं। वजह यह नहीं थी कि कहानियाँ कमजोर थीं, बल्कि इसलिए कि उनकी मार्केटिंग सही तरह से काम नहीं कर पाई। 13 फरवरी को वैलेंटाइन डे वीकेंड पर दो फिल्मों की टक्कर हुई— विशाल भारद्वाज की 'ओ' रोमियो' और बिजॉय नांबियार की 'तू या मैं'। ठीक एक हफ्ते बाद 20 फरवरी को रवि उदयवार की 'दो दिवाने शहर में' और अनुभव सिन्हा की 'अस्सी' रिलीज़ हुई। चारों फिल्मों का जॉनर अलग था, कलाकार अलग थे, लेकिन एक कमी समान थी—कमज़ोर या गलत दिशा में की गई मार्केटिंग।

'ओ' रोमियो' एक रोमांटिक एक्शन-क्राइम ड्रामा थी, जो हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्विन्स ऑफ मुंबई' से प्रेरित थी। फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी जैसे लोकप्रिय चेहरे थे। विशाल भारद्वाज का नाम अपने आप में सफलता का भरोसा देता है। फिल्म की ऑफलाइन पब्लिसिटी भी ज़ोरदार थी—मुंबई के 27 रेलवे स्टेशनों पर एलईडी स्क्रीन, गेयटी गैलेक्सी में फैन इवेंट्स, गानों की भव्य लॉन्चिंग और मॉल रोड शो। ऑनलाइन भी टीज़र और ट्रेलर को शुरुआत में अच्छा रिस्पॉन्स मिला। लेकिन समस्या यह थी कि शुरुआती चर्चा को आगे बढ़ाने की कोशिश नहीं की गई। गाने सोशल मीडिया पर ट्रेंड नहीं कर पाए। कोई बड़ा डांस स्टेप या मीम कल्चर नहीं बना। कुछ विवाद भी हुए—कानूनी नोटिस, सेंसर बोर्ड की कटौती और एक कार्यक्रम में नाना पाटेकर का नाराज़ होकर चले जाना। इन सबने फिल्म के लिए सकारात्मक माहौल बनाने के बजाय उलझन पैदा की। फिल्म ने पहले दिन ठीक-ठाक कमाई की, लेकिन सोमवार को कलेक्शन अचानक गिर गया। कई शो रद्द हुए और ऑनलाइन रेटिंग को लेकर भी विवाद हुआ। फिल्म बुरी नहीं थी, लेकिन मार्केटिंग उसे लंबे समय तक दर्शकों तक नहीं पहुंचा सकी।

दूसरी तरफ 'तू या मैं' को डेट-फ्राइट फिल्म के रूप में पेश किया गया। यह एक रोमांस से शुरू होकर मगरमच्छों से भरे सर्वाइवल थ्रिलर में बदल जाती है। फिल्म में शनाया कपूर और आदर्श गौरव थे। प्रमोशन में सोशल मीडिया पर स्टाइलिश फोटोशूट, कॉलेज विजिट और मजेदार इवेंट्स किए गए। निर्माता आनंद एल राय की कंपनी कलर येलो प्रोडक्शंस ने इसे अलग और बोल्ड फिल्म बताया। लेकिन यह प्रचार ज़्यादातर डिजिटल और सीमित दायरे में रहा। बड़े स्तर पर आउटडोर पब्लिसिटी नहीं हुई। गाने भी ज्यादा चर्चा में नहीं आए। वैलेंटाइन डे पर दर्शक पारंपरिक रोमांस देखना चाहते थे, लेकिन उन्हें रोमांस के साथ खतरनाक सर्वाइवल कहानी मिली। फिल्म की ओपनिंग बहुत कम रही और वीकेंड तक भी खास कमाई नहीं हुई। कुछ समीक्षाओं ने फिल्म के दूसरे हिस्से की तारीफ की, लेकिन वह चर्चा बड़े स्तर तक नहीं पहुंच सकी।

20 फरवरी को रिलीज़ हुई 'दो दिवाने शहर में' एक हल्की-फुल्की रोमांटिक फिल्म थी। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर थे। दोनों ने कॉलेज टूर, टीवी शो और फैन इवेंट्स के जरिए फिल्म को प्रमोट किया। उनकी जोड़ी को पसंद भी किया गया। ट्रेलर अच्छा लगा। लेकिन बड़े पैमाने पर प्रचार नहीं हुआ। कोई बड़ा गाना या सोशल मीडिया ट्रेंड नहीं बना। रिलीज़ के दिन फिल्म की कमाई बहुत कम रही। यह साफ दिखा कि सिर्फ छोटे इवेंट्स से व्यापक दर्शक नहीं जुड़ते।

चौथी फिल्म 'अस्सी' एक गंभीर कोर्टरूम ड्रामा थी, जिसमें यौन हिंसा जैसे संवेदनशील मुद्दे को उठाया गया। फिल्म में तापसी पन्नू, कानी कुस्रुति और रेवती जैसे मजबूत कलाकार थे। अनुभवी निर्देशक अनुभव सिन्हा ने खुद कहा कि ऐसी फिल्मों को ज्यादा मार्केटिंग की जरूरत होती है। फिल्म के लिए कुछ छोटे शहरों में विशेष स्क्रीनिंग रखी गई, ताकि वर्ड-ऑफ-माउथ से चर्चा बने। लेकिन बड़े स्तर पर प्रचार की कमी साफ दिखी। सोशल मीडिया पर कई लोग पूछ रहे थे कि यह फिल्म कब रिलीज़ हुई। पोस्टर और ट्रेलर उतने प्रभावशाली तरीके से लोगों तक नहीं पहुंचे। जो फिल्म राष्ट्रीय स्तर पर बहस छेड़ सकती थी, वह चुपचाप सिनेमाघरों में आकर चली गई। इन चारों फिल्मों से एक साफ संदेश मिलता है। आज के दौर में सिर्फ अच्छा कंटेंट या बड़े कलाकार काफी नहीं हैं। दर्शकों का ध्यान खींचना और उसे बनाए रखना बहुत जरूरी है। सोशल मीडिया के समय में गाने ट्रेंड होने चाहिए, कैंपेन यादगार होने चाहिए और फिल्म के बारे में लगातार बातचीत होनी चाहिए।

अगर मार्केटिंग सही नहीं है, तो अच्छी फिल्म भी नजरों से ओझल हो सकती है। फरवरी 2026 की ये चार फिल्में इसी बात का उदाहरण बन गईं। बॉलीवुड को अब यह समझना होगा कि प्रमोशन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि फिल्म की सफलता की सबसे बड़ी जरूरत है। जब तक निर्माता और वितरक इस सच्चाई को पूरी तरह नहीं अपनाते, तब तक ऐसी असफलताएँ दोहराई जाती रहेंगी।

मार्केटिंग की बस सिर्फ़ इन फिल्मों से चूकी ही नहीं — वह डिपो से बाहर ही नहीं निकली। और बॉलीवुड ने, एक बार फिर, इसका खामियाजा भुगता।

दैनिक विनय उजाला

- गिरिश वानखेडे

पाणिनि से एआई स्टैक तक : दिल्ली का एआई गौरव और राष्ट्रीय क्षमता का लक्ष्य

जब पाणिनि ने बोली जाने वाली भाषा की अव्यवस्था को एक संक्षिप्त, गणनीय व्याकरण में परिवर्तित किया, तो उन्होंने एक बात साबित की, जो आज भी प्रासंगिक है- बुद्धिमत्ता सबसे शक्तिशाली तब होती है, जब इसे संरचना के रूप में व्यक्त किया जाता है। नालंदा इस सहज प्रवृत्ति को संस्थानों तक ले गया और बहस करने, संरक्षित करने और ज्ञान को सीमाओं के पार प्रसार करने के तरीके विकसित किए। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी करने का भारत का निर्णय उसी सभ्यतागत भावना से प्रेरित है, क्योंकि तकनीक में अगली छलांग उन प्रणालियों के बारे में है, जो सीख सकती हैं, तर्क कर सकती हैंऔर बड़े पैमाने पर कार्य कर सकती हैंऔर दुनिया ऐसे भविष्य के बारे में सोच नहीं सकती, जिसमें केवल कुछ देश यह तय करें कि ये प्रणालियाँ कैसे बनाई जाएँगी।

पिछले सप्ताह भारत मण्डपम में आयोजित यह शिखर सम्मेलन, एक वैश्विक दक्षिण राष्ट्र द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन थाऔर किसी भी पूर्व आयोजन में इस स्तर की भागीदारी नहीं देखी गयी- 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री, 100 से अधिक देशों के 500 से अधिक एआई दिग्गज और विषय-आधारित दस पवेलियनों में 300 प्रदर्शक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत अपनी स्वयं की एक संगठनात्मक सोच प्रस्तुत कर रहा है- डेटा पर संप्रभुता, डिज़ाइन के अनुसार समावेशऔर स्वाभाविक जवाबदेही। देश वैश्विक पूंजी को इन शर्तों पर यहाँ निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहा है।

प्रधानमंत्री के एम.ए.एन.ए.वी विजन में इस विचार की स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई है- नैतिक पाबंदी, जवाबदेह शासन, डेटा पर संप्रभुता, ताकि ज्ञान के कच्चा माल का उस रूप में निष्कर्षण न किया जाए जैसे कभी वस्तुओं का किया जाता था; व्यापक पहुंच, ताकि लाभ मध्य प्रदेश के किसान तक उतने ही निश्चित रूप से पहुंचे, जितना बेंगलुरु के इंजीनियर तकऔर कानूनी वैधता, ताकि हर प्रयुक्त प्रणाली लोकतांत्रिक निरीक्षण के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उनकी अवधारणा एआई को खुला आकाश देने की है, जबकि नियंत्रण मानव हाथों में रखा जाना चाहिए। यह अवधारणा एक ऐसी रेखा खींचती है, जिसे कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं खींचने में हिचकिचा रही हैं।

अब इन सिद्धांतों का बहुपक्षीय महत्व है, जो शिखर सम्मेलन में अपनाई गई दिल्ली घोषणा के माध्यम से सामने आया, और इसे पहले से ही वैश्विक दक्षिण से आने वाली पहली प्रमुख एआई शासन रूपरेखा कहा जा रहा है। इस घोषणा की दृष्टि विकास-उन्मुख है, जिसका केंद्र तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण है और जो कठोर अनुपालन की तुलना में लचीली पाबंदियों को प्राथमिकता देता है। यह वैश्विक सहयोग को तीन स्तंभों पर व्यवस्थित करता है- लोग, पृथ्वी और प्रगति। भारतजेन जैसा जनसंख्या के पैमाने पर आधारित समाधान, जो 22 भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है और उस वास्तविकता को संबोधित करता है कि दुनिया का अधिकांश भाग अंग्रेज़ी में काम नहीं करता। भारत के अपने सब्सिडी वाले जीपीयू एक्सेस (?65 प्रति घंटा) पर आधारित एक प्रस्तावित वैश्विक कंप्यूट बैंक प्रवेश बाधाओं को हर जगह कम करता है। घोषणा में डेटा संप्रभुता पर जोर दिया गया है, जो सीधे एआई निष्कर्षणवाद को चुनौती देता है- एक पैटर्न, जिसमें विकासशील देशों से डेटा संग्रहित किया जाता है ताकि मॉडल को प्रशिक्षित किया जा सके। बाद में इन देशों को इसी मॉडल के लिए भुगतान करना पड़ता है।

पिछले दशक के कार्यान्वयन ने इस रूपरेखा को विश्वसनीयता दी है, क्योंकि यह सरकार एआई तक किसी श्वेत पत्र के माध्यम से नहीं, बल्कि किसी भी लोकतांत्रिक देश द्वारा शुरू किये गये सबसे महत्वाकांक्षी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना कार्यक्रम के जरिये पहुँची है। यूपीआई ने 2025 में 228 बिलियन से अधिक लेन-देन संसाधित किए, जिनका मूल्य लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर था, जो दुनिया के वास्तविक समय पर कुल डिजिटल भुगतान का लगभग आधा हैऔर यह वैश्विक स्तर पर वीसा द्वारा संसाधित किये गये कुल लेन-देन से भी अधिक है। जेएएम त्रय ने 2015 से अब तक ?3.48 लाख करोड़ से अधिक की कल्याण बचत प्रदान की है। किसी अन्य देश ने एक ही नीतिगत व्यवस्था के तहत पहचान, भुगतान और पात्रता-अधिकार के वितरण का निर्माण इस स्तर पर नहीं किया हैऔर यही वह आधारशिला है, जिस पर भारत का एआईखड़ा है।

यदि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को देश से जोड़ना था, तो एआई अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को क्षमता से जोड़ना हैऔर यहाँ आंकड़े एक चौंकाने वाला अंतर दिखाते हैं- भारत दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत डेटा का उत्पादन करता है, लेकिन यहाँ वैश्विक डेटा-केंद्र क्षमता का केवल लगभग 3 प्रतिशत मौजूद है। अब इस अंतर को उसी इरादे के साथ पाटा जा रहा है, जिसने यूपीआई का निर्माण किया था- तेज़, बड़े पैमाने परऔर संप्रभु डिजाइन के साथ।

विचार करें कि भारत मंडपम में एक ही सप्ताह में क्या घोषणाएँ की गईं। माइक्रोसॉफ्ट- 2030 तक वैश्विक दक्षिण के लिए 50 बिलियन डॉलर, जिसमें से पहले ही 17.5 बिलियन डॉलरकी भारत के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी है। गूगल- अमेरिका-भारत संपर्क पहल, जो पांच वर्षों में 15 बिलियन डॉलरसे संचालित होगी। अमेज़न वेब सर्विसेज़- महाराष्ट्र में 8.3 बिलियन डॉलर। अदानी समूह- 2035 तक नवीकरणीय ऊर्जा-संचालित एआई डेटा केन्द्रों के लिए 100 बिलियन डॉलर। योटा डेटा सर्विसेज़- एनवीडियाके ब्लैकवेल अल्ट्रा चिप्स का उपयोग करके एशिया के सबसे बड़े एआई कंप्यूटिंग हब में से एक के लिए 2 बिलियन डॉलरसे अधिक। लार्सन एंड टुब्रो- एनवीडियाके साथ भारत की सबसे बड़ी गीगावाट-स्केल एआई फैक्ट्री बनाने के लिए प्रस्तावित परियोजना। इंडियाएआई मिशन का राष्ट्रीय कंप्यूट क्लस्टर 38,000 जीपीयू पार कर चुका है और इसे 58,000 तक बढ़ाया जा रहा है, जो स्टार्टअप्स के लिए वैश्विक लागत के लगभग एक तिहाई पर उपलब्ध है। अगले दो वर्षों में एआई अवसंरचना में 200 अरब डॉलर के निवेश का सरकार का लक्ष्य महज आकांक्षा नहीं है; घोषित प्रतिबद्धताएँ इसे हासिल करने के दायरे में लाती हैं।

केंद्रीय बजट 2026-27 का उद्देश्य इस निवेश को दीर्घकालिक संरचनात्मक लाभ में बदलने का है, जो उन विदेशी कंपनियों के लिए टैक्स होलीडे का 2047 तक विस्तार करता है, जो वैश्विक क्लाउड सेवाओं के लिए भारतीय डेटा सेंटर का उपयोग करती हैं तथा एआई और उच्चतम निर्माण स्टार्टअप्स के लिए 1.1 अरब डॉलर के वेंचर कैपिटल फंड का वचन देती हैं। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन, जिसका परिव्यय 34,000 करोड़ रुपये से अधिक का है, लिथियम, कॉबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी धातुओं को सुरक्षित करता है, जिन पर एआई और सेमीकंडक्टर का निर्माण निर्भर होता है।

हालाँकि यह सब तब तक मायने नहीं रखता, जब तक यह लोगों तक नहीं पहुँचता। शिखर सम्मेलन के पहले दिन, 2.5 लाख से अधिक छात्रों ने नवाचार के लिए जिम्मेदार एआई का उपयोग करने की शपथ ली, यह संख्या गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की मान्यता के लिए प्रस्तुत की गई है। तीस डेटा और एआई लैब्स स्तर 2 और स्तर 3 के शहरों में काम कर रहे हैं, जो 570-लैब नेटवर्क की योजना का पहला प्रयास है, जबकि एआईकोश 7,500 से अधिक डेटासेट और 273 मॉडलों को साझा सार्वजनिक अवसंरचना के रूप में पेश करता है। जब यह सरकार सत्ता में आई थी, तब भारत में 16 आईआईटी थे; आज 23 हैं। ओपनएआई के सीईओ ने बताया कि भारत चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जिसके 100 मिलियन साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।खपत यहाँ है, और उत्पादन क्षमता रफ़्तार पकड़ बना रही है- शिखर सम्मेलन में तीन संप्रभु एआई मॉडल पेश किए गए, जिनमें सर्वम एआई का 105-बिलियन-पैरामीटर व्यापक भाषा मॉडल शामिल है, जिसे पूरी तरह भारतीय कंप्यूटिंग और भारतजेन का परम2 पर प्रशिक्षित किया गया है, एक 17-बिलियन-पैरामीटर बहुभाषी मॉडल, जो सभी 22 अनुसूचित भाषाओं का समर्थन करता है। ये विदेशी मॉडलों के अनुकूल किये गये संस्करण नहीं हैं; इन्हें संप्रभु अवसंरचना पर शुरुआत से बनाया गया है।

यह भी जानकारी देने योग्य है कि साझेदारी की संरचना अब कैसे तैयार की जा रही है, क्योंकि अब यह विदेशी तकनीक के लाइसेंस के बारे में नहीं है, बल्कि संप्रभु क्षमता के सह-निर्माण के बारे में है। टाटा समूह की ओपनएआई के साथ रणनीतिक साझेदारी स्टारगेट पहल के तहत 100 मेगावाट एआई-तैयार डेटा सेंटर क्षमता के साथ शुरू होगी और इसका विस्तार एक गीगावाट तक किया जाएगा। इससे यह संकेत मिलता है कि भारतीय उद्योग, वैश्विक ज्ञान परिदृश्य में मांग पक्ष से आपूर्ति पक्ष की ओर आगे बढ़ रहा है। शिखर सम्मेलन के दौरान भारत द्वारा पैक्स सिलीका घोषणा पर औपचारिक हस्ताक्षर अमेरिकी-नेतृत्व वाले गठबंधन में देश को एआई, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षित रखने वाले देशों में शामिल करता है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया अन्य सदस्य हैं। इसके साथ ही द्विपक्षीय भारत-अमेरिका एआई अवसर साझेदारी पर हस्ताक्षर किये गये हैं, जो दोनों देशों को महत्वपूर्ण तकनीकों पर नवाचार-प्रवृत्त दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रतिबद्ध करती है, जबकि भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष, 2026 एक और आयाम जोड़ता है, जो संयुक्त कौशल विकास और मापनीय परिणामों से संबंधित है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन श्रृंखला की मेजबानी करने वाला पहला वैश्विक दक्षिण देश केवल एक संवाद आयोजित नहीं कर रहा था, बल्कि उसने यह स्पष्ट कर दिया कि वह किन शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करना चाहता है- एक दिल्ली घोषणा पत्र, जो एआई शासन के नियमों को फिर से तैयार करता है, डिजिटल अवसंरचना, जो दुनिया में वास्तविक समय पर होने वाले लगभग आधे भुगतानों को संसाधित करती है, सैकड़ों अरबों की निवेश प्रतिबद्धताएं, पूरी तरह से नए सिरे से बनाए गए संप्रभु मॉडल, और एआई युग की आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा संरचना में प्रवेश। पाणिनि का सबक कभी जटिल नहीं था। संरचना ही बुद्धिमत्ता है। भारत अब उस संरचना का निर्माण कर रहा है।

दैनिक विनय उजाला

- हरदीप एस पुरी

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

संक्षिप्त समाचार

मेरी काबिलियत पर कोई सवाल नहीं उठा सकता, कर्नाटक सीएम पद पर गृह मंत्री परमेश्वर ने भी ठोका दावा

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में सीएम पद को लेकर खींचतान खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अभी तक सीएम सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच ही नेतृत्व को लेकर खींचतान थी, अब राज्य के गृह मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी परमेश्वर भी सीएम पद की रेस में शामिल हो गए हैं। जी परमेश्वर ने एक ताजा बयान में कहा है कि अगर उनके समर्थक सीएम पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव दे रहे हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी काबिलियत पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। दरअसल कुछ कांग्रेस नेताओं ने जी परमेश्वर को सीएम बनाने की मांग की है। बुधवार को बंगलूरू में मीडिया से बात करते हुए जब गृह मंत्री जी परमेश्वर से इसे लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा 'इसमें गलत क्या है? अगर इसमें कुछ गलत है तो मुझे बताइए मैं उसे साफ करूंगा।' जी परमेश्वर ने कहा, मैंने बार-बार कहा है कि ऐसे मुद्दों पर सड़क पर चर्चा नहीं होती। इसकी एक प्रक्रिया है। लेकिन कोई भी ये नहीं कह सकता कि इस मांग में कुछ गलता है। जी परमेश्वर ने कहा, कितनी बात मुझे अपनी योग्यता साबित करनी होगी? मैं प्रदेश कांग्रेस कमेटी का आठ वर्षों तक अध्यक्ष रहा हूं। क्या मैंने बिना योग्यता के काम किया? मैं दो बार पार्टी को सत्ता में लेकर आया हूं, क्या ये बिना योग्यता के संभव है। जी परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने किसी से उनका नाम सीएम पद के लिए सुझाने के लिए नहीं कहा है। मैंने राज्य के डिप्टी सीएम पद पर काम किया है क्या कोई बिना योग्यता के इस पद पर काम कर सकता है? लेकिन सीएम पद पर फैसला पार्टी आलाकमान करेगा। दिल्ली जाकर पार्टी आलाकमान से चर्चा करने के सवाल पर परमेश्वर ने कहा 'दिल्ली मेरे लिए कोई नई जगह नहीं है। जब भी जरूरी होगा, मैं दिल्ली जाऊंगा। मुझे दिल्ली जाने के लिए किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है। अगर कोई आधिकारिक काम होगा तो मैं एलान करके दिल्ली जाऊंगा। अगर मुझे लगेगा कि किसी मुद्दे पर पार्टी आलाकमान से चर्चा करने की जरूरत है तो मैं जरूर दिल्ली जाऊंगा।'

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बोलीं- युवा कांग्रेस सदस्यों की गिरफ्तारी शर्मनाक, देशहित से समझौते कर रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने युवा कांग्रेस सदस्यों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज उठाने वाले युवा कांग्रेस सदस्यों पर की गई कार्रवाई अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर किए गए अपने पोस्ट में कहा कि

सत्य के लिए शांतिपूर्ण और अहिंसक प्रतिरोध भारत की गौरवशाली परंपरा रही है, जो महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन से विरासत में मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक दबाव के आगे झुककर सरकार ने देश के हितों से समझौता किया है और प्रधानमंत्री व सरकार के खिलाफ आवाज उठाना 1.4 अरब भारतीयों के हित में है। उनकी यह टिप्पणी उस समय आई है, जब दिल्ली पुलिस ने एआई समिट में हुए शर्टलेस विरोध प्रदर्शन के मामले में भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को मुख्य साजिशकर्ता और मास्टरमाइंड बताते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने पहले हिरासत में लिए गए सात अन्य यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर भी दंगा समेत अतिरिक्त धाराएं जोड़ी हैं। बताया गया कि पिछले सप्ताह एआई समिट के दौरान हॉल नंबर 5 में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक समूह ने शर्ट उतारकर सरकार और भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ लिखे स्लोगन वाली टी-शर्ट दिखाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें तुरंत वहां से हटा दिया। कांग्रेस ने चिब और अन्य कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। वहीं पार्टी सांसद राहुल गांधी ने इस कार्रवाई को तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का परिचायक बताते हुए सरकार पर लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का आरोप लगाया है।

देशभर के बंगाली पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के मूड में : समिक भट्टाचार्य

सूरत, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने दावा करते हुए कहा कि देशभर में रह रहे बंगाली अब बंगाल में सरकार बदलने के मूड में हैं। उन्होंने कहा कि एक समय पश्चिम बंगाल देश को दिशा देने वाला राज्य था, लेकिन पहले कम्युनिस्ट शासन और अब तृणमूल कांग्रेस सरकार के कारण हालात बिगड़ गए हैं। गुजरात के सूरत में पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पहले बंगाल का व्यापारिक मुकाबला महाराष्ट्र से होता था, लेकिन आज स्थिति काफी बदल चुकी है। भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि राज्य में सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, निवेश बाहर जा रहा है और जो लोग बंगाल छोड़कर बाहर गए, वे आर्थिक रूप से मजबूत हुए हैं, जबकि राज्य में रहने वाले लोग कमजोर स्थिति में हैं। कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि 2016 के बाद से चुनाव के पहले, दौरान और बाद में हिंसा की घटनाएं एक परंपरा बन गई हैं। उन्होंने दावा किया कि इन घटनाओं में भाजपा के 300 से अधिक कार्यकर्ताओं की जान जा चुकी है। 2021 के चुनाव परिणाम के बाद 27 दिनों में 56 कार्यकर्ताओं की हत्या हुई और महिला कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार के मामले भी सामने आए। उन्होंने कहा कि हाल ही में भाजपा कार्यकर्ताओं की 36 मोटरसाइकिलों को आग के हवाले कर दिया गया और कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई। भट्टाचार्य ने तृणमूल सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है, भ्रष्टाचार बढ़ रहा है और निवेश लगातार बाहर जा रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता अब इस स्थिति से छुटकारा चाहती है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा समझौते की राजनीति करती आई है और वर्तमान में भी तृणमूल कांग्रेस के साथ मिलकर हालात को और खराब कर रही है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस ने नेहरू से राहुल तक समझौते ही समझौते किए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बुधवार को नेहरू-गांधी परिवार पर 'समझौतावादी मिशन' चलाने का आरोप लगाया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय कल्याण की बजाय व्यक्तिगत और विदेशी हितों को प्राथमिकता दी, और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 'विदेशी शक्तियों की कठपुतली' बताया।

मीडिया से बात करते हुए, नबीन ने नेहरू-गांधी परिवार के खिलाफ आरोपों की झड़ी लगा दी, जिसमें तिब्बत से लेकर राहुल गांधी की विदेशों में भारत विरोधी तत्वों के साथ बैठकों तक के विश्वासघात की विरासत का आरोप लगाया गया।

नबीन ने दावा किया, 'मैं आपके साथ इस बारे में जानकारी साझा कर रहा हूं कि गांधी परिवार का समझौता अभियान किस प्रकार जारी रहा। नेहरू-गांधी परिवार ने हमेशा देश की जनता से समझौता करके अपने हितों की रक्षा की है। एक समय ऐसा भी था जब नेहरू ने खुद कहा था कि 45 करोड़ लोग मेरे लिए बोझ हैं। हम सभी विदेशी शक्तियों के साथ उनके संबंधों से वाकिफ हैं। आपने राहुल गांधी को भी देखा है कि वह कैसे विदेशी शक्तियों की कठपुतली की तरह काम करते हैं। हम सभी जानते हैं कि 1954 में नेहरू ने तिब्बत में भारत के अधिकार चीन को सौंप दिए थे।

उन्होंने आगे कहा, 'हम सभी जानते हैं कि 1954 में नेहरू ने तिब्बत में भारत के अधिकार चीन को सौंप दिए थे। हम सभी को याद है कि अमेरिकी राजदूत ने स्वीकार किया था कि सीआईए ने कांग्रेस के चुनाव अभियान को वित्त पोषित किया था। यदि आप राजीव गांधी के समझौता मिशन को देखें, तो आप देख सकते हैं कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत बैंक खातों को मजबूत करने के लिए अपने रक्षा सेवा सौदों का कैसे इस्तेमाल किया।

सोनिया ने 'सुपर पीएम' के रूप में असंवैधानिक शक्तियों का प्रयोग किया

नबीन ने पार्टी पर यूनाइटेड प्रोग्रेसिव अलायंस (यूपीए) के शासनकाल के दौरान 'समानांतर सरकार' चलाने और विदेशी वित्तपोषण के लिए राष्ट्रीय हितों से समझौता करने का भी आरोप लगाया। नबीन ने आरोप लगाया कि 2004 से 2014 के बीच, कांग्रेस संसदीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (एनएसी) के माध्यम से 'सुपर पीएम' के रूप में असंवैधानिक शक्तियों का प्रयोग किया। उन्होंने दावा किया कि इस संरचना को आधिकारिक मंत्रिमंडल को दरकिनार करने के लिए बनाया गया था, जो प्रभावी रूप से एक 'समझौता मिशन' को पूरा कर रहा था और तत्कालीन प्रधानमंत्री के अधिकार को कमजोर कर रहा था। उन्होंने दावा किया, 'सोनिया गांधी, जो राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के माध्यम से 2004-14 के बीच सुपर पीएम बनीं और समानांतर सरकार और मंत्रिमंडल चलाया। उसी समय, समझौता मिशन के तहत चीनी सरकार से राजीव गांधी फाउंडेशन को धनराशि प्रदान की गई।' अपना ध्यान राहुल गांधी की ओर मोड़ते हुए नबीन ने दावा किया, 'राहुल गांधी विदेश जाते हैं और भारत विरोधी लोगों से मिलते हैं और उनके इशारे पर भारत में घटिया राजनीति करते हैं।'

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने बढ़ाया सस्पेंस

पुरानी पीढ़ी हमेशा नहीं रह सकती, पार्टी को नए खून की जरूरत

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंत्रिमंडल में 'नए खून' को शामिल करने का समर्थन करते हुए कहा है कि पुरानी पीढ़ी हमेशा नहीं रह सकती और पार्टी के भविष्य के लिए 'नई सोच' जरूरी है।

शिवकुमार ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में पहली बार विधायक बने नेताओं की मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व देने की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'पार्टी को नए खून और नई सोच की जरूरत है। मैं नए खून का समर्थन करता हूं।'

उन्होंने कहा, 'पुरानी पीढ़ी हमेशा नहीं रह सकती।' पहली बार निर्वाचित हुए विधायकों द्वारा संभावित मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान प्रतिनिधित्व की मांग को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत वरिष्ठ नेताओं को लिखे गए पत्र के संदर्भ में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए शिवकुमार ने यह बात कही।

विधायकों ने की मंत्री पद की मांग

कांग्रेस आलाकमान और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया तथा उप मुख्यमंत्री शिवकुमार समेत प्रदेश नेतृत्व को एक संयुक्त ज्ञापन में विधायकों ने आग्रह किया है कि कम से कम पांच नवनिर्वाचित विधायकों को मंत्री पद दिया जाए। विधायकों ने अपने पत्र में कहा, 'जैसा कि आप जानते हैं, कर्नाटक की जनता ने पहली बार कांग्रेस पार्टी से विधानसभा के लिए 38 सदस्यों को चुना है और इस तरह एक स्पष्ट संदेश दिया है कि वे विधानसभा में नए युवा चेहरों को देखना चाहते हैं।'

दलित सीएम के मुद्दे पर बोले शिवकुमार

दलित मुख्यमंत्री होने संबंधी मुद्दे पर अपने मंत्रिमंडल सहयोगी एच सी महादेवप्पा की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्हें राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की कोई भी जानकारी नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'मैंने महादेवप्पा का बयान सुना। वह हमारे आलाकमान हैं और शायद उन्हें इस बारे में कुछ जानकारी हो। मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी आलाकमान ने उन्हें और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को दिल्ली बुलाया है, तो उन्होंने स्पष्ट किया, 'मुझे कोई फोन नहीं आया है। मुझे अपने विभाग से संबंधित कुछ काम के लिए दिल्ली जाना है।' मंत्रियों के बयानों पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अपनी चुप्पी की आलोचना पर शिवकुमार ने कहा, 'मंत्रियों और विधायकों को नियंत्रित करना मुख्यमंत्री का काम है। मैं पार्टी को इसकी जानकारी देने का काम कर रहा हूं।'

भाजपा उत्तर बंगाल के लिए मिनी घोषणा पत्र बनाने पर कर रही विचार

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लेकर सभी पार्टीयां लगातार तैयारियों में लगी हुई है। भाजपा चुनावी घोषणापत्र का खाका तैयार करने में छोटे-छोटे मुद्दों पर ध्यान दे रही है। पार्टी का कहना है कि पूरे राज्य भर के लिए एक विस्तृत घोषणापत्र लाया जाएगा। लेकिन उत्तर बंगाल के आठ जिलों के लिए एक अलग से मिनी घोषणापत्र लाया जाएगा। जिसमें वहां के खास मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। भाजपा राज्य समिति के सदस्य ने कहा पश्चिम बंगाल में कई बड़े मुद्दे है लेकिन कुछ इलाकों में कुछ खास मुद्दे भी है। उन्होंने कहा हमारी उद्देश्य छोटे-छोटे मुद्दों को हाईलाइट करना है। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर बंगाल के आठ जिलों, यानी कूच बिहार, नॉर्थ दिनाजपुर, साउथ दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और मालदा के खास मुद्दों को कवर करने वाला एक अलग मिनी-मैनिफेस्टो लाने की कोशिश है। राज्य समिति के सदस्य ने कहा हमेशा की तरह, पूरे राज्य के मुद्दों को कवर करने वाला मुख्य और विस्तृत घोषणापत्र जरूर होगा। लेकिन इस बार, उत्तर बंगाल के मुद्दों को कवर करने वाला एक मिनी-मैनिफेस्टो लाने की कोशिश की जाएगी।

बसपा विधायक के घर आयकर विभाग के छापे पर योगी सरकार के मंत्री ने खोला मोर्चा

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ में बुधवार को बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के घर और कार्यालय पर आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी की। इसे लेकर भाजपा सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने गहरी नाराजगी दिखाई है और आईटी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एक्स पर जारी किए गए बयान में उन्होंने कहा कि विधायक उमाशंकर सिंह दो वर्ष से अधिक से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। यदि उनके जीवन को कोई हानि होती हैं तो ये संवेदनहीन संस्थाएं जिम्मेदार होंगी। दरअसल, दिनेश प्रताप सिंह उमाशंकर सिंह के रिश्तेदार हैं। दिनेश सिंह की बेटी उमाशंकर सिंह के घर ब्याही है।

बसपा विधायक के अस्वस्थ होने के दौरान आयकर विभाग की कार्रवाई पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताते हुए एक्स पर लिखा कि बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के घर मेरी बेटी ब्याही है। उनके घर में आज आयकर विभाग की टीम छापा मार रही है। देश-प्रदेश के राजनेता, आयकर सहित सभी संस्थाओं को पता है कि उमाशंकर सिंह दो वर्ष से अधिक से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं।

प्रभु ऐसे लोगों को और संस्थाओं को सद्बुद्धि दें

उन्होंने आगे लिखा कि विधानसभा का सत्र एक विधायक के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन एक घंटे के लिए भी नहीं जा सके। इस समय उनके घर पर नर्स या डॉक्टर को भी जाने की अनुमति नहीं है। यदि उनके जीवन को कोई हानि होती हैं तो ये संवेदनहीन संस्थाएं जिम्मेदार होंगी। इस प्रकार की परिस्थितियों में दुर्लभतम अपराधों में भी माननीय न्यायालय दया के आधार पर याचिका स्वीकार करके दोष मुक्त कर देते हैं। किंतु, इस कठिन दौर में भी कौन संवेदनहीन राजनेता या संस्था हो सकती हैं जो ऐसी परिस्थितियों में भी पीड़ा देने की सोच सकता है। प्रभु ऐसे लोगों को और संस्थाओं को सद्बुद्धि दे।

पहचान कोई वर्तनी परीक्षा नहीं है, केरलम पर थरूर को माकपा नेता जॉन ब्रिटास ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता जॉन ब्रिटास ने बुधवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर के सवाल का जवाब दिया। थरूर ने पूछा था कि केरल का नाम बदलकर 'केरलम' किए जाने से बाद अब 'केरलाइट' और 'केरलन' जैसे शब्दों का क्या होगा। ब्रिटास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, पहचान कोई वर्तनी (स्पेलिंग) की परीक्षा नहीं है। थरूर ने 'केरल' का नाम बदलकर 'केरलम' किए जाने पर तंज कसा था। कांग्रेस नेता ने एक अन्य पोस्ट को साझा करते हुए यह भी पूछा था कि राज्य का नाम क्यों बदला जा रहा है। ब्रिटास ने थरूर को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें 'सूक्ष्म जीव' और 'खनिज' वाली चिंता से बाहर आना चाहिए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा, हम लोग पहले की तरह मलयाली या मल्लू ही बने रहेंगे, जैसे दशकों से रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'हम सभ्य समाज में मलयाली और दोस्तों के बीच मल्लू बनकर काफी खुशी से जी रहे हैं।। 'केरल' से 'केरलम' की ओर धीरे-धीरे बढ़ने से पहचान का कोई बड़ा संकट नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि आंध्र प्रदेश का व्यक्ति आज भी तेलुगु है, तमिलनाडु का व्यक्ति अब भी तमिल है और पश्चिम बंगाल के लोग अब भी बंगाली हैं। ब्रिटास ने कहा, किसी ने घबराकर नए शब्द नहीं गढ़े और न ही सोशल मीडिया पर हंगामा किया। उन्होंने आगे कहा, अगर 'केरलम' से आपको नए शब्द बनाने की इच्छा होती है तो आप 'केरलाइट' शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं।

गाजा पर बयान पर भाजपा ने प्रियंका को फीमेल गजनी बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजा को लेकर दिए गए बयान पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और भाजपा के बीच सियासी टकराव तेज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्राइल दौरे से पहले प्रियंका गांधी ने उनसे गाजा में कथित नरसंहार का मुद्दा उठाने और पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करने की बात कही थी। इसके बाद भाजपा ने तीखा जवाब देते हुए प्रियंका पर चुनिंदा आक्रोश दिखाने का आरोप लगाया और उन्हें भारतीय राजनीति की फीमेल गजनी कहा।

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारत को दुनिया के सामने सच, शांति और न्याय की आवाज बनना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इस्राइल की संसद में गाजा के मुद्दे का जिक्र करेंगे। प्रियंका वायनाड से सांसद हैं और उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा हमेशा शांति और मानवाधिकारों के पक्ष में रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोशल मीडिया पर प्रियंका गांधी पर हमला बोला। उन्होंने 2008 की फिल्म गजनी के किरदार का हवाला देते हुए कहा कि प्रियंका को सात अक्तूबर को इस्राइल में हुए हमलों की याद नहीं है। भाटिया ने कहा कि 1200 से ज्यादा निर्दोष लोगों की हत्या और महिलाओं के अपहरण व अत्याचार की निंदा करने का नैतिक साहस प्रियंका में नहीं है। भाटिया ने कहा कि संसद में फलस्तीन लिखे बैग के साथ जाना आसान है, लेकिन आतंकवादी हमलों की खुलकर निंदा करना कठिन है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वोटबैंक की राजनीति कर रही है। भाजपा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर संतुलित और स्पष्ट रुख जरूरी है।

मुख्यमंत्री स्टालिन का बड़ा हमला

पीएम मोदी तमिलनाडु में जितनी रैलियां करेंगे, एनडीए की हार उतनी ही बड़ी होगी

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सिर्फ चुनाव के समय वोट मांगने के लिए राज्य का दौरा करते हैं। जबकि स्टालिन के मुताबिक, उनकी पार्टी डीएमके जनता के भरोसे को पूरा करने के लिए पूरी तरह समर्पित है।

एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, आपने मुझे भरोसे के साथ अपना भविष्य सौंपा है। मैं निश्चित रूप से उस भरोसे पर खरा उतरूंगा। मैं अपनी ताकत से ज्यादा मेहनत कर रहा हूं। मैं न सिर्फ उन लोगों के लिए काम कर रहा हूं जिन्होंने मुझे वोट दिया, बल्कि उनके लिए भी जिन्होंने नहीं दिया।

उन्होंने कहा, चुनाव का मौसम है, इसलिए प्रधानमंत्री ने पहले ही तमिलनाडु बार-बार आना शुरू कर दिया है। चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री के बार-बार तमिलनाडु आने से एनडीए गठबंधन के खिलाफ लोगों का गुस्सा और बढ़ेगा। उन्होंने एनडीए पर हमला बोलते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री जितनी बार यहां आएंगे, एनडीए उतनी ही बड़ी हार झेलेगा। उनके आने से लोगों को याद आता है कि केंद्र ने राज्य के लिए कुछ नहीं किया।'

स्टालिन ने केंद्र सरकार पर भेदभाव का आरोप भी लगाया

स्टालिन ने केंद्र सरकार पर भेदभाव का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि गुजरात को मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की मंजूरी मिली, लेकिन तमिलनाडु की मांगों को बजट और कैबिनेट मीटिंग में नजरअंदाज कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि यह चुनाव 'तमिलनाडु बनाम एनडीए' है। उन्होंने जोर दिया कि तमिलनाडु पर दिल्ली से नहीं, बल्कि चेन्नई के फोर्ट सेंट जॉर्ज से राज होना चाहिए। भाजपा पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में विकास नहीं होता और वे तमिलनाडु को भी कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने कन्याकुमारी को एकता का प्रतीक बताया और कहा कि उनकी सरकार 'द्रविड़ियन मॉडल' के तहत सभी धर्मों को साथ लेकर चलती है। साथ ही उन्होंने मणिपुर की हिंसा और अन्य राज्यों में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों का जिक्र करते हुए भाजपा की आलोचना की।

कई योजनाओं का किया एलान

स्टालिन ने कार्यक्रम के दौरान कन्याकुमारी के लिए पर्यटन और मछुआरों के कल्याण से जुड़ी नई योजनाओं का एलान किया। उन्होंने अपने 50 साल के राजनीतिक अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि वह जनता की जरूरतों को अच्छी तरह समझते हैं। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों पर इस साल चुनाव होने हैं। पिछले चुनाव में डीएमके ने 133 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी।

संक्षिप्त समाचार

क्षत्रिय भावसार समाज की बैठक सम्पन्न

अंजड़(बड़वानी)। क्षत्रिय भावसार समाज अध्यक्ष राजेंद्र भावसार की अध्यक्षता में स्थानीय भावसार धर्मशाला में मंगलवार रात्रि 9 बजे आयोजित की गई। बैठक में धुलेंडी पर्व व हिंगलाज जयंती पर चर्चा कर रूपरेखा बनाई गई व आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। राजेंद्र भावसार ने बताया कि 4 मार्च धुलेंडी पर सभी समाजजन भावसार समाज धर्मशाला में सुबह 8 बजे समाज के प्रत्येक घर से महिला एवं पुरुष एकत्रित होंगे तथा गुलाल के साथ होली खेली जाएगी। 17 मार्च को हिंगलाज जयंती प्रतिवर्षानुसार इस साल भी धूमधाम व हर्षोउल्लास के साथ मनाई जाएगी। बैठक में समाज के वरिष्ठ योगेश भावसार, महेंद्र भावसार, सचिव ओम भावसार, रमेश भावसार, विनोद भावसार, सुनील भावसार, नवयुवक मंडल अध्यक्ष राहुल भावसार, रवि मुनिया भावसार, निलेष भावसार, रघु भावसार, राहुल सेमसंग, नितिन भावसार, अरविंद भावसार, गौरव वडनेरे, चिकि भावसार, नवयुवक क्षत्रिय भावसार समाज के सदस्यों के अलावा अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

पांच लाख की शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

खरगोन, निप्र। खलटाका चौकी पुलिस ने बलकवाडा थाना प्रभारी निरीक्षक सागर चौहान के नेतृत्व में ग्राम पानवा से आगे के आगे नाकाबंदी कर एक बोलेरो पिकअप वाहन को रोका। चालक ने अपना नाम विकास निवासी हाल मुकाम धावल बेड़ी थाना सेंधवा का होना बताया। खलटाका चौकी पुलिस ने आरोपित विकास पिता उपेंद्र सिंह चन्द्रवंशी उम्र 26 वर्ष निवासी औरंगाबाद बिहार हाल मुकाम धावल बेड़ी सेंधवा को गिरफ्तार कर लगभग 5,07,000 रुपए की लगभग 1980 लीटर (कुल 170 पेटी – 150 पेटी बीयर और 20 पेटी देशी प्लेन) अवैध शराब के साथ अवैध शराब के परिवहन में उपयोग किया गया। लगभग 8,00,000 रुपए मूल्य का पिकअप वाहन को अपनी सुपुर्दगी में लेकर आरोपित विकास पिता उपेंद्र सिंह चन्द्रवंशी के विरुद्ध बलकवाड़ा थाना खलटाका चौकी पर अपराध क्रमांक 61/26 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस टीम : कार्यवाही एसडीओपी मण्डलेश्वर श्वेता शुक्ला, बलकवाड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक सागर चौहान, खलटाका चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक. मिथुन चौहान, सहायक उपनिरीक्षक आशीष सोमवंशी, अशोक नैयर, आर. पंकज शर्मा, जीतेन्द्र बघेल और सैनिक गुलसिंह शामिल रहे।

गोवंश की अवैध तस्करी करने वालों को पकड़ा, दो मामलों में गोगांवा और बड़वाह पुलिस की कार्रवाई

खरगोन, निप्र। उपनिरीक्षक दीपक यादव के नेतृत्व में गोगांवा पुलिस ने पिकअप वाहन क्रमांक MP 09 GF 0631 को नए पंचायत भवन के पास रोका। जिसमें अवैध रूप से गोवंश भरे हुए पाये गये। वाहन चालक ने अपना नाम रेमसिंग पिता प्यारसिंग कनासे उम्र 21 साल निवासी घोडी एवं लालू पिता लेदला बामने उम्र 40 साल निवासी घोडी का होना बताया। गोगांवा पुलिस ने इन आरोपितों को गिरफ्तार कर लगभग 40,000 रुपए के 04 गोवंश और अवैध गोवंश के परिवहन में उपयोग किए गए 5,00,000 रुपए मुल्य के पिकअप वाहन को अपनी सुपूर्दगी में लेकर आरोपितों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इसी तरह बड़वाह थाना प्रभारी निरीक्षक बलराम सिंह राठौड़ के नेतृत्व में ग्राम कटघड़ा में एक पिकअप वाहन MH 20 GC 7134 को पकड़ा, जिसमें अवैध गोवंश भरे थे। पिकअप वाहन के चालक ने अपना नाम राहुल पिता कन्टुबा इंगले उम्र 27 साल निवासी ग्राम सिवना थाना अजन्ता जिला औरंगाबाद (महाराष्ट्र) का होना बताया। बड़वाह पुलिस ने आरोपित राहुल पिता कन्टुबा इंगले को गिरफ्तार कर 80,000/– रुपए मुल्य के 04 गोवंश और अवैध गोवंश के परिवहन में लगभग 5,00,000 रुपए मुल्य के पिकअप वाहन को अपनी सुपूर्दगी में लेकर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

थाना पाटी पुलिस ने अवैध शराब परिवहन पर की प्रभावी कार्यवाही

पाटी (बड़वानी) । थाना पाटी पुलिस द्वारा अवैध शराब परिवहन करने वाले आरोपी के विरुद्ध जिले में दिनेशसिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बड़वानी के मार्गदर्शन में प्रभावी कार्रवाई की गई। पाटी पुलिस को 24 फरवरी को मुखबिर से

सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति सफेद रंग की स्कूटी से बैल बाजार पाटी क्षेत्र से अवैध शराब का परिवहन कर रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी उनि. रामदास यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तत्काल नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान मुखबिर द्वारा बताए अनुसार एक सफेद रंग की टीवीएस जुपीटर वाहन क्रमांक MP 46 ZH 6711 आती दिखाई दी। वाहन चालक को रुकने का संकेत देने पर उसने भागने का प्रयास किया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 245 नग देशी प्लेन क्वार्टर (कुल 42.10 लीटर), 18,375 रु. की अवैध शराब बरामद की गई। साथ ही परिवहन में प्रयुक्त टीवीएस जुपीटर स्कूटी, कीमत लगभग 80,000 रु. जप्त की गई। कुल जप्त मशरूका 98,375 रु. का है। आरोपी का नाम मुकेश पिता पदमसिंह डावर, उम्र 23 वर्ष, निवासी स्कुल फल्या, ग्राम पलवट, थाना पाटी है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उनि. रामदास यादव, प्रआर. रजनीश वर्मा एवं आर. बोबी ठाकुर की सराहनीय भूमिका रही।

सिलावद के भोंगर्या हाट में दिखी आदिवासी संस्कृति की झलक

- ढोल-मांदल की थाप पर थिरके ग्रामीण, झूलों का लिया आनंद
- पूर्व कैबिनेट मंत्री के नेतृत्व में निकली गेर, उमड़ा सैलाब

संजय बामनिया

सिलावद, बड़वानी, निप्र। आदिवासी संस्कृति से जुड़े भोंगर्या हाट मेले की धूम पूरे जिले भर में देखने को मिल रही है। बुधवार को दूसरा भोंगर्या हाट सिलावद सहित बालसमुंद, घट्टया, धवली, धनोरा, भवती तथा सेमलेट में लगा, जहां हजारों की तादाद में ग्रामीणों का सैलाब उमड़ा। ग्रामीणों ने ढोल-मांदल की थाप और बांसूरी की धुन पर नाच-गाना कर झूलों का जमकर आनंद लिया। गुरुवार को तीसरा भोंगर्या हाट पाटी सहित राजपुर, दवाना, राखीबुजुर्ग, बलवाड़ी तथा जोगवाड़ा में लगेगा। पिछले दो दिनों से पूरे जिले में भोंगर्या हाट के मेले लग रहे हैं। बुधवार को सिलावद में लगे भोंगर्या हाट में हजारों की तादाद में ग्रामीण आदिवासी महिला-पुरुष और बच्चों सहित युवक-युवती पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे और झूलों सहित खाने-पीने की सामग्री का आनंद लिया। इस दौरान सैकड़ों की तादाद में दुकानें भी लगी, जहां से ग्रामीणों ने होली की सामग्री की खरीदी की। भोंगर्या हाट में पुलिस, राजस्व सहित पंचायत विभाग का अमला कानून, यातायात व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिनभर मुस्तैद नजर आया। ग्राम पंचायत ने पेयजल को लेकर पानी के टैंकर सहित अन्य व्यवस्थाएं की।

एक-दूसरे को लगाया गुलाल : बुधवार को सिलावद के भोंगर्या हाट में आदिवासी लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली। उल्लास भरे माहौल में आदिवासी समाज के युवक-युवतियां और बच्चों सहित बड़े पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर भोंगर्या हाट देखने पहुंचे। ग्रामीणों ने हार-कंगन, खजूर, मीठी सेव, जलेबी आदि की खरीदारी की। वहीं बच्चों ने झूलों एवं कुल्फी-आइसक्रीम का जमकर लुत्फ उठाया। युवकों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली और भोंगर्या हाट की शुभकामनाएं दी। इस दौरान युवाओं ने मोबाइल से सेल्फी लेकर फोटो भी खिंचवाए। हजारों लोगों का उमड़ा सैलाब- बुधवार को सिलावद में लगे भोंगर्या हाट में चारों ओर ग्रामीणों की भीड़भाड़ नजर आई।

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने बजाया ढोल

सिलावद में लगे भोंगर्या हाट में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी शामिल हुए। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने ढोल बजाकर ग्रामीणों के साथ नृत्य भी किया। इससे पूर्व स्टेट हाइवे से गैर निकाली गई, जिसमें हजारों लोग ढोल की थाप पर थिरकते हुए शामिल हुए। गैर स्टेट हाइवे से बायपास, बड़वानी रोड, पुराना बस स्टैंड, मुख्य मार्ग से बस स्टैंड, भावसार मोहल्ला होकर पुराना थाना ग्राउंड पहुंची, जहां समापन किया गया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आज से यहां रहेगी भोंगर्या हाट की धूम

जिले में होलिका दहन के सात दिन पूर्व से प्रारंभ हुए भोंगर्या हाट मेले 2 मार्च तक लगेंगे। उत्सव की शुरूआत 24 फरवरी मंगलवार से हो गई है। अब 26 फरवरी गुरुवार को पाटी, राजपुर, दवाना, राखीबुजुर्ग, बलवाड़ी, जोगवाड़ा, 27 फरवरी शुक्रवार को मेणीमाता, बोकराटा, कुली, ठीकरी, मोयदा, तलवाड़ाडेब, वरला, झोपाली, 28 फरवरी शनिवार को गंधावल, ओझर, भागसुर, वझर, खेतिया, मटली, 1 मार्च रविवार को बड़वानी, चैरवी, पोखल्या, बरूफाटक, पानसेमल, सेंधवा, इंद्रपुर तथा आखिरी भगोरिया हाट 2 मार्च सोमवार को गारा, जुलवानिया, निवाली, अंजड़, सोलवन, जूनाझिरा में लगेगा।

भगोरिया पर खाद्य पदार्थों के लिए नमूने

सिरवेल, भीकनगांव, केली और धुलकोट के खाद्य प्रतिष्ठानों पर अधिकारी पहुंचे

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। खरगोन जिले में भगोरिया के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा छापामार कार्यवाही की गई। इसमें सिरवेल, भीकनगांव, केली और धुलकोट में खाद्य अधिकारियों की टीम ने औचक निरीक्षण कर 16 खाद्य प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्रित किए।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एच.एल. अवास्या ने बताया कि भगोरिया के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्रित किए गए हैं। सिरवेल की सोहेल किराना दुकान से हार कंगन के, ओम शिवम होटल से जलेबी, बालाजी ट्रेडर्स से गुड़, सेंव, मराठा किराना दुकान से दाली एवं खत्री आईस्क्रीम और मटका कुल्फी के नमूने लिए। वहीं, भीकनगांव में ग्राम कोदला की विधी नमकीन से बेसन एवं मक्का पोहा, रितेश ट्रेडर्स से पोहा एवं चाकलेट, राम भरोसे होटल से समोसा एवं मिल्क केक, बिकानेर स्वीट्स से खट्टा मीठा मिक्चर एवं श्री ट्रेडर्स भीकनगांव से घी, चाय पत्ती एवं सोयाबिन तेल, केली में दिलीप पिता श्री सकाराम वर्मा से गुड़ एवं जलेबी, सुरेश पिता सुन्दरलाल से मैदा एवं मुकेश पिता राजाराम केली से मिठाई, धुलकोट में नन्दू पिता नयन वर्मा से सोयाबीन तेल, रुप पिता देवला से मैदा का और मुकेश पिता देवकरण वर्मा धुलकोट से बेसन के नमूने लेकर जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए हैं।

खाद्य पदार्थों की जांच के उपरांत अवमानक पाये जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, नियम 2011 के तहत विक्रेताओं पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। भगोरिया के दौरान आगामी दिनों में भी सतत निरीक्षण कर जांच की कार्यवाही की जाएगी। कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर.आर. सोलंकी एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी मयूरी डोंगेरे भी उपस्थित थीं।

भीकनगांव के अमोल भावसार सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना से बने सफल उद्यमी

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। भीकनगांव के अमोल भावसार जो सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना से एक सफल उद्यमी बने। ज्ञातव्य रहे कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा किसानों के सशक्तिकरण के माध्यम से प्रदेश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना की गई है। वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में सफल उद्यमी बनने और बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना का सफल संचालन किया जा रहा है। योजना के लिए राज्य के वार्षिक बजट में महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं, जिससे इसके लाभार्थी युवा उद्यमिता की मिसाल बन रहे हैं। खरगोन जिले के भीकनगांव निवासी 32 वर्षीय स्नातक युवा अमोल भावसार प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग जेएंडबी बेवरेज की स्थापना कर एक सफल उद्यमी बने। योजना के अंतर्गत उद्योग की स्थापना के लिए इन्हें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से 25 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया। जिसमें इन्हें 7.5 लाख रुपए का अनुदान भी प्राप्त हुआ है। जेएंडबी बेवरेज द्वारा जिंगो सोडा नामक ब्रांड के तीन फ्लेवर तैयार किए जाते हैं- जीरा, बूम और स्पीड जिसका वितरण पूरे निमाड़ क्षेत्र में किया जाता है। अमोल भावसार की इस इकाई में कार्बोनेटेड सोडा का उत्पादन अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से किया जाता है, जिसमें सोडा जूस की बोतलों का निर्माण, लेबलिंग, पैकेजिंग, इत्यादि सभी प्रक्रियाएं ऑटोमेटेड हैं। इस उद्योग के माध्यम से स्थानीय स्तर पर 17 व्यक्तियों को रोजगार भी प्राप्त हुआ है। इकाई का लगभग 30 लाख रुपए का वार्षिक टर्नओवर है। अमोल भावसार का कहना है कि योजना अंतर्गत प्राप्त सहायता से लगाई गई उन्नत मशीनों से गुणवत्ता सुधार, मूल्यवर्धन और ब्रांडिंग के साथ ही उत्पाद को अधिक आकर्षक बनाने में मदद मिली है, जिसके लिए वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्य शासन का धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

संपूर्णता अभियान 2.0 की झिरन्या में हुई बैठक

खरगोन, निप्र। संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत जिले के आकांक्षी विकासखण्ड झिरन्या में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनआरएलएम की पोषण दीदियों के साथ पोषण संवाद करते हुए अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान पोषण दीदीयों को कुपोषण मुक्ति, संतुलित आहार, स्वच्छता एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकार रेखा राठौर के निर्देशानुसार संपूर्णता अभियान 2.0 में एसएचजी की पोषण दीदियां जनजागरूकता गतिविधियों पर विशेष कार्य करेंगी।

निर्माण कार्य समय सीमा में करें पूर्ण : कलेक्टर

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। कलेक्टर जयति सिंह ने बुधवार को आकांक्षी विकासखण्ड पाटी के अंतर्गत ग्राम बूदी स्थित आजीविका भवन में निर्माण कार्य की बैठक ली। बैठक में विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन, पंचायत कार्यों की प्रगति और विकास लक्ष्यों की पूर्ति पर विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि शेष बचे हुए सभी निर्माण कार्यों को बारिश शुरू होने से पहले अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाये। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता से समझौता न करने और समय-सीमा का कढ़ाई से पालन करने के निर्देश दिये। निर्माण कार्यों में गति लाने के लिए उन्होंने सचिवों, रोजगार सहायकों और सब-इंजीनियरों को निर्देशित किया कि निर्माण सामग्री और आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था पहले से ही सुनिश्चित कर ली जाये, ताकि लक्ष्य प्राप्ति में कोई बाधा न आये। उन्होंने मैदानी अमले को पूरी एकाग्रता और नियमितता के साथ कार्य करने की हिदायत भी दी ताकि आकांक्षी विकासखंड के निर्धारित मानकों को समय पर हासिल किया जा सके। कलेक्टर ने क्रियाशील पंचायत अभियान के तहत अब तक हुए कार्यों की सराहना की। साथ ही उन्होंने इस अभियान के बचे हुए कार्यों को भी शीघ्रता से पूरा करने को कहा। इस दौरान जनपद पंचायत पानसेमल सीईओ एवं तहसीलदार पाटी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रोजगार मेले में हुआ 213 आवदेकों का चयन

बड़वानी, निप्र। मध्यप्रदेश शासन की रोजगारन्मुखी योजनान्तर्गत कलेक्टर जयति सिंह के मार्गदर्शन में बेरोजगार आवेदकों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु 25 फरवरी बुधवार को प्रातः 10.30 बजे से कलेक्टर कार्यालय बड़वानी में युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में कुल 311 आवेदकों द्वारा पंजीयन कराया गया । निजी क्षेत्र की 5 कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा 213 आवेदकों का साक्षात्कार पश्चात् प्रारंभिक रूप से चयन की कार्यवाही की गई। जिला रोजगार अधिकारी टीएस डुडवे से प्राप्त जानकारी अनुसार न्यू झील फेशन वेयर प्रायवेट लिमिटेड बदनावर ने 25 आवेदको का, भारतीय जीवन बीमा निगम बड़वानी ने 143 आवेदकों का, प्रतिभा सिंटेक्स प्रायवेट लिमिटेड पीथमपुर ने 26 आवेदको का, क्लेश क्रार्प (टाटा मोटर्स) प्रायवेट लिमिटेड सनंद अहमदाबाद गुजरात ने 10 आवेदको का, पाटले फाउण्डेशन नागपुर (एलजीबी प्रायवेट लिमिटेड लेबड) घाटाबिल्लोद ने 09 आवेदको का चयन किया गया।

धार्मिक अनुष्ठान किये जा रहे हैं आयोजित

खाटूश्याम मंदिर में दिखा फागोत्सव का उत्साह

विनय उजाला

अंजड़(बड़वानी)। निशान यात्रा के बाद 25 फरवरी, बुधवार को श्याम बाबा का महाभिषेक व हवन किया गया। श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति ने बताया कि मन्दिर समिति द्वारा फागुन माह में प्रतिवर्षानुसार इस साल भी फागोत्सव सप्ताह मनाया जा रहा है व मन्दिर में अनेक धार्मिक आयोजन सम्पन्न किये जा रहे हैं।

बुधवार को अलसुबह 4 बजे से पण्डित बसन्त शर्मा द्वारा वैदिकमंत्रोच्चार के साथ श्याम बाबा का शुद्ध गंगा व नर्मदा जल से स्नान करवाया गया। पश्चात् अभिषेक किया गया। जो सुबह 5:30 बजे तक चला। उसके बाद श्याम बाबा का आकर्षक फूलों व सुंदर बागा से मनमोहक श्रंगार किया गया व सुबह 7:30 बजे मंगला आरती की गई। सुबह 9 बजे से पण्डित वैभव शर्मा द्वारा विधान विधान पूर्वक मंदिर परिसर में श्यामबाबा के निमित्त लक्ष्मीनारायण महायज्ञ शुरू किया, जिसमें मुख्य जजमान राहुल सेन ने सपत्नीक पूजा अर्चना कर अनेक भक्तों द्वारा विश्व शांति व सभी के कल्याण की कामना को लेकर भगवान लक्ष्मीनारायण, भगवान भोलेनाथ, प्रभु श्रीराम, माता लक्ष्मी के साथ श्री खाटूश्याम के नाम से श्री श्याम देवाय नमः के नाम से सैकड़ो आहुतियां प्रदान की गई। सुबह 11:30 बजे यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद आरती की गई व प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम मन्दिर में स्थापित भगवान पशुपतिनाथ महादेव, श्री सालासर बालाजी, श्रीराम व श्रीकृष्ण दरबार को आकर्षक रूप से सजाया गया वही मन्दिर की रंग बिरंगी झालरदार कपड़े व छातो से साज सज्जा की गई व पूरे मन्दिर पर रंग बिरंगी रोशनी लगाई जिससे पूरा मन्दिर रोशनी से जगमगा उठा।

भीकनगांव में अल्पविराम कार्यशाला संपन्न

खरगोन, निप्र। पंचायत मोबाइलाईजर गांव स्तर पर स्थानीय भाषा में सरलता से योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का कार्य करें, खुश होकर कार्य करेंगे आनंद महसूस होगा। उक्त विचार एसडीएम फरहान इरफान जमादार ने आनन्द विभाग द्वारा 25 फरवरी को आयोजित एक दिवसीय अल्पविराम कार्यशाला भीकनगांव में मुख्य अतिथि के रूप में समापन सत्र में बीआरसी भवन में पंचायत मोबाइलाईजर के बीच व्यक्त किए। अतिथि स्वागत डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर आनंद के.बी. मंसारे ने किया। जीवन में रिश्तों का महत्व विषय पर मास्टर ट्रेनर गणेश कानडे, पप्पू यादव ने स्वयं के जीवन में बदलाव की घटनाएं बताईं। कार्यक्रम में पेसा एक्ट ब्लॉक समन्वयक भीम भरोड़े, बीआरसी जगदीश हिरवे, बीएसी वाणी विलास वानखेड़े कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका में रहे।

कलेक्टर ने किया सरदार सरोवर परियोजना के विस्थापितों की रजिस्ट्री प्रक्रिया का अवलोकन

हितग्राहियों को वितरित की भूखंड की रजिस्ट्री

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। कलेक्टर जयति सिंह ने जिला पंजीयन एवं स्टाम्प विभाग के कार्यालय में सरदार सरोवर परियोजना (SSP) के विस्थापितों को आवंटित किए गए भूखंडों की रजिस्ट्री प्रक्रिया का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कार्यालय में दस्तावेजों के रख-रखाव और रजिस्ट्री की ऑनलाइन प्रक्रिया का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिला पंजीयक एवं उप पंजीयक को निर्देश दिए कि विस्थापितों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा उनके कार्य पूरी पारदर्शिता और तत्परता के साथ समय सीमा में पूर्ण किए जाए। रजिस्ट्रियाँ पूर्णरूप से निःशुल्क की जायें। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सभी हितग्राहियों को समयबद्ध एवं विधिसम्मत लाभ प्रदान हो तथा पुनर्वास प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित की जाये।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सरदार सरोवर परियोजना के विस्थापित हितग्राही श्री शोभाराम पिता मांगलिया को उनके आवंटित भूखंड के वैधानिक दस्तावेज (रजिस्ट्री) अपने हाथों से प्रदान किये। लंबे समय से प्रतीक्षित रजिस्ट्री प्राप्त कर श्री शोभाराम ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

अनाज मंडी में तौल की गड़बड़ी के बाद तौल कांटा सत्यापन के आदेश

रतलाम, निप्र (विनय उजाला)। शहर के महू रोड स्थित अनाज मंडी में किसान द्वारा लाए अनाज के तौल में गड़बड़ी के बाद मंडी प्रशासन ने सभी व्यापारियों को तौल संबन्धित आदेश दिए है, शहर और नामली की अनाज मंडी के सभी व्यापारियों को नापतौल विभाग से तोलकांटा सत्यापित करने के आदेश जारी कर दिए गए है। गड़बड़ी की घटना मंगलवार की बताई जा रही है, जहां मंडी सचिव लक्ष्मी भवर पर भी इसकी गाज गिरी है। मंगलवार दोपहर में मंडी परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब धार जिले के सादलपुर गांव के एक किसान अपना अनाज (गेहू) को लेकर मंडी परिसर में पहुंचा और तोलकाटा पर जब अपना अनाज (गेहूं) तुलवाया तो 70.30 क्विंटल बताया। किसान को शंका होने पर किसान ने दोबारा तौल करवाया तो उसमें 95 किलो की गड़बड़ी आई। मामला उजागर होने पर मंडी सचिव लक्ष्मी भवर ने तुरंत संबंधित तोलकांटा व्यक्ति को नोटिस जारी कर दिया। जब मामले ने तूल पकड़ा और गड़बड़ी की शिकायत उच्च स्तर पर पहुंची तो प्रशासन ने भी संज्ञान लेते हुए तुरंत ही शाम को मंडी सचिव के पद पर कटनी जिले के किशोर नरगावे का स्थानांतरण रतलाम कर दिया। जिला प्रशासन के आदेश पर मंडी प्रशासन ने मंडी परिसर में स्थित सभी व्यापारियों को तौल कांटा मशीन को सत्यापन करने के आदेश जारी किए। मंडी द्वारा जारी आदेश के अनुसार व्यापारी लहसुन प्याज और अनाज को तोलने वाले इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटे एवं बाट नापतोल विभाग से 10 दिवस के भीतर परीक्षण कर सत्यापित करवाया। व्यापारी द्वारा सत्यापन नहीं कराए जाने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी जिसकी समस्त जवाबदारी व्यापारी की रहेगी।

अब तक पुलिस ने 144 आरोपियों को किया जिलाबदर

रतलाम, निप्र (विनय उजाला)। जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा आदतन अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक रतलाम अमित कुमार द्वारा सभी थाना प्रभारियों को ऐसे अपराधियों के जिनका आपराधिक रिकॉर्ड पूर्व में भी रहा है। विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतलाम विवेक कुमार लाल के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में आदतन अपराधियों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। 1 जनवरी 2025 से अभी तक आदतन अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा कई कदम उठाए। पुलिस के अनुसार सभी थाना प्रभारियों को आदतन अपराधियों को चिह्नित करने के निर्देश पर कुल 2579 आदतन अपराधियों को चिह्नित किया गया, जिसमें से अभी तक 2064 आदतन अपराधियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। समय समय पर डोजियर भरवाए जाकर गुंडा परेड की कार्रवाई की जा रही है। 144 आरोपियों को जिला बदर किए जाने की कार्रवाई की गई। अभी 17 अपराधियों पर जिलाबदर प्रभावशील है। 76 आदतन बदमाशों प्रत्येक सोमवार को थाने पर हाजिरी हेतु पाबंद किया गया है। बाउंड ओवर का उल्लंघन करने वाले 09 आरोपियों के विरुद्ध 141 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गई। 3 आरोपियों की जमानत निरस्त करवाई गई। 3 आरोपियों के विरुद्ध हृ के तहत करवाई गई। 49 आरोपियों को गुंडा सूची एवं 13 आरोपियों को निगरानी बदमाश सूची में शामिल किया गया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि जिले में अपराध पर अंकुश लगाने तथा जनता में सुरक्षा की भावना को सशक्त करने हेतु ऐसे आदतन अपराधियों की लगातार निगरानी की जा रही है। भविष्य में भी पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही जारी रहेगी।

आई.टी.आई रतलाम में कल युवा संगम, जिला स्तरीय रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन

रतलाम, निप्र (विनय उजाला)। जिला रोजगार अधिकारी यू.पी अहिरवार ने बताया कि तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मंत्रालय भोपाल एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भोपाल द्वारा युवा संगम जिला स्तरीय रोजगार एवं प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन 27 फरवरी 2026 को शासकीय आई.टी.आई सैलाना रोड रतलाम में रखा गया है, जिसमे कृति इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड पीथमपुर धार द्वारा म्रसीनिष्ट, फीटर, मैकेनिकल आई.टी आई ट्रेड के 6 रिक्त पद एवं बीई मैकेनिकल के 8 रिक्त पद तथा बीएससी व एमएससी के 8 रिक्त पदो पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक आवेदक 27 फरवरी 2026 को समय प्रात : 10 :00 बजे से 3 बजे तक शासकीय आई.टी.आई, सैलाना रोड रतलाम, में अपने फोटो, शैक्षणिक योग्यता के मूल प्रमाण पत्र, 2 पासपोर्ट साईज फोटो समग्र आई डी, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं बॉयोडाटा के साथ उपस्थित हो सकते है।

जिले में अब तक 13186 किसानों के पंजीयन किए

रतलाम, निप्र (विनय उजाला)। जिला आपूर्ति अधिकारी आनंद गोले ने बताया कि शासन निर्देशानुसार जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु किसान पंजीयन व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। पंजीयन की नि :शुल्क व्यवस्था के तहत सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित 64 पंजीयन केन्द्रों पर पंजीयन किये जा रहे है। पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था के तहत एमपी ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साईबर कैफे द्वारा संचालित 288 पंजीयन केन्द्रों पर पंजीयन किये जा रहे है। जिले में अब तक तहसील आलोट में 2477, रतलाम ग्रामीण में 3017, जावरा में 2522, ताल में 2334, पिपलौदा में 1657, रतलाम नगर में 672, सैलाना में 295, रावटी में 142 एवं बाजना में 70 किसानों का पंजीयन करवाए गए है। इस प्रकार जिले में अब तक कुल 13186 किसान पंजीयन किए गए है। किसान पंजीयन की तिथि 7 मार्च तक रहेगी।

ई-उपार्जन पोर्टल पर चना एवं मसूर फसलों का पंजीयन 16 मार्च तक

रतलाम, निप्र (विनय उजाला)। उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्रीमती नीलम सिंह चौहान ने बताया कि जिले के किसान ई-उपार्जन पोर्टल पर रबी वर्ष 2025-26 में चना एवं मसूर फसल के पंजीयन करवाकर सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ ले सकते हैं। किसान चना एवं मसूर फसल का पंजीयन ग्राम पंचायत-जनपद पंचायत में स्थापित सुविधा केन्द्रों, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों तथा सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र एवं एमपी किसान एप पर पंजीयन की नि : शुल्क व्यवस्था है। चना एवं मसूर फसल का पंजीयन जिले के निर्धारित 64 पंजीयन केन्द्रों पर कार्यालयीन समय में ई-उपार्जन पोर्टल पर नि :शुल्क पंजीयन करवा सकते हैं। किसान के विगत वर्ष के पंजीयन में उल्लेखित आधार नंबर, बैंक खाता, मोबाइल नंबर में किसी प्रकार के परिवर्तन-संशोधन की आवश्यकता होने पर संबंधित दस्तावेज प्रमाण स्वरूप (जिनको देखकर पंजीयन किया जा सके) पंजीयन केन्द्र पर लाना होंगे। जिन किसानों द्वारा विगत रबी एवं खरीफ में पंजीयन नहीं कराया था एवं ई-उपार्जन पोर्टल पर उनका डाटाबेस उपलब्ध नहीं है। ऐसे किसानों को समिति स्तर पर पंजीयन हेतु आधार नंबर, बैंक खाता नंबर, मोबाइल नंबर, भू-अभिलेख एवं निर्धारित प्रारूप में आवेदन पंजीयन केन्द्र पर उपलब्ध कराना होगा। किसान चना एवं मसूर फसल के पंजीयन 20 फरवरी से 16 मार्च तक करवा सकते है।

मांडू उत्सव, आदर्श भगोरिया पर 3 वर्ष से हैं अनिश्चितता के बादल

पर्यटन उद्योग वेंटिलेटर पर, कब मिलेगी इससे राहत, हजारों लोगों के सामने बढ़ रहा है रोजगार का संकट

देश-विदेश से मांडू घूमने आते हैं सैलानी, रात में रुकने के लिए नहीं हैं बड़े होटल और रिसोर्ट, पेजयल-पार्किंग की समस्या, संकरे मार्गों पर होती है जाम की परेशानी

सोमनाथ तिवारी

50% लोग रोजगार के लिए पलायन कर जाते हैं अन्य प्रदेश में

मांडू से जुड़े उत्सव और पर्यटकों से जुड़ी व्यवस्थाएं वेंटिलेटर पर होने से दम तोड़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विकास की बातें कागजों और बड़े-बड़े दाओ पर सिमटी नजर आती हैं।

- **पर्यटन पर गहरा असर :** मांडू उत्सव और आदर्श भगोरिया के न होने या टलने से पर्यटन में गिरावट आई है, जिससे होटल और गाइड्स का व्यवसाय ठप पड़ गया है।
- **कला प्रेमियों में मायूसी :** देश भर के कला प्रेमी जो ऐतिहासिक स्थलों पर होने वाले इस भव्य आयोजन का इंतज़ार करते हैं, और पिछले तीन वर्ष के साथ इस बार काफी निराश हैं।
- **प्रशासनिक सुस्ती :** शासन प्रशासन की मांडू के पर्यटन को लेकर जो सुस्ती और अनदेखी से यहां के दावों की जमीनी हकीकत की तस्वीर का पता चल रहा है।
- **रोजगार का जरिया बने थे :** उत्सव वाले वर्षों में यह उत्सव मांडू की संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए आजीविका का बड़ा जरिया बने थे, अब हालात खराब हो चले हैं।

मांडू (विनय उजाला)। मांडू के पर्यटन को बढ़ावा देने वाल मांडू उत्सव आदर्श भगोरिया उत्सव पर पिछले तीन वर्ष स अनिश्चिता के बादल छा रहे हैं। शासन प्रशासन की अनदेखी की अनदेखी के चलते स्थानीय पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसायी और कला प्रेमी काफी नाराज और मायूस हैं।

पिछले वर्षों में इस उत्सव से रोजगार को बड़ा बल मिलता आया है लेकिन पिछले तीन वर्ष से यहां के पर्यटन के ग्राफ और व्यापार व्यवसाय पर भी गहरा असर पड़ा है, शासन प्रशासन और पर्यटन विभाग के बड़े-बड़े दावे मांडू के पर्यटन को लेकर खोखले साबित हो रहे हैं, इन उत्सव को लेकर की जा रही अनदेखी को लेकर स्थानीय लोगों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होता जा रहा है, और इधर कला प्रेमी भी निराश हो रहे है। इस बार भी विभाग ने तारीख का ऐलान करने का दावा किया, और आखिरकार उत्सव अनदेखी का शिकार हो गया, 28 फरवरी को मांडू का भगोरिया होने वाला है, तत्कालीन कलेक्टर पंकज जैन ने इसे आदर्श भगोरिया का रूप दिया था, लेकिन उनके जाने के बाद यह आदर्श भगोरिया, आदर्श रूप ही नहीं ले पाया आज तक। कैसे मांडू का पर्यटन बढ़ेगा यहां कैसे उद्योग धंधे बढ़ेंगे, कैसे लोगों को रोजगार मिलेगा, 50% लोग रोजगार के लिए यहां से पलायन करने को मजबूर हैं, कब इस मांडव की तस्वीर बदलेगी।

मांडू के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आज भी सुविधाओं का अभाव है। विनय उजाला ने यहां आए हुए देसी विदेशी पर्यटकों से मांडू के जहाज महल, रूपमती महल, नीलकंठ महादेव पर पर्यटकों से चर्चा की तो कई समस्याएं उभरकर सामने आईं। पेयजल, पार्किंग, शौचालय, बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्थाएं, संकरे मार्ग की वजह से ट्रैफिक जाम, अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, मांडू का मानचित्र का ना होना, संकेतक बोर्ड का अभाव, साथ-साथ कहीं संरक्षित इमारतों पर आज तक पहुंच मार्ग तक नहीं है।

मांडू में आए दिन वीवीआइपी वीआइपी का आना-जाना लगा रहता है। पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व राष्ट्रपति के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव भी कई मर्तबा मांडू आ चुके हैं, लेकिन पर्यटन स्थल की तस्वीर नहीं बदली। नर्मदा परियोजना भी अधर में लटकी पड़ी हुई है। यहां इन्वेस्टर को सुहावने सपने दिखाए जा रहे हैं। जिस शहर में पिछले 8 साल में नर्मदा का पानी नहीं पहुंचा, वहां क्या विकास के मुद्दे साकार रूप लेंगे। कागजों पर मांडू का विकास सुनने में आता है। जमीनी हकीकत की बात की जाए तो कुछ और ही मांडू के पर्यटन की तस्वीर सामने आने वाले पर्यटकों को दिखाई देती है, और वह नाराज होते हैं।

राम मंदिर में बिखरे फाग के रंग, भजनों पर झूमीं महिलाएं

विनय उजाला

रतलाम, निप्र। सैलाना रोड स्थित राम मंदिर परिसर में मंगलवार दोपहर फागोत्सव मनाया गया। आयोजनकर्ता भगवती राधा एवं भगवान माधव रहे। कार्यक्रम में भजन गायिका श्रीमती नूतन भट्ट ने अपने सुमधुर कंठ से फाग उत्सव के पारंपरिक गीत एवं भजनों की प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में 'आज बिरज में होली रे रसिया, होली रे रसिया, बरजोरी रे रसिया...' जैसे लोकप्रिय फाग गीतों की प्रस्तुति पर उपस्थित महिलाएं भावविभोर होकर झूम उठीं। भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी के भजनों पर महिलाओं ने उत्साहपूर्वक नृत्य किया। फाग उत्सव में महिलाओं ने ड्रेस कोड के रूप में लहंगा एवं लाल-पीली साड़ियां धारण कर सहभागिता की, जिससे पूरा मंदिर परिसर रंगों और उल्लास से सराबोर हो गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में महिलाओं ने गरबा खेलते हुए गुलाल उड़ाया और भजनों के साथ झूमते-गाते उत्सव का आनंद लिया।

अंत में विधिवत आरती संपन्न की गई तथा प्रसादी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में में समस्त भक्त जनों के साथ विशेष रूप से नगर निगम अध्यक्षा श्रीमती मनीषा शर्मा सहित महिलाएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की जानकारी नार्मदीय ब्राह्मण महासभा सचिव भजन गायिका श्रीमती नूतन भट्ट द्वारा प्रदान की।

जनगणना कार्य में नियुक्ति अधिकारी, कर्मचारियों ने लिया प्रशिक्षण

विनय उजाला

रतलाम। जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान गणना के लिए आज जिला स्तरीय प्रशिक्षण का तीसरा दिन जिसमे प्रथम भाग का नगर पालिक निगम रतलाम के प्रमुख जनगणना अधिकारी (आयुक्त) तथा नगर जनगणना अधिकारी (उपायुक्त) ज़ोनल चार्ज अधिकारी तथा समस्त नगर परिषद नगर पालिका के चार्ज अधिकारी सीएमओ के साथ समस्त लिपिक क्रो राष्ट्रीय प्रशिक्षक जय शहदादपुरी एवं सुश्री ओजास्विनी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **शिबु मैथ्यु पिता श्री ई.एम. मैथ्यु** वर्तमान संपत्तिधारक **जानवी उर्फ जान्वी** के द्वारा झोन 11 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री, वसीयतनामा, वारिसनाते, शपथ-पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, लिंक दस्तावेज प्रस्तुत कर सर्विस/पिन नं. **1001078845, पता- प्रकोष्ठ 2 पदमावती कॉलोनी, इंदौर** पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-11 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-11
नगर पालिका निगम इंदौर

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्रीमती रंजनादेवी पति अशोक चौहान** वर्तमान संपत्तिधारक **सपना कुलभुषण मित्तल, संगीता अरविन्द** के द्वारा झोन 11 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री, वसीयतनामा, वारिसनाते, शपथ-पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, लिंक दस्तावेज प्रस्तुत कर सर्विस/पिन नं. **1002895748, पता- भुखण्ड ई 21, सपना संगीता रेसीडेन्सी, इंदौर** पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य संपत्ति पर आपत्ति हो तो झोन-11 राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात बिना प्रमाण पत्र प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक-11
नगर पालिका निगम इंदौर

पश्चिम रेलवे
विभिन्न कार्य

उप मुख्य सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर (निर्माण) पश्चिम रेलवे, रतलाम आमंत्रित करता है, **निविदा सूचना क्रमांक- एस एंड टी / सी / आरटीएम / 120/2025-26, दिनांक- 23.02.2026। कार्य का नाम-** इनडोर और आउटडोर दूरसंचार उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, उपयोगिता शिफ्टिंग और कमीशनिंग, जिसमें ओएफसी और छह क्वाड केबल्स की ट्रेंचिंग, बिछाने, जोड़ने और समाप्ति और एलएमएनआर स्टेशन पर सार्वजनिक सुविधाएं, ओआरएच सहित, रतलाम मंडल, पश्चिम रेलवे (म.प्र.) के आईएनडीबी-डीडब्ल्यूएक्स-यूजेएन दोहरीकरण कार्य के संबंध में शामिल हैं। **कार्य की अनुमानित लागत-** 1,35,28,399/-। **ईएमडी-** 2,17,700/-। **बोली प्रारंभ तिथि-** 03.03.2026। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 1169

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
विभिन्न कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008 **ई-निविदा सूचना क्रमांक- बीसीटी/25-26/323 दिनांक 20.02.2026 को आमंत्रित करता है। कार्य और स्थान- मुंबई सेंट्रल (मुख्य)- (1)** पीएफ क्रमांक 1,2,3,4 और 5 के प्लेटफार्म सरफेसिंग का दिव्यांग टैक्टाइल टाइल्स, चेतावनी ब्लॉक, डबल ऊंचाई वाली ग्रैब रेल के साथ रैंप आदि के साथ सुधार। **(2)** शौचालय परिसर प्रदान करना और मौजूदा पीए सुविधाओं/शौचालय को स्थानांतरित करना और असुरक्षित छत और क्लैडिंग में सुधार करना। **(3)** पॉलिमर प्लास्टर द्वारा असुरक्षित छत की छत में सुधार और असुरक्षित क्लैडिंग को हटाना। **(4)** मुंबई सेंट्रल - परिसंचारी क्षेत्र सरफेसिंग और ड्रेनेज (केवल विद्युत कार्य) **जमा करने की तारीख और समय-** 17.03.2026, 15.00 बजे तक। **खोलने की तारीख और समय-** 17.03.2026 को 15.30 बजे। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। **मैन्युअल ऑफ़र पर विचार नहीं किया जाएगा।** 1158

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

स्वयंसेवी संस्थाओं की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

संस्थाओं के गठन, संचालन, दस्ताजवेजीकरण और शासन की योजनाओं के विस्तार का दिया प्रशिक्षण

विनय उजाला

रतलाम। म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा जिला पंचायत सभागृह रतलाम में स्वैच्छिकता, सामूहिकता एवं स्वावलंबन के आधार पर किए जा रहे सर्वांगीण ग्राम विकास कार्यों की समीक्षा हेतु नवांकुर स्वयंसेवी संस्थाओं की जिला स्तरीय बैठक सह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। बैठक में जिले के सभी विकासखंडों के समन्वयक, नवांकुर स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, सीएम इंटर्न एवं परिषद के जिला समन्वयक उपस्थित थे। जिला समन्वयक रत्नेश विजयवर्गीय ने बताया कि सामाजिक सरोकार और जमीनी क्रियान्वयन पर जोर दिया जावें, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक एवं वंचित हितग्राहियों तक पहुँचाने हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर कार्य करें, आगामी ग्रीष्म काल में जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन कर जल स्त्रोतों के सरंक्षण संवर्धन के अभियानों को जनभागीदारी से संचालित किया जाए। नवांकुर संस्थाओं को नर्सरी निर्माण, पौधारोपण एवं पौधों की देखभाल को प्राथमिकता से कार्य करें। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, जल संरक्षण, जैविक खेती, गौपालन एवं महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर सक्रिय रूप से कार्य करने की समझाइश दी गई।

:: जाहिर सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री अनिकेत पिता श्री जीवन पटेल** झोन 32, राजस्व विभाग पर सर्विस क्रं./पिन क्रं. **1001005775, पता - 9 ए-ए, अमृत पैलेस कॉलोनी, इंदौर** के दर्ज नाम पर संपत्ति का नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो झोन क्रं. 32 राजस्व विभाग में प्रभारी सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात व बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

प्रभारी अधिकारी, पंजीयन कार्यालय, मोती तबेला झोन क्रं.32, नगर पालिक निगम इंदौर

पश्चिम रेलवे
विद्युत कार्य

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (निर्माण) पश्चिम रेलवे डीआरएम कार्यालय, एनेक्सी बिल्डिंग तीसरी मंजिल दो-बत्ती रतलाम (म.प्र.) 457-001, **निविदा सूचना क्रमांक- EL-C-RTM-2025-08-T, दिनांक-** 23.02.2026 आमंत्रित करता है। **कार्य का नाम-** रोहल खुर्द-भाटीसूडा के बीच नागदा बाईपास लाइन और नाइखेरी- चिंतामन स्टेशन के बीच उज्जैन बाईपास लाइन के संबंध में एचटी और एलटी विद्युत क्रॉसिंग / लाइन उल्लंघन का संशोधन और चालू करना। **अनुमानित मूल्य-** 4,71,25,495/-. **बोली जमा-** 3,85,600/-. **ऑनलाइन बोली प्रारंभ तिथि-**02.03.2026. **निविदा समापन तिथि-**16.03.2026 को 15.00 बजे तक ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। नोटिस बोर्ड किसी भी जानकारी के लिए, फर्म ऊपर दिए गए ऑफिस के पते पर खुद आकर या ऑफिस के टेलीफोन नंबर 07412 233996 पर संपर्क कर सकती हैं; संपर्क करें- ई-मेल- dyceecrtm@gmail.com 1168

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मिलावट के विरुद्ध कार्यवाही में विभिन्न दुकानों से पनीर, मिठाई, दूध के नमूने लिए गए

रतलाम, विनय उजाला। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशन में आगामी त्यौहार को देखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश जमरा द्वारा मिलावट के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। आज पंथपीपलोदा रोड ताल स्थित नाकोड़ा मिल्क प्रोडक्ट से पनीर, सब्जीमंडी स्थित तिरुपति ट्रेडर्स से साबूदाना और बीकानेर स्वीट्स से मिठाई, सोनपपड़ी एवं रसगुल्ले के नमूने एवं गुलबलोद स्थित मिल्क चिलिंग सेंटर से भैंस के दूध का नमूने लिए गए। सभी नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए, जहां से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत नियमानुसार आगामी कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सभी खाद्य संस्थानो को गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों के संग्रहण एवं विक्रय करने के निर्देश दिए गए।

पश्चिम रेलवे द्वारा इन्दौर ⇌ खड़की के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेन का संचालन

गाड़ी संख्या	प्रारंभिक एवं गंतव्य स्टेशन	प्रभावी कार्य दिवस	प्रस्थान	आगमन
09324	इंदौर-खड़की	04.03.2026 से 25.03.2026	11.15 बजे (बुधवार)	02.50 बजे (अगले दिन)
09323	खड़की-इंदौर	05.03.2026 से 26.03.2026	04.40 बजे (गुरुवार)	23.55 बजे (उसी दिन)
पड़ाव : देवास, उज्जैन, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, भिवंडी रोड, कल्याण और लोनावाला स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचना : एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, शयनयान और द्वितीय सामान्य श्रेणी के डिब्बे।				

संबंधित विशेष गाड़ियों के पड़ावों संबंधित विस्तृत समय की सूचना हेतु कृपया www.equiry.indianrail.gov.in पर संपर्क करे।

गाड़ी संख्या 09324 बुकिंग 27.02.2026 से सभी पीआरएस काउंटर्स तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरु होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक और फॉलो करें : facebook.com/WesternRly | X.com/WesternRly | Instagram.com/WesternRly | https://www.youtube.com/@WesternRly | https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के साथ अपना वास्तविक पहचान पत्र भी साथ रखें

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल
शुद्धिपत्र

विषय: पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल में गोधरा के निकट टिम्बा रोड स्टेशन पर वैगनों में सीधे लोड की जाने वाली 50 मिमी आकार की मशीन से क्रश की गई 4,23,395 घन मीटर स्टोन बैलास्ट की आपूर्ति संबंधी कार्य हेतु **निविदा संख्या DRM BRC 185 of 2025-26** में शुद्धिपत्र। उपरोक्त निविदा के संदर्भ में यह सूचित किया जाता है कि निविदा दस्तावेज़ के तकनीकी अनुपालन (Technical Compliance) के अंतर्गत निम्नलिखित धारा जोड़ी जाती है: धारा संख्या 7 - तकनीकी अनुपालन (अनिवार्य): यह निविदा ₹20 करोड़ से अधिक विज्ञापित मूल्य की है, जिसमें पात्रता मानदंडों में बोली क्षमता (Bid Capacity) भी शामिल है। अतः निविदाकार तभी पात्र माना जाएगा जब उसकी उपलब्ध बोली क्षमता, जीसीसी अप्रैल-2022 के परिशिष्ट-VI, भाग-I संशोधन पर्ची संख्या 1 (प्रति संलग्न) के अनुसार, वर्तमान निविदा के कुल बोली मूल्य के बराबर या उससे अधिक हो। यह शर्त अनुमन्य (अनिवार्य) मानी जाएगी तथा तकनीकी अनुपालन मानदंड का अभिन्न हिस्सा होगी। निविदा की अन्य सभी शर्तें एवं नियम यथावत रहेंगे। BRC 372

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
भावनगर मंडल

इलेक्ट्रॉनिक कोच गाइडेंस सिस्टम के प्रावधान के संबंध में दूरसंचार वस्तुओं की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (S & T) पश्चिम रेलवे, भावनगर निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करता हैं :- **निविदा क्रमांक: 58-2025** भावनगर डिवीजन के भावनगर परा (बीवीपी), सीहोर (एसओजेएन), सोनगढ़ (एसजीडी), ढोला जंक्शन (डीएलजे), बोटाद जंक्शन (बीटीडी), केशोद (केएसडी), जूनागढ़ (जेएनडी), गोंडल (जीडीएल) और पोरबंदर (पीबीआर) स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक कोच गाइडेंस सिस्टम के प्रावधान के संबंध में दूरसंचार वस्तुओं की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। **अनुमानित लागत :** ₹ 45756822.81/- (चार करोड़ सत्तावन लाख छप्पन हज़ार आठ सौ बाईस रुपये और इक्यासी पैसे केवल) बोली दाताओं को अधिक जानकारी के लिए केवल www.ireps.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा. कृपया वेबसाइट पर जाएं. ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख 17/03/2026 को 15.00 बजे तक रहेगी। BVP 281

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

संक्षिप्त समाचार

संकल्प से समाधान अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर आयोजित, सीएमएचओ डॉ. बेक ने किया निरीक्षण

सोनकच्छ, निप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनकच्छ में संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत विकासखण्ड स्तरीय शिविर का शुभारम्भ मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.आर कुमार एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर का अवलोकन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने किया एवं आवश्यक निर्देश दिये। शिविर में कुल 491 मरीजों का पंजीयन किया गया। शिविर में 78 एएनसी चेकअप हुए, 16 आयुष्मान कार्ड बनाए, 59 नेत्र परीक्षण किये गए जिसमें से 48 मरीजों का चिन्हांकन मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए किया गया। शिविर में 28 यूएसजी (अल्ट्रा सोनोग्राफी) की गई। शिविर में ओरल कैंसर के 200 मरीजों की जांच की गई। जिसमें से 2 संदिग्ध मरीज चिन्हित किये गए एवं 1 ब्रेस्ट कैंसर का मरीज चिन्हित किया गया। परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत 47 महिलाओं को परामर्श देकर अस्थाई साधन के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में अमलतास की टीम से चिन्हित चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ वर्षा राय, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ आर्दश नामेरिया, मेडिकल विशेषज्ञ डॉ सुमित सोलंकी, आरबीएसके चिकित्सक डॉ. समीर शेख, डॉ. अंबिका दुबे, डॉ. राजेश मालवीय, डॉ. अमरीन खान, डॉ. रामराज परमार, बीपीएम श्री दीपक चैहान, सहित अन्य मेडिकल एवं पेरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहा।

सिविल अस्पताल में योजनाओं के क्रियान्वयन में लेतलाली पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जताई नाराजगी

सोनकच्छ, निप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक बुधवार को सिविल अस्पताल सोनकच्छ पहुंचीं। जहां पर उन्होंने शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक ली। जहां पर उन्होंने शासन की योजनाओं का ठीक तरह से संचालन नहीं होने पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश कुमार पर नाराजगी जताई एवं आवश्यक निर्देश दिये। डॉ. बेक ने दस्तक अभियान, आयुष्मान कार्ड, एनीमिया प्रबंधन, संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए डोर टू डोर सर्वे करने एवं टीम बनाकर कार्य करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने फील्ड भ्रमण करने एवं स्वास्थ्य संस्थाओं के निरीक्षण हेतु भी निर्देशित किया। उन्होंने सीडीआर एवं एमडीआर के रिव्यू संबंधी जानकारी ली एवं संकल्प से समाधान पोर्टल पर नियमित प्रविष्टि करने आदि योजनाओं के संबंध में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ राकेश कुमार एवं ब्लॉक प्रोग्राम अधिकारी दीपक चौहान से क्रमवार जानकारी ली, लेकिन दोनों अधिकारी डॉ बेक को संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए जिस पर डां बेक द्वारा दोनों अधिकारियों पर अपनी नाराज़गी जताई और निर्देश दिए की शासन की समस्त योजनाओं का ठीक से क्रियान्वयन होना चाहिए।

संभागायुक्त ने किया कृषि विज्ञान मेले का अवलोकन

देवास, निप्र। संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने देवास जिले के किसानों को कृषि की उन्नत तकनीकी की जानकारी देने, खेती में लगने वाले कृषि आदान, उन्नत बीज, खाद, दवाई एवं नवीनतम कृषि उपकरण, उन्नत सिंचाई के साधन की जानकारी एक ही स्थान पर दिलाने के उद्देश्य से मिलेट मिशन एवं राष्ट्रीय तिलहन मिशन ऑन इडिबल आइल योजनान्तर्गत कृषि उपज मंडी देवास में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला का अवलोकन किया। संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने किसानों से चर्चा की और मूंग की जगह उड़द की फसल की तरफ शिफ्ट होने का आग्रह किया। संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले में नवीनतम कृषि उपकरण, उर्वरक, कीटनाशक, खाद, बीज, उन्नत सिंचाई के साधन एवं कृषि विज्ञान मेले में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी के लिए लगाई गई प्रदर्शनी का अवोलकन भी किया। किसानों ने इस दौरान संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर ऋतुराज सिंह को किचन गार्डन के लिए पौधे भी भेंट किये। इस अवसर पर कलेक्टर ऋतुराज सिंह, सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा, सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं कृषकगण उपस्थित थे।

मदनी धाम हनुमान मंदिर पर टीन शेड का लोकार्पण आज

सोनकच्छ, निप्र। जिला पंचायत सदस्य तरुणा बनेसिंह अस्ताया की निधि से 15 लाख रुपए की लागत से निर्मित टीन शेड के लोकार्पण कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित होगा। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा रहेंगे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सज्जन सिंह भागवत कथा का श्रवण कर ग्रामीणजन से मिलकर हालचाल जानेंगे। उक्त जानकारी जसपाल सिंह सेंधव द्वारा दी गई।

स्थानांतरण पर अपर कलेक्टर को दी विदाई दी

शाजापुर, निप्र। अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी का स्थानांतरण जिला पंचायत सीईओ के पद पर आगर मालवा जिले में होने पर कलेक्टर ऋजु बाफना, राजस्व अधिकारियों, कलेक्टर कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारियों ने शाल, श्रीफल, पुष्प माला, स्मृति चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में कलेक्टर ने अपर कलेक्टर श्री सोलंकी को नवीन पदस्थापना की शुभकामनाएं दी।

पनीर दूध से बना है या वनस्पति से, लिखना अनिवार्य : सिंह

अमानक पनीर बेचने पर 5 लाख, मिथ्याछाप पनीर बेचने पर 3 लाख रुपए का दंड लगेगा

विनय उजाला

देवास, निप्र। कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा, नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार, अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर संजीव कुमार जैन, संयुक्त कलेक्टर अंशु जावला, एसडीएम देवास अभिषेक शर्मा, डिप्टी कलेक्टर आनंद मालवीय सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।

बैठक में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने निर्देश दिए कि शासकीय भूमि पर कब्जा करने वालों को नोटिस देकर कब्जा हटाने की कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में पीएम राहत योजना का प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ित का एक लाख 50 हजार रूपये तक का कैशलेस उपचार होगा। सभी संबंधितों को पीएम राहत योजना के संबंध में प्रशिक्षण दें। कलेक्टर श्री सिंह ने ड्रग निरीक्षक से जिले में की गई कार्रवाई की जानकारी लेकर निर्देश दिए कि आयुर्वेदिक दवाई बनाने वाले संस्थानों पर भी जाकर जांच करें। उन्होंने खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा जिले में की गई कार्रवाई की जानकारी ली और लगातार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी डेरी संस्थानों पर ये अनिवार्य रूप से लिखवाए की दूध से निर्मित पनीर विक्रय कर रहे है या वनस्पति से निर्मित पनीर। अमानक पनीर बेचने वालों पर दंडात्मक कार्यवाही करें। अवमानक पनीर बेचने पर 5 लाख तथा मिथ्याछाप पनीर बेचने पर 3 लाख रुपए रुपये का दंड लगाने का प्रावधान है।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में पीआईयू द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य की समीक्षा कर निर्देश दिए कि प्रगतिरत निर्माण कार्यों की गति बहुत धीमी है। उन्होंने सभी प्रगतिरत निर्माण कार्यों को शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। गुणवत्ता पूर्ण कार्य नहीं होने पर सभी संबंधितों पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि बालगढ़ और कन्नौद में निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय का कार्य मई 2026 तक पूर्ण करें, जिससे नए सत्र में जुलाई से वहां कक्षाए शुरू हो सकें। सिंह ने एमपीईबी द्वारा जिले में आरडीएसएस योजना एवं एसएसटीडी योजना अंतर्गत किये जा रहे कार्यों की जानकारी लेकर प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने ईई एमपीईबी को निर्देश दिए कि जिले में 'धरती आबा अभियान' के तहत चिन्हित मंजरे टोलो के 1700 से अधिक घरों में 24 घंटे लाइट पहुंचाने का कार्य 2 माह में पूर्ण करें। कलेक्टर श्री सिंह ने प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य (पीएम-कुसुम) योजना की प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिए कि योजना का लाभ अधिक से अधिक किसानों को दिलाये। पीएमजीएसवाय अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा कर पर जीएम पीएमजीएसवाय को कार्य गुणवत्तापूर्ण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री मजरा टोला योजना अंतर्गत मार्गों की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की नियमित जांच होगी

कलेक्टर सिंह ने पीडब्ल्यूडी विभाग अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत मार्गों की समीक्षा कर शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ने कहा कि विभागीय अधिकारी मार्ग निर्माण कार्य की गुणवत्ता का समय पर परीक्षण करें। अधिकारियों द्वारा किस दिनांक को परीक्षण किया है इसका रिकॉर्ड मेंटेन करें। मार्ग पूर्ण होने पर मार्ग निर्माण कार्य निम्न गुणवत्ता का पाए जाने परीक्षण करने वालो पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन को निर्देश दिए कि जिले में निर्माण कार्यों की जाँच के लिए दल का गठन करें जो निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जाँच करें।

संभागायुक्त आशीष सिंह ने किसान कल्याण वर्ष-2026 के तहत किया अवलोकन

प्रगतिशील किसानों के खेतों में जाकर ली आधुनिक खेती की जानकारी

विनय उजाला

देवास, निप्र। संभागायुक्त आशीष सिंह ने आज देवास जिले के विभिन्न गांवों में पहुंचकर आधुनिक पद्धतियों से खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों के खेतों में जाकर फसलों का अवलोकन किया। इस अवसर पर कलेक्टर ऋतुराज सिंह, सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा, अपर कलेक्टर संजीव कुमार जैन, एसडीएम देवास अभिषेक शर्मा, उपसंचालक कृषि गोपेश पाठक, उप संचालक उद्यानिकी राजू बड़वाया, आत्मा से एमएल सोलंकी, मण्डी सचिव अरविंद परिहार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं कृषकगण उपस्थित थे।

इस दौरान संभागायुक्त आशीष सिंह ने ग्राम मेंढकी धाकड़ के किसान जगदीश नागर द्वारा आधुनिक पद्धति से की जा रही खेती का अवलोकन किया। किसान आशीष सिंह से आधुनिक पद्धति से की जा रही खेती के संबंध में जानकारी ली। किसान जगदीश नागर द्वारा बताया कि 05 हजार वर्ग फीट जमीन से 55 हजार रूपये की लौकी का उत्पादन कर रहे हैं। टमाटर, ड्रैगन फुड, गोभी, धनिया, खरबूजा आदी फसलें आधुनिक पद्धति के माध्यम से की जा रही है। वे खेतों में सिंचाई के लिए ड्रीप, और मल्चिंग खेती पद्धति का उपयोग कर रहे हैं। किसान नागर साल में तीन फसल ले रहे हैं।

वहीं सिंह ने ग्राम जामगोद में किसान कैलाश पटेल किये जा रहे केंचुआ खाद उत्पादन कार्य अवलोकन किया। इस दौरान किसान कैलाश पटेल ने बताया कि 30 हजार रूपए की पूंजी लगाकर काम शुरू किया। उन्होंने मेहनत व सही तकनीक से इसे 03 लाख रूपए के टर्नओवर वाले मुनाफे के व्यवसाय में बदल दिया। किसान कैलाश पटेल ने बताया कि वे जैविक एवं कैचुआ खाद 06 रूपये प्रति किलो दर पर विक्रय कर रहे है। कैलाश पटेल के इस नवाचारिक प्रयासों से उनसे कई किसान जुड कर जैविक खेती कर रहे है। इस दौरान किसान कैलाश पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को पारंपरिक खेती से हटकर नवाचार अपनाने के आह्वान से प्रेरित होकर उन्होंने यह कदम उठाया।

ग्राम अरनिया जागीर तहसील सोनकच्छ के किसान नारायण सिंह सेंधव के खेत पर पहुंचकर संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर ऋतुराज भी आश्चर्य चकित रह गए जब किसान ने बताया कि वह खेती को उद्योग के रूप में कर रहे हैं। हर काम की बैलेंस शीट तैयार है कब पौधा लिया, कितना खर्चा हुआ, कब पानी दिया, कब खाद दी। सेंधव ने आधुनिक खेती की नई परिभाषाओं को गढ़ते हुए जो बातें बताई वह वास्तव में आश्चर्यचकित करने वाली थी। वह साल में एक एकड़ में 8 लाख रुपए तक का करेला बेच देते हैं। उन्होंने फसलों के पौधे बनाने की लिए 15 लाख की सीडलिंग मशीन भी खरीदी है।

'बाबूजी' को सर्व समाज ने दी विदाई

विनय उजाला

निवाली, निप्र। स्थानीय अम्बेडकर चौराहे पर निवाली प्रेस क्लब के तत्वावधान में वरिष्ठ पत्रकार, समाजसेवी एवं प्रेस क्लब संरक्षक स्वर्गीय भगवान बंसल 'बाबूजी' की विशाल श्रद्धांजलि सभा संपन्न हुई। इस गरिमामय आयोजन में नगर के सभी समाजों के वरिष्ठजनों ने सम्मिलित होकर बाबूजी के जीवन दर्शन और उनके द्वारा किए गए क्रांतिकारी सामाजिक सुधारों पर अपने विचार साझा किए।

सभा में वक्ताओं ने बाबूजी के उन ऐतिहासिक निर्णयों को याद किया जिन्होंने निवाली की सामाजिक दिशा बदल दी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नगर में कंडों (गोबर के उपले) से होलिका दहन की अनूठी प्रथा शुरू करवाई थी, जो आज भी अनवरत जारी है। उन्होंने नगर में शिक्षक सम्मान समारोह की शुरुआत की, ताकि समाज गढ़ने वाले गुरुओं को उचित मान-सम्मान मिल सके।

स्वर्गीय बंसल तरुण विकास दल के संरक्षक के रूप में युवाओं के प्रेरणास्त्रोत रहे। प्रेस क्लब संरक्षक के तौर पर उन्होंने हमेशा निष्पक्ष और जनहितैषी पत्रकारिता पर जोर दिया। बाबूजी ने जाते-जाते भी समाज को 'नेत्रदान' का महान संदेश दिया। परिजनों द्वारा लिए गए इस निर्णय की सर्वसमाज ने सराहना की।

बिहार में मध्यप्रदेश का मान बढ़ा रहे नीरज गुर्जर

राष्ट्रीय एकता शिविर में अपनी लोककला से जीता सबका दिल

विनय उजाला

कन्नौद, निप्र। बिहार के भागलपुर में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर (NIC) 2026 में मध्यप्रदेश की संस्कृति और कला का परचम लहरा रहा है। पास के ग्राम किलोदा-बी के होनहार युवा नीरज गुर्जर इस राष्ट्रीय मंच पर मध्यप्रदेश का गौरवशाली प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। शिविर के दौरान नीरज ने अपनी प्रस्तुतियों से मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया है। उन्होंने संत कबीरदास के निर्गुणी भजनों की मधुर प्रस्तुति के साथ-साथ मालवा के सुप्रसिद्ध मटकी नृत्य का शानदार प्रदर्शन किया। विशेष रूप से, उनके द्वारा प्रस्तुत बाबा महाकाल की सवारी के सजीव चित्रण ने देशभर से आए 15 राज्यों के स्वयंसेवकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी इन प्रस्तुतियों के माध्यम से मध्यप्रदेश की एक सशक्त पहचान राष्ट्रीय पटल पर अंकित हुई है।

क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण

एक छोटे से ग्रामीण अंचल से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का नाम रोशन करने वाले नीरज की इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। नीरज ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के आशीर्वाद और गुरुजनों के कुशल मार्गदर्शन को दिया है। उनकी यह उपलब्धि जिले के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का एक नया अध्याय लिख रही है।

श्रमिक को मिला शासन की योजना का लाभ, कलेक्टर ने दी ई-स्कूटर की चाबी

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। प्रदेश शासन के श्रम विभाग अंतर्गत संचालित म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल की ई-स्कूटर अनुदान योजना-2024 से पंजीकृत श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में कालापीपल विकासखंड के ग्राम जबड़ी निवासी पंजीकृत श्रमिक जगजीवन मालवीय को योजना का लाभ प्रदान किया गया।

कलेक्टर ऋजु बाफना ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में जगजीवन मालवीय को ई-स्कूटर की चाबी प्रदान की और उन्हें ई-स्कूटर अनुदान योजना-2024 के तहत 40 हजार रुपये की अनुदान राशि का ई-भुगतान स्वीकृति प्रत्रक भी प्रदान किया। श्री मालवीय ने बताया कि ई-स्कूटर मिलने से अब उन्हें कार्यस्थल तक पहुंचने में सुविधा होगी तथा समय की बचत भी होगी। इससे उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। जिला श्रम अधिकारी ने जानकारी दी कि श्रम विभाग अंतर्गत म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में पंजीकृत श्रमिकों को उनके कार्य स्थल तक आवागमन के लिए ई-स्कूटर वाहन क्रय करने पर अनुदान राशि प्रदान किये जाने के संबंध में म.प्र. शासन द्वारा अप्रैल 2024 से श्रम विभाग अंतर्गत ''भवन एवं अन्य संनिर्माण ई-स्कूटर के लिए ई स्कूटर अनुदान योजना 2024'' से संचालित की जा रही है।

दो किलोमीटर दूर तक दिखा धुंए का बवंडर, धूं-धूं कर जला ट्रक

अहमदाबाद से बिहार जाते समय हाईवे पर दहका ट्रक, चालक-क्लीनर ने कूदकर बचाई जान

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। अहमदाबाद से बिहार जा रहे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। इस आगजनी से ट्रक में रखा परचून व केटरीन का सामान जलकर राख हो गया।

चालक को आग लगने की जानकारी पीछे से आ रहे वाहन चालक ने दी। तब चालक ने जाकर देखा तो उसमें से धुंआ निकल रहा था। जिससे बना बवंडर 2 किमी दूर तक भी दिखाई दे रहा था। इसके बाद क्लीनर व चालक ने ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई।

घटना बुधवार सुबह करीब 8 बजे की है। जब क चलते ट्रक में अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। आग लगने से ट्रक में रखा परचून और कैटरिंग का सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पर पदस्थ प्रधान आरक्षक पवन शर्मा और पायलट अंकित मौके पर पहुंचे। इसके अलावा सूचना मिलते ही कोतवाली थाना, यातायात पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। वहीं करीब तीन से चार दमकल वाहनों की मदद से आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। आगजनी के चलते शाजापुर से सारंगपुर जाने वाला मार्ग कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। आग बुझने के बाद मार्ग को पुनः चालू कर दिया गया।

दूर तक दिखाई दिया धुंआ

आग इतनी विकराल थी कि उसने देखते ही देखते सामान के साथ ट्रक को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने से ट्रक से उठता धुंआ करीब 2 किमी की दूरी से भी लोगों को दिखाई दे रहा था। यही वजह थी कि पुलिस ने हाईवे कुछ देर के लिए बंद कर दिया। जब आग बुझी और स्थिति सामान्य हुई तब वाहनों को जाने दिया गया।

ट्रक चालक का आरोप, किसी ने ट्रक में फेंका अंगारा

ट्रक चालक मुमताज खान ने बताया कि ट्रक रातभर एक होटल पर खड़ा था। सुबह लगभग 10 किलोमीटर चलने के बाद अचानक धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग भड़क उठी। वाहन चालक ने बताया कि उसे शक है किसी ने ट्रक में जलता हुआ अंगारा फेंका होगा जिससे यह हादसा हो गया। जिसके कारण आग इतनी विकराल हो गई और हमें कूदकर अपनी जान बचाना पड़ी। नहीं तो बड़ा हादसा हो जाता। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। कितने का सामान जला है, इसका आकलन किया जा रहा है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ बदल सकती है भारत की प्लेइंग 11

तिलक की जगह नंबर-3 पर खेल सकते हैं संजू सैमसन

चेन्नई, एजेंसी

टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मैच से पहले भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई बड़े संकेत दिए।

टीम मैनेजमेंट ने जहां आउट ऑफ फॉर्म खिलाड़ियों का बचाव किया, वहीं प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभावना से भी इनकार नहीं किया। खास तौर पर नंबर-3 पर संजू सैमसन को उतारने के सवाल पर कोटक ने साफ कहा कि विचार जरूर होगा।

कोटक ने माना कि टीम कॉम्बिनेशन को लेकर मंथन चल रहा है। उन्होंने कहा कि बाएं हाथ के दो बल्लेबाज ओपनर हैं और नंबर-3 पर भी बाएं हाथ का बल्लेबाज है, जबकि विपक्षी टीम स्पिन का इस्तेमाल कर रही है। ऐसे में बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

हालांकि, उन्होंने साफ किया कि नेट्स में सैमसन का ऊपर बल्लेबाजी करना किसी संकेत के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। कोटक ने कहा, 'अभिषेक आमतौर पर पहले बल्लेबाजी नहीं करते, वे दूसरे या तीसरे ग्रुप में आते हैं। संजू तीसरे ओपनर और विकेटकीपर हैं, इसलिए वे कहीं भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। नेट्स से प्लेइंग इलेवन का संकेत नहीं मिलता। लेकिन हां, उन्हें खिलाने पर जरूर विचार होगा।'

अभिषेक शर्मा पर भरोसा बरकरार

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मौजूदा विश्व कप में अब तक सिर्फ 15 रन बना पाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी 75 रहा है। लेकिन कोटक ने उनके समर्थन में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि अभिषेक की तबीयत खराब थी और वह मोमेंटम हासिल नहीं कर पाए। लेकिन पिछले मैच में उनकी बल्लेबाजी बेहतर दिखी। उन्होंने आगे कहा, 'जब वह 30 गेंदों में 80-90 रन बना रहे थे, तब कोई चर्चा नहीं कर रहा था। हमारा काम है उन्हें अच्छे मानसिक फ्रेम में रखना। एक बार फिर से लय मिली तो वही अभिषेक नजर आएंगे।' हालांकि, ऑफ स्पिन के खिलाफ उनकी कमजोरी पर भी सवाल उठे, लेकिन कोटक ने इसे ज्यादा तवज्जो नहीं दी।

बोडो-ग्लिम्ट ने पहली बार अंतिम-16 में प्रवेश

इंटर मिलान 5-2 के अंतर से हराया

मिलान, (हि.स.)

नॉर्वे के क्लब बोडो/ग्लिम्ट ने मंगलवार को सैन सिरो स्टेडियम में खेले गए प्लेऑफ के दूसरे चरण में पिछले सत्र के उपविजेता इंटर मिलान को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस जीत के साथ बोडो/ग्लिम्ट ने कुल 5-2 के अंतर से मुकाबला अपने नाम करते हुए पहली बार चैंपियंस लीग के अंतिम-16 चरण में जगह बना ली।

पहले चरण में बोडो में 3-1 की जीत से बढ़त बनाने वाली नॉर्वेजियन टीम ने दूसरे चरण में भी दबदबा बनाए रखा। मैच के 58वें मिनट में येन्स पेट्टर हाउगे ने गोलकीपर द्वारा रोके गए शॉट पर रिबाउंड को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके 14 मिनट बाद हाकॉन एवजेन ने सटीक दाएं पैर के शॉट से स्कोर 2-0 कर मुकाबला लगभग तय कर दिया।

आर्कटिक सर्कल क्षेत्र से आने वाली इस टीम की इस सत्र में परीकथा जैसी यात्रा रही है। लीग चरण के अंतिम दो मुकाबलों में मैनचेस्टर सिटी और एटलेटिको मैड्रिड पर शानदार जीत दर्ज कर टीम प्लेऑफ में पहुंची थी। इंटर के खिलाफ पहले चरण की जीत के बाद बोडो/ग्लिम्ट ने लगातार तीसरी जीत हासिल की और वही शुरुआती एकादश दूसरे चरण में भी उतारी।

एफआईएच प्रो लीग: बोनस अंक के साथ होबार्ट चरण का किया समापन

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शूटआउट में 3-1 से हराया

होबार्ट, (हि.स.)

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने नियमित समय में 1-1 की बराबरी के बाद शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से पराजित कर बोनस अंक हासिल किया और एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट चरण का सकारात्मक समापन किया। भारतीय टीम के लिए शिलानंद लाकड़ा (51वां मिनट) ने गोल किया, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान जेरेमी हेवर्ड (49वां मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर बढ़त दिलाई। शूटआउट में शिलानंद लाकड़ा, मनिंदर सिंह और विष्णुकांत सिंह ने अपने प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। युवा गोलकीपर मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार ने तीन निर्णायक बचाव कर भारत को जीत दिलाई। अंतिम क्वार्टर में 49वें मिनट में जेरेमी हेवर्ड ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर ऑस्ट्रेलिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। भारत ने 51वें मिनट में जवाब दिया, जब हार्दिक सिंह के पास पर अभिषेक ने आगे बढ़ते हुए पूवन्ना चंदुरा बॉबी को गेंद सौंपी और उनके सटीक पास पर शिलानंद लाकड़ा ने मैदानी गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं और मुकाबला शूटआउट में पहुंचा।

जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के मुख्य ड्रा में पहुंची आकर्षी कश्यप

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय शटलर आकर्षी कश्यप ने मंगलवार को जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में 62वें स्थान पर काबिज आकर्षी कश्यप ने क्वालीफायर मुकाबले में चीनी ताइपे की ली यू-ह्सुआन को 21-10, 21-15 से एकतरफा अंदाज में हराया। मुकाबला पूरी तरह आकर्षी के नियंत्रण में रहा। अब मुख्य ड्रॉ में उनका सामना एक

अन्य चीनी ताइपे खिलाड़ी हुआंग यू-ह्सुन से होगा। इस 2,50,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाले टूर्नामेंट में भारत के दिग्गज शटलर किदांबी श्रीकांत और विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा भी भाग ले रहे हैं। मुकाबले की शुरुआत ली यू-ह्सुआन ने सकारात्मक अंदाज में की, लेकिन 4-4 की बराबरी के बाद आकर्षी कश्यप ने लगातार अंक जुटाते हुए 9-4 और फिर 16-8 की बढ़त बना ली। उन्होंने पहला गेम आसानी से अपने नाम किया। दूसरे गेम में ली यू-ह्सुआन ने थोड़ी चुनौती पेश की और 8-14 से पिछड़ने के बाद स्कोर 12-14 तक पहुंचाया, लेकिन आकर्षी कश्यप ने उन्हें वापसी का मौका नहीं दिया।

रणजी ट्रॉफी फाइनल का दूसरा दिन...

जम्मू-कश्मीर 527 रन बनाकर मजबूत स्थिति में...

नई दिल्ली, एजेंसी

रणजी ट्रॉफी 2025-26 का फाइनल कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के बीच हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। जम्मू-कश्मीर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही है।

बुधवार को दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक जम्मू-कश्मीर ने 6 विकेट खोकर 527 रन बना लिए हैं। साहिल लोत्रा 57 रन और आबिद मुश्ताक 20 रन पर नाबाद हैं। कर्नाटक के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए हैं। सुबह 284/2 के स्कोर से आगे

खेलने उतरी जम्मू-कश्मीर ने दो विकेट जल्दी गंवा दिए। पहले दिन के शतकवीर शुभम पुंदीर को विद्याधर पाटिल ने पवेलियन की राह दिखाई। शुभम 121 के स्कोर पर केवी अनीश को मिड विकेट पर कैच थमा बैठे। अगले ओवर में ही अब्दुल समद भी प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर आउट हो गए।

कप्तान पारस-वधावन में शतकीय साझेदारी

कप्तान पारस डोगरा और वधावन ने पारी संभाली। दोनों ने 5वें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी करते हुए 110 रन जोड़े। इस दौरान कन्हैया वधावन ने अपनी फिफ्टी पूरी की। आखिरकार 417 रन के टीम स्कोर पर शिखर शेट्टी ने वधावन को राहुल के हाथों कैच आउट कराया। वधावन ने 70 रन की पारी में 9 चौके लगाए।

पारस डोगरा और अनीश आपस में भिड़े

जम्मू-कश्मीर की पारी के 101वें ओवर में बैटिंग कर रहे डोगरा और शॉर्ट लेग पर खड़े केवी अनीश आपस में भिड़ गए। दरअसल अनीश बैट्समैन पर दबाव बनाने के लिए लगातार कुछ बयानबाजी कर रहे थे। इसी बीच डोगरा ने अनीश के सिर पर सिर से टक्कर मारी। दोनों ने हेलमेट पहन रखा था। इसके अंपायर ने बीच-बचाव करते हुए दोनों को अलग किया। हालांकि अगले ओवर में डोगरा ने अनीश से माफी मांगने की भी कोशिश की, लेकिन अनीश से माफी लेने से मना कर दिया।

बीएस मंथन 2026 में सीतारमण ने किया साफ

चीन से निवेश आएगा, लेकिन अपनी शर्त पर...

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को राजधानी में आयोजित बीएस मंथन कार्यक्रम में केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय समन्वय, विनिवेश नीति, निजी क्षेत्र की भागीदारी और चीन से आने वाले निवेश पर सरकार का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि बजट में तय की गई राशि का पूरा उपयोग न हो पाना कई बार आर्थिक कारणों से ज्यादा राजनीतिक कारणों से जुड़ा होता है।

वित्त मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने राज्यों को पूंजीगत निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के तहत 50 वर्ष के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया है। इसके बावजूद कुछ सुधारों से जुड़ी शर्तों पर राज्यों की प्रतिक्रिया अलग अलग रही है। उनका कहना था कि कुछ राज्यों ने इन योजनाओं को तेजी से अपनाया, जबकि कुछ ने राजनीतिक कारणों से दूरी बनाए रखी। यदि किसी योजना से उन्हें राजनीतिक लाभ नहीं दिखता, तो वे उसमें रुचि नहीं लेते। इससे बजट में प्रावधान होने के बावजूद धनराशि का पूरा उपयोग नहीं हो पाता। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार संसद और विभिन्न राज्यों के मंचों पर योजनाओं के लाभ समझाने का प्रयास करती है,

लेकिन अंततः निर्णय राज्यों के हाथ में होता है।

विनिवेश और निजी क्षेत्र की भागीदारी पर सरकार की सोच... वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार की सुधार नीति केवल पारंपरिक विनिवेश तक सीमित नहीं है। कई रणनीतिक क्षेत्रों में निजी भागीदारी को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों को अवसर दिए गए हैं और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर जैसे क्षेत्रों में भी निजी भागीदारी का रास्ता खोला गया है। विनिवेश पर उन्होंने माना कि यह प्रक्रिया बाजार परिस्थितियों और अन्य प्रशासनिक पहलुओं पर निर्भर करती है। किसी निर्णय के बाद भी उसे लागू करने में समय लगता है। सरकारी प्रक्रियाएं चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ती हैं।

चीन से निवेश पर सख्त निगरानी : चीन से आने वाले निवेश पर उन्होंने दोहराया कि यह प्रेस नोट 3 के तहत सख्त जांच के दायरे में आता है। सरकार निवेश के पीछे मौजूद वास्तविक लाभार्थी की पहचान सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि केवल व्यावसायिक पहलू ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य रणनीतिक हित भी ध्यान में रखे जाते हैं। भारत की आर्थिक संरचना चीन से अलग है, इसलिए निवेश नीति में भी अलग दृष्टिकोण अपनाया जाता है। कराधान को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि यह भारत की संप्रभु शक्ति का विषय है और इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

व्यापक आर्थिक सुधारों पर क्या कहा

टैरिफ युक्तिकरण के विषय में वित्त मंत्री ने कहा कि यह प्रक्रिया धीरे धीरे और वस्तु आधारित आधार पर की जाती है। एक साथ सभी क्षेत्रों में बदलाव करना व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि घरेलू उत्पादकों और आयातकों दोनों के हितों का संतुलन जरूरी है। उन्होंने बताया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति बजट अनुमानों के अनुरूप है। घरेलू निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है और पूंजी बाजार में भारतीय निवेशकों की भूमिका मजबूत हुई है। द्विपक्षीय निवेश संधियों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि इन समझौतों पर बातचीत देश की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप की जा रही है। निवेश केवल संधियों पर निर्भर नहीं करता, बल्कि समग्र आर्थिक वातावरण भी महत्वपूर्ण होता है।

कृषि और राष्ट्रीय सुरक्षा

कृषि क्षेत्र को उन्होंने भारत की समग्र सुरक्षा से जोड़ा। उनके अनुसार कृषि केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने एग्री स्टैक जैसी पहलों को परिवर्तनकारी बताते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी।

टीसीएस ने अपने कर्मचारियों से कहा...

एआई अपनाओ, भले कमाई क्यों न घट जाए, इससे घबराने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की सबसे बड़ी आईटी सर्विस कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने कर्मचारियों को खुलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल करने के लिए कहा है। कंपनी का साफ मानना है कि एआई से डरने की कोई बात नहीं, बल्कि इसे अपनाने से नए-नए मौके मिलेंगे।

टीसीएस के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर के. कृतिवासन ने मुंबई में हुए नासकॉम टेक्नोलॉजी लीडरशिप फोरम के 34वें संस्करण में एक पैनल डिस्कशन के दौरान यह बात रखी। उन्होंने कहा, हम बिल्कुल नहीं डरते कि यह टेक्नोलॉजी हमारी नौकरी छीन लेगी। उल्टा, हम मानते हैं कि इससे और ज्यादा अवसर आएंगे। जितना ज्यादा

क्लाइंट को बताओ, भले रेवेन्यू कैनिबलाइज हो

कृतिवासन ने बताया कि कंपनी अपने कर्मचारियों यानी एसोसिएट्स को स्पष्ट निर्देश दे रही है कि अगर कोई काम एआई से तेज, बेहतर और सस्ते में हो सकता है, तो क्लाइंट को यह बात जरूर बताओ। भले ही इससे कंपनी की मौजूदा कमाई वाले हिस्से पर असर पड़े। उन्होंने इसे 'कैनिबलाइजिंग रेवेन्यू स्ट्रीम्स' कहा, यानी कंपनी की कुछ इनकम आने वाले रास्तों को खुद प्रभावित करना। हाल ही में टीसीएस ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के नतीजों में घोषणा की थी कि कंपनी का लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी एआई आधारित टेक्नोलॉजी सर्विस कंपनी बनना है। कृतिवासन के अनुसार, इस मकसद को पूरा करने के लिए पूरी कंपनी में एआई की समझ बहुत जरूरी है।

आप एआई का इस्तेमाल करेंगे, उतना ज्यादा फायदा आपको मिलेगा। बदलाव का विरोध करने से कुछ हासिल नहीं होगा।

एआई में पारंगत बनाने पर जोर दे रहे : उन्होंने कहा, 'हम एआई फ्लुएंसी यानी एआई में पारंगत बनाने पर जोर दे रहे हैं। एसोसिएट्स को इस टेक्नोलॉजी से डर नहीं लगना चाहिए। सभी को इतना एक्सेस मिल रहा है कि वे इसे आजमा सकें, खेल सकें और समझ सकें।

बदलाव की शुरुआत टॉप लेवल से होनी चाहिए : उन्होंने यह भी कहा कि बदलाव की शुरुआत टॉप लेवल से होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण है सीनियर मैनेजमेंट को ट्रेन करना। जूनियर लेवल के लोग टेक्नोलॉजी में ज्यादा सहज और कुशल होते हैं। लेकिन सीनियर होने पर लोग सिर्फ सुनते हैं, खुद हाथ नहीं आजमाते। हम हर सीनियर से कह रहे हैं कि उन्हें कुछ न कुछ खुद बनाना होगा। इंसेंटिव की बात पर कृतिवासन ने कहा, 'हमें सच में इंसेंटिव देने की जरूरत नहीं पड़ रही क्योंकि हर कोई इस टेक्नोलॉजी को सीखना चाहता है।

उतार-चढ़ाव के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

मुंबई, (हि.स)। सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ सपाट बंद हुए। सेंसेक्स में 50 अंकों, जबकि निफ्टी में 58 अंकों की तेजी दर्ज की गई। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 731.99 अंक चढ़कर 82,957.91 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 57.85 अंक यानी 0.23 फीसदी चढ़कर 25,482.50 के स्तर पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 50.15 अंक यानी 0.061 फीसदी उछलकर 82,276.07 के स्तर पर बंद हुआ।

आर्थिक साझेदारियों पर बोले गोयल... वैश्विक व्यापार के लगभग दो-तिहाई हिस्से तक भारत की पहुंच

नई दिल्ली, एजेंसी

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत अपनी अंतरराष्ट्रीय आर्थिक साझेदारियों को तेजी से मजबूत कर रहा है।

अब देश को वैश्विक व्यापार के लगभग दो-तिहाई हिस्से तक प्राथमिक व्यापार पहुंच प्राप्त है। गोयल ने यह बात कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री द्वारा

आयोजित 5वें नेशनल एक्सपोर्ट्स कॉम्पिटिटिवनेस समिट 2026 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कही। रिफॉर्म, परफॉर्म एंड ट्रांसफॉर्म थीम पर आधारित इस समिट में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, नीति-निर्माता, राजनयिक, वित्तीय संस्थान और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हुए, जहां 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की रणनीति पर चर्चा की गई।

मंत्री ने कहा कि जब दुनिया अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, तब भारत व्यापार, विश्वास और परिवर्तन के पुल बना रहा है। इसे वैश्विक वाणिज्य में भारत की बढ़ती भूमिका का संकेत बताया।

एफटीए से इलेक्ट्रिक वाहन निर्यातकों के लिए खुलेंगे नये बाजार : केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी

नई दिल्ली, (हि.स)। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार संधियों (एफटीए) से देश के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के लिए नये बाजार खुलेंगे और भारत इस क्षेत्र में विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि आज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सिर्फ एक जलवायु पहल नहीं है, बल्कि यह एक औद्योगिक रणनीति है,

जिसमें मजबूत उत्पादन का मौका और आपूर्ति-श्रृंखला रीकैलिब्रेशन है। नई दिल्ली में 'इलेक्ट्रिक वाहनों पर उद्योग संगठन भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए एचडी कुमारस्वामी ने उद्योग से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के लिए भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और इसके मूल्य श्रृंखला निर्यात का फायदा उठाने की अपील की।

इस्पात क्षेत्र के दिग्गज जतिंदर मेहरा का निधन

नई दिल्ली, (हि.स)। देश के इस्पात और धातु उद्योग के जतिंदर मेहरा का 24 फरवरी को निधन हो गया। वह 86 साल के थे। वह भारत के इस्पात उद्योग के सम्मानित दिग्गज थे, जिनकी दूरदृष्टि ने एस्सार समूह की कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को दिशा दी। एस्सार समूह ने बुधवार को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''एस्सार परिवार, जतिंदर मेहरा जी के निधन से बेहद दुखी है। मेहरा एस्सार समूह के धातु एवं खनन प्रभाग में वाइस चेयरमैन के पद पर कार्यरत थे, जहां उन्होंने समूह के धातु एवं खनन व्यवसायों को रणनीतिक दिशा प्रदान की। समूह ने कहा कि मेहरा ने कई परिवर्तनकारी परियोजनाओं का नेतृत्व किया।

संक्षिप्त समाचार

मरीजों को फल वितरित किए

बाकानेर (विनय उजाला)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाकानेर में विधायक प्रतिनिधि टीकाम डावर के द्वारा मैटरनिटी वार्ड में प्रसूति महिलों को फल वितरित किए गए। इस अवसर पर सीबीएमओ कुलदीप कुमार नाग, डॉ. वीरेन्द्र धार्वे, नर्सिंग ऑफिसर अंजुला बुन्देला, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक देवकरण खांडेकर एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

दो दुकानों के ताले तोड़ लाखों रुपए ले उड़े चोर

धामनोद, निप्र। नगर में मंगलवार की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने बीच बाजार में दो दुकानों को निशाना बनाया। चोरों ने दुकानों के ताले तोड़कर लाखों रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। जानकारी अनुसार नगर के मध्य स्थित मुख्य रोड पर रिदिमा सुपारी सेंटर पर अज्ञात चोरों ने धावा बोला, ताले तोड़े और दुकान में रखे डेढ़ लाख सहित खाद्य पान मसाला और अन्य सामग्री ले उड़े। दूसरी घटना में नगर के जशनानी ट्रेडर्स में चोरो ने ताले तोड़कर सवा लाख रुपए दुकान से निकाल लिए। चोर सीसीटीवी फुटेज में चोरी करते हुए नजर भी आ रहे हैं। मौके पर पुलिस पहुंची और मामले की विवेचना शुरू की। व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर हुई चोरी से लोगों में भय का वातावरण निर्मित हो गया है। लोगों ने पुलिस से गस्त बढ़ाने की मांग की है।

अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री का कैप्सूल ट्राला पलटा, कार क्षतिग्रस्त

बाकानेर (विनय उजाला)। बीती रात मनावर से खलघाट की ओर जा रहा अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री का कैप्सूल ट्राला क्रमांक क्र. एमपी 09, जीडी 8522 बाकानेर के बड़दा फाटा के समीप पलट गया, जिससे पेस्टिसाइड व्यापारी सचिन, प्रितेश विजय महाजन के मकान की वॉल बाउंड्री और आंगन में खड़ी कार क्रमांक MP 09 1458 क्षतिग्रस्त हो गई। घटना रात 12:30 बजे के लगभग की बताई जा रही है। गनीमत रहा कि किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। समाज सेवी सैयद रिजवान अली और नागरिकों ने सुरक्षा के लिए कृषि उपज उप मंडी से बाकानेर रनगांव तक बाय पास की मांग की है।

अराड़ा में उल्लास बिखरा, डही में आज जिले का सबसे बड़ा भगोरिया

डही, निप्र। बुधवार को क्षेत्र के ग्राम अराड़ा में भौंगर्या का खूब उल्लास बिखरा। ढोल मांदल की थाप पर हर कदम थिरके, तो झूले में झूल कर बच्चों ने आनंद उठाया। वहीं भारी भरकम चांदी के गहने और ड्रेस कोड में आई युवतियां आकर्षण का केंद्र रही। खारे भजिए, किराना और खिलौने की दुकान पर ग्रामीणों ने खरीदारी की। गुरुवार को जिले का सबसे बड़ा भौंगर्या (भगोरिया) डही में लगेगा। यहां का भौंगर्या भीड़ के लिहाज से और अपनी शानो शौकत के लिए मशहूर है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बुधवार को ही नगर में बड़ी संख्या में दुकानदार पहुंच चुके थे। आस-पास के गांव से बड़ी संख्या में ग्रामीण खरीदारी करते हुए नजर आए। एक दिन पहले उनकी खरीदारी करने का कारण यह भी रहा कि वह भगोरिया को पूरे आनंद के साथ मना सके। डही के भौंगर्या में खास बात यह है कि आदिवासी बंधु यहां सुसज्जित कामठी लेकर पहुंचेंगे। यह कामठी और सुसज्जित कमान बाहर से आने वाले वीआईपी लोगों को भी आकर्षित करेगी। जिले का सबसे प्रसिद्ध भगोरिया डही का होने से यहां कई प्रमुख लोगों के भी पहुंचने की उम्मीद है। यहां 62 गांव सहित आलीराजपुर और बडवानी जिले के सीमा से लगे गांवों के भी ग्रामीण पहुंचेंगे।

गर्मी में जलसंकट के दिख रहे आसार, अनास नदी का पानी सूखा...

झाबुआ, निप्र। शहर से सटे किशनपुरी स्थित अनास नदी पर पानी का जलस्तर अभी से ही काफी निम्न हो गया है। पानी स्टॉपडेम से नीचे होकर नदी पूरी तरह खाली दिखाई पड़ रही है। जिससे इस बार ग्रीष्मकाल में जलसंकट गहराने के आसार साफ तौर पर दिखाई दे रहे है। वहीं जलसंकट से निपटने के लिए जिला प्रशासन के इंतजाम नाकाफी ही नजर आ रहे हैं।

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ का प्रदर्शन

विनय उजाला

धामनोद,निप्र। संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर धार कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर जिम्मेदारों को ज्ञापन सौंपा। संघ के जिला मंत्री लोकेश सोलंकी ने बताया कि संविदा कर्मचारियों को स्थाई किया जाए, डेली वेतन भोगी जो पिछले दस वर्षों से कार्य कर रहे हैं, उन्हें स्थाई किया जाए, सीधी भर्ती पर लगी रोक को हटाई जाए, साथ ही पैसा मोबिलाइजर की तनख्वाह डबल की जाए, रसोइयों का वेतन दस हजार किया जाए।

ऐसी विभिन्न मांग लेकर संघ ने ज्ञापन सौंपा। इधर अपनी मांगें बताते हुए सोलंकी ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ की विभिन्न मांगें, जिसमें प्रमुख रूप से म.प्र. के बाह्य स्त्रोत कर्मचारियों की

सामाजिक सुरक्षा वेतन एवं श्रम कानूनों का समुचित पालन सुनिश्चित करने हेतु नीतिगत निर्णय लिया जावे प्रदेश के बाह्य स्त्रोत (आउटसोर्स) कर्मचारियों हेतु हरियाणा सरकार की तर्ज पर सिक्युरिटी ऑफ सर्विस संबंधी नीति अथवा उत्तरप्रदेश सरकार की तर्ज पर आऊटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड बना कर भविष्य सुरक्षित किया जायें।

अत: माननीय से निवेदन है कि कृषि विभाग की 'आत्मा परियोजना' के अंतर्गत अनुभवी किसान मित्र एवं दीदी की सेवा बहाल कर पुन: कार्य में संलग्न किया जावें।

प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, ग्रन्थपाल, क्रिड़ाधिकारी के रिक्त पदों के विरूद्ध कार्यरत अतिथि विद्वानों के पदों को हरियाणा राज्य शासन की नीति की तरह Security of Service प्रदान कर 65 वर्ष तक सेवा निरंतर करते हुए मासिक मानदेय एवं अन्य हित लाभ प्रदान किये जावें। शिक्षक भर्ती की न्युनतम अर्हता प्राप्त, एवं लम्बे समय से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को उनके कार्य वर्षों के आधार पर अनुभव का लाभ (बोनस अंक) देकर भविष्य सुरक्षित किया जायें।

बिजली कम्पनियों में कार्यरत आऊटसोर्स कर्मचारियों को कार्य अनुभव के आधार पर बोनस अंक एवं आयु सीमा में छूट देते हुए समकक्ष पदों पर नियमित भर्ती में प्राथमिकता दी जावें। जोखिम भत्ता उच्च श्रेणी में उन्नयन हेतु पारदर्शी नीति बनाई जावे एवं कंपनी से सीधे वेतन भुगतान किया जायें, कम्पनी केडर के उच्च शिक्षा (वी.ई/बी.टेक./ ए.एम.आई.ई.) प्राप्त कनिष्ट अभियंताओं को सहायक अभियंता एवं उच्च शिक्षा डिप्लोमा प्राप्त कर्मचारियों को कनिष्ठ अभियंताओं के पद पर नियुक्ति प्रदान की जायें। विद्युत कम्पनियों में वर्ष 2009 से वर्ष 2018 के पूर्व तक नियुक्त कर्मचारियों की वेतन विसंगति सावतें वेतनमान में मूलवेतन 23000/- की जगह 25300/- से करने हेतु उन्हें वर्तमान में 3 वेतन वृद्धि प्रदान कर उक्त वेतन विसंगति दूर की जाय। इन मांगों के अलावा कुल 46 मैंगो का पत्र जिम्मेदारों को सौंपा।

दवेभो कर्मचारियों के संबंध में मांग

प्रदेश के विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों हेतु संविदा नीति 2023 की कंडिका 9.8, 6.2 एवं 11.5 विलोपित कर सभी विभागों में एक समान नीति लागू की जाए एवं नियमित कर्मचारियों के समान ग्रेड-पे के आधार पर समकक्षता निर्धारण किया जाए। पूर्व में हुई संविदा महापंचायत की घोषणा अनुसार अवकाश इत्यादि लाभ नियमित कर्मचारी के समान दिया जावें एवं संविदा कर्मचारियों को मँहगाई भत्ता एवं एच.आर.ए. एवं एन.पी.एस. के साथ हेल्थ इन्शयोरेशन का लाभ सुनिश्चित किया जाए। वर्ष 2007 से कृषि विभाग की आत्मा परियोजना के अंतर्गत कार्यरत किसान मित्र एवं दीदी को कांग्रेस सरकार द्वारा वर्ष 2019 में सेवा से पृथक किया गया था।

स्पर्धा के पदक विजेता शटलर पुरस्कृत

बैडमिंटन खेलने से होता है संपूर्ण व्यायाम : एएसपी बेलापुरकर

विनय उजाला

धार, निप्र। खेल विभाग द्वारा आयोजित 'स्वच्छता पखवाड़ा अभियान' के तहत खेली गई बैडमिंटन स्पर्धा के पदक विजेता उप-विजेताओं को पुरस्कृत करने हेतु आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पारुल बेलापुरकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं दीपक चौहान कोतवाली थाना प्रभारी थे। मुख्य अतिथि द्वय का पुष्प माला से स्वागत भूपेन्द्र जोशी, राजीव जोशी, समीक्षा जैन, गगन सक्सेना, चन्द्रजीत लश्करी, निर्मल मुरुमकर आदि ने किया।

उक्त जानकारी देते हुए सुधीर वर्मा बैडमिंटन प्रशिक्षक ने बताया कि कार्यक्रम को ग्रुप के वरिष्ठ पालकगण नैमिष भट्ट और आशीष गुप्ता ने भी संबोधित किया। आपने संस्था की गतिविधियों एवं

प्रशिक्षक की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि यहां केवल बैडमिंटन ही नहीं सिखाया जाता बल्कि बच्चों को अनुशासित एवं संस्कारवान भी बनाया जाता है। एएसपी बेलापुरकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बैडमिंटन एक संपूर्ण शारीरिक व्यायाम है। यह शरीर में लचीलापन लाता है और फुर्ती बढ़ाता है। कोर्ट में दौड़ने से हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और वजन नियंत्रित रहता है। इस अवसर पर अतिथिद्वय द्वारा स्पर्धा के पदक विजेता उप-विजेता शटलरो को मेडल्स प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। खेल कोटे से असम राइफल्स में चयनित होने वाले अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी अवधेश दिलिप जाट का मुख्य अतिथिद्वय ने साफा बांधकर, शाल, श्रीफल, पुष्प माला पहनाकर कर सम्मान एवं स्वागत किया। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित अवधेश के दादा-दादी और माता-पिता का भी सम्मान किया जाना गर्व और गौरव की बात है। प्रतिभावान शटलर सिद्धार्थ राठौर उन्होंने श्रीराम कॉलेज ऑफ कामर्स नई दिल्ली जैसे उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत हो कर स्नातक की उपाधि प्राप्त कर चार्टर्ड अकाउंटेंट में अपना करियर बनाया जो अत्यन्त ही सराहनीय है। पार्थ सोनी ने भी धार महाविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त कर चार्टड अकाउंटेंट जैसी उच्च स्तरीय वर्क में अपना करियर बनाया। इस अवसर पर पार्थ भट्ट राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी का भी उनकी सकारात्मक सोच एवं बैडमिंटन उपलब्धियों के लिए संस्था द्वारा सम्मान किया गया।

शिक्षा पर विशेष ध्यान देकर अपना भविष्य संवारें : क्रिया सेकेट्री

विनय उजाला

बाग,निप्र। नगर में संचालित हो रही निजी आदिवासी आजाद पब्लिक स्कूल गरीब ग्रामीण बच्चों को कम शुल्क में शिक्षा दी जाती है, वहां बच्चों में इतना टेलेंट हे कि बच्चे इंग्लिश भी फर्राटे से बोलते नजर आए। चित्रकला डांस वगैरह में भी पीछे नहीं है। वहां के संचालक और शिक्षकों की कड़ी मेहनत से बेहतर शिक्षा बच्चों को मिल रही है। उनके इस टैलेंट को देखते हुए बाग की बेटी आर्टिकल लेखिका क्रिया निलेश सेकेट्री एवं पत्रकार शहजाद खान भारती ने मंगलवार को संस्था में पहुंचकर बच्चों की पढ़ाई का जायजा लिया तो बच्चे बहुत ही सरल तरीके से अपना हुनर दिखाने लगे। जिन्हें कॉपी, पेन एवं चॉकलेट देकर सभी बच्चों का हौसला बढ़ाया गया। जिसे पाकर बच्चे बड़े खुश हुए और उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस दौरान क्रिया निलेश सेकेट्री ने बच्चों को समझाते हुए कहा अभी आपकी उम्र पढ़ाई की हे अधिकतर शिक्षा पर ध्यान देकर अपना भविष्य सुधारें।

दहेज पूरे समाज के लिए दीमक समान इस पर पूर्ण प्रतिबंध जरूरी : चुंडावत

विनय उजाला

बदनावर, निप्र। श्री महाराणा प्रताप राजपूत धर्मशाला में दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ संस्था मध्य प्रदेश की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में कानसिंह चुंडावत उपस्थित रहे।

अपने उद्बोधन में चुंडावत ने कहा कि दहेज जैसी कुप्रथा समाज के लिए दीमक का कार्य करती है, जो परिवारों और सामाजिक संरचना को भीतर से खोखला कर रही है। उन्होंने इस कुप्रथा पर कठोर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता पर बल देते हुए समाज के सभी वर्गों से इसके विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ट्रस्ट को दान स्वरूप प्राप्त महाराणा प्रताप की प्रतिमा के पूजन से हुआ। यह प्रतिमा श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवप्रताप सिंह चौहान द्वारा भेंट की गई है। पूजन मुख्य

अतिथि द्वारा संपन्न कराया गया।

बैठक में आगामी 5 अप्रैल को प्रस्तावित दहेज विरोधी कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में बायोडाटा मिलान, प्रतिभा सम्मान, युवाओं एवं मातृशक्ति के लिए तलवार प्रशिक्षण, दहेज कुरीतियों की जानकारी, दहेज प्रथा एवं मृत्यु भोज पर प्रतिबंध जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही विधवा पेंशन सहित सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम का संचालन पोपसिंह राठौड़ (पप्पी बना) ने किया। बैठक में सुरेंद्र सिंह सिसौदिया, वीरेन्द्र सिंह सिसौदिया, बदनावर एसडीओपी अरविंद सिंह तोमर, सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीपसिंह परिहार, लखनसिंह सिसोदिया (सीईओ बदनावर), महेंद्रसिंह पंवार, अंतरसिंह पवार, वीरेन्द्रसिंह राठौड़, सज्जनसिंह चौहान, राजेंद्रसिंह पंवार, जितेंद्रसिंह डोडिया, पोपेन्द्रसिंह चौहान, नारायणसिंह राठौड़, निर्भयसिंह पंवार, भारतसिंह देवड़ा, सविता कंवर राठौड़, डॉ. बिन्दु कंवर भाटी, अनिता कंवर नरुका, लक्ष्मण सिंह पवार सहित दहेज विरोधी संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज से दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और आगामी कार्यक्रम को व्यापक स्वरूप दिया।

युवा राठौड़ समाज के अध्यक्ष जितेंद्र नियुक्त

दुलीचंद राठौड़ को मनोनीत किया समाज का अध्यक्ष

विनय उजाला

बाग, निप्र। नगर के क्षत्रिय सकल पंच राठौड़ समाज के द्वारा एक बैठक आयोजित रखी गई। जिसमें समाज के सर्वजन उपस्थित हुए। बैठक में गतवर्ष के महोत्सव का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया एवं राठौड़ समाज के अध्यक्ष भगवान राठौड़ द्वारा कार्यकाल पूर्ण होने पर स्वेच्छा से अध्यक्ष पद से त्याग पत्र देकर पिछली कार्यसमिति भंग करते हुए नवीन समाज अध्यक्ष सर्वसम्मति से बनाने का आग्रह समाज के समक्ष किया। नवीन अध्यक्ष पद के लिए उपस्थित समाजसेवी के बीच वर्तमान युवा समाज अध्यक्ष गोपाल राठौड़ ने दुलीचंद सकाराम राठौड़ का नाम प्रस्तावित किया एवं सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में अपनी सहभागिता से शिखर तक ले जाने वाले महेश राठौड़ सर ने समर्थन किया।

पूर्व अध्यक्ष भगवान राठौड को समाज संरक्षक का दायित्व सौंपा गया। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष

डॉ. विवेक राठौड़ व पवन राठौड़ कोषाध्यक्ष आयुष राठौड़, सचिव महेश सर राठौड़, सह सचिव संतोष राठौड़, कार्यकारिणी में गोपाल राठौड़, त्रिलोक राठौड, विपिन राठौड़, नारायण राठौड़ गोविंद राठौड़ को लिया गया।

वहीं, युवा राठौड़ समाज अध्यक्ष के पद पर जितेंद्र मोतीलाल राठौड़ को मनोनीत किया गया। इस मनोनयन पर समाजबंधु महेश राठौड, विपिन राठौड, सुनील राठौड़, कमलेश राठौड़, कन्हैया राठौड़, लखन राठौड द्वारा बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना कि गई।

साई मंदिर में रजत जयंती के उपलक्ष में विशेष आयोजन हुए

झाबुआ, निप्र। शहर के डीआरपी लाइन स्थित श्री साई मंदिर में मंदिर की वर्षगांठ के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती मनाई गई। 25 फरवरी, बुधवार को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए मंदिर के सेवक दिनेशपुरी गोस्वामी ने बताया कि मंदिर पर प्रात :काल साईनाथ भगवान का महाभिषेक बाद सुंदर श्रृंगार किया गया। पूरे मंदिर को बलूनस और पुष्पमालाओं से सजाया गया। मंदिर में दिनभर भक्तों की दर्शन पूजन के लिए भीड़ रहीं। सभी आयोजन साई भक्तों द्वारा मिलकर किए गए।

भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले अन्य संगठनों ने अंबेडकर पार्क में सभा का किया आयोजन

नारेबाजी के साथ निकाली रैली, मप्र के मुख्यमंत्री के नाम मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

विनय उजाला

झाबुआ, निप्र। भारतीय मजदूर संघ के बेनर तले मप्र आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ एवं अन्य संगठनों में मिलकर 25 फरवरी, बुधवार को स्थानीय डीआरपी लाइन स्थित अंबेडकर पार्क में सभा का आयोजन किया। बाद शहर में रैली निकालकर कलेक्टोरेट पहुंचकर देश के प्रधानमंत्री के नाम 8 सूत्रीय मांगो और मप्र के मुख्यमंत्री के नाम 46 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इसके साथ ही मप्र आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ ने भी प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम 7 सूत्रीय एवं स्थानीय स्तर की 5 मांगों को लेकर ज्ञापन प्रेषित किया। स्थानीय अंबेडकर पार्क में आयोजित कार्यक्रम को भारतीय

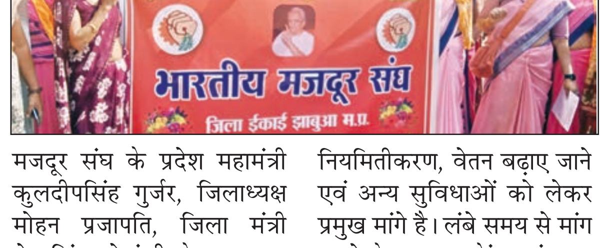

मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीपसिंह गुर्जर, जिलाध्यक्ष मोहन प्रजापति, जिला मंत्री मेहरसिंह सोलंकी के साथ मप्र आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी गंगा गोयल, जिला उपाध्यक्ष ज्योत्सना दीक्षित, जिला सचिव बसंती भूरिया आदि ने संबोधित करते हुए बताया कि केंद्र एवं मप्र सरकार द्वारा लगातार कर्मचारियों की उपेक्षाएं की जा रही है। कर्मचारियों की नियमितीकरण, वेतन बढ़ाए जाने एवं अन्य सुविधाओं को लेकर प्रमुख मांगे है। लंबे समय से मांग करने के बावजूद केंद्र एवं राज्य सरकार कर्मचारियों को उपेक्षित कर रहीं है। इसके विरोध में भारतीय मजदूर संघ के बेनर तले पूरे देश और प्रदेश में सभी संगठन लामबंद है। आवश्यकता पड़ने पर संगठनों द्वारा मिलकर अनिश्चितकालीन हड़ताल भी की जाएगी। जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की रहेगी। सभा का संचालन जयेंद्र बैरागी ने किया। नारेबाजी के साथ निकाली विरोध रैली - अंबेडकर पार्क पर करीब 1 घंटे सभा आयोजन बाद भारतीय मजदूर संघ के तत्वावधान में मप्र आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ एवं अन्य संगठनों ने मिलकर करीब 1 किमी लंबी रैली निकाली। रैली के दौरान मांगों को लेकर संगठन के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। यह रैली डीआरपी लाइन तिराहा, राजगढ़ नाका से हाईवे मार्ग होते हुए कलेक्ट्रोरेट पहुंची। जहां एसडीएम महेशकुमार मंडलोई को 3 अलग-अलग ज्ञापन सौंपे गए। मुख्य रूप से वेतन बढ़ाने, नियमितीकरण और और भत्ता प्रदान करने की मांग - भारतीय मजदूर संघ द्वारा देश के प्रधानमंत्री के नाम दिए ज्ञापन में श्रमिकों की समस्याओं का जिक्र किया गया। उनके निराकरण की बात कहीं गई??। प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम दिए ज्ञापन में आउटसोर्स कर्मचारियों, वेतन भोगी कर्मचारियों, बिजली कर्मचारी एवं राज्य के कर्मचारियों की मुख्य मांगों का जिक्र किया गया। मप्र आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ ने 7 मांगों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओं को सभी शासकीय सुविधाओं का लाभ दिए जाने मृत्यु उपरांत परिवार को प्रोत्साहन राशि देने एवं स्थानीय स्तर पर 5 मांगों का उल्लेख करते हुए उनके अतिशीघ्र निराकरण की बात कहीं गई।

ज्ञापन का वाचन मप्र कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष प्रकाश पालीवाल ने किया। ज्ञापन सौंपते समय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संघ से जुड़ी मीरा मालवीय, कांता गुनडिया, कला जानी सहित अन्य पदाधिकारी-कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बरसाना में दिखा भक्ति, प्रेम और रंग का अद्भुत संगम, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

परंपरागत लट्ठमार होली का अलौकिक दृश्य देख श्रद्धालु भावविभोर हो उठे

मथुरा,(हि.स.)। राधारानी की नगरी बरसाना की रंगीली गली में बुधवार रंगीली होली शुरू होते ही भक्ति, प्रेम और रंगा का अद्भुत संगम दिखाई दिया। हुरियारिनों के हाथों में सजे लठ और हुरियारों की ढालों के बीच परंपरागत लट्ठमार होली का अलौकिक दृश्य देख श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। रंगीली होली के दर्शन कर श्रद्धालु खुद को धन्य मानते नजर आए। रंगीली गली में उमड़े श्रद्धालु हाथ जोड़कर राधारानी से मनोकामना मांगते दिखे। श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से फूलों की बरसा की गई। बरसाना में बुधवार शाम होली के रसिया की जय के गगनभेदी जयकारों के बीच विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हो गई। रंगीली गली में नंदगांव के हुरियारों और बरसाना की हुरियारिनों के बीच परंपरागत लट्ठमार होली का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। ढालों पर बरसते लठ और उड़ते गुलाल के बीच होरी के रसिया गूंजते रहे और पूरा बरसाना भक्ति और उल्लास में डूबा नजर आया। मंदिर से लेकर रंगीली गली तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। लट्ठमार होली अपने चरम पर पहुंचते ही पूरा वातावरण होली के रसिया की जय और राधे राधे के जयघोष से गूंज उठा। ढालों पर पड़ती लाठियों और होरी की तानों ने सदियों पुरानी परंपरा को सजीव कर दिया। श्रद्धालु ऊंचे स्थानों और छतों पर खड़े होकर इस अलौकिक होली के दर्शन करते नजर आए और हर प्रहार पर जयकारों की गूंज तेज होती चली गई। रंगीली गली में गुलाल और रंगों की ऐसी बरसात हुई कि पूरा क्षेत्र राधा रानी के रंग में रंगा नजर आया। श्रद्धालु परिक्रमा करते, नाचते गाते और एक दूसरे पर गुलाल उड़ाते दिखाई दिए।

संक्षिप्त समाचार

संगम स्नान पर तौलिया, घाट पर चादर, होटल में मेवे चाहते थे बीएसएनएल निदेशक, गिरी गाज

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल के एक वरिष्ठ अधिकारी के प्रस्तावित दौरे को लेकर जारी प्रोटोकॉल पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस मामले को 'अनुचित, अस्वीकार्य और चौंकाने वाला' बताते हुए क्स्हरुडायरेक्टर के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। यह विवाद क्स्हरुके निदेशक विवेक बंजाल के उत्तर प्रदेश के प्रयागराज दौरे से जुड़ा है, जो 25-26 फरवरी को प्रस्तावित था। हालांकि, आदेश के वायरल होने के बाद यह दौरा रद्द कर दिया गया। एक आधिकारिक आदेश में बंजाल के दौरे के लिए करीब 20 तरह की व्यवस्थाएं तय की गई थीं, जिनके लिए लगभग 50 अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसमें उनके आगमन पर संगम स्नान, नाव की सवारी और धार्मिक स्थलों—बड़े हनुमान मंदिर, अक्षयवट और पातालपुरी मंदिर—के दर्शन शामिल थे। सबसे ज्यादा विवाद 'स्नान किट' को लेकर हुआ, जिसमें तौलिया, अंडरगारमेंट, चप्पल, कंघी, आईना और हेयर ऑयल जैसी वस्तुएं शामिल थीं। इसके अलावा घाट पर एक बेडशीट और होटल/सर्किट हाउस में ड्राई फ्रूट, फल, शेविंग किट, टूथपेस्ट, ब्रश, साबुन, शैम्पू आदि की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए थे। मामला सामने आने के बाद केंद्रीय संचार मंत्री सिंधिया ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसी व्यवस्था सरकारी मानकों के खिलाफ है।

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री राणे बोले- 'मदरसों को बंद करो, इनमें पलते हैं आतंकी'

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के बंदरगाह विकास मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने बुधवार को मदरसों को आतंकवादियों के लिए पनपने की जगह करार दिया। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से राज्य में इस्लामी स्कूलों को बंद करने का आग्रह करेंगे। विधानसभा भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने अपने हमले को और तीखा बनाने के लिए एक वायरल वीडियो का हवाला दिया, जिसमें कथित तौर पर एक मौलवी एक छात्र को पीटते हुए दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, 'आपने बच्चों को पीटते हुए मौलवी का वीडियो देखा है। यह सावंतवाड़ी का है, जो मेरा गृह जिला है और मैं जिले का पालक मंत्री भी हूं। आपको जल्द ही पता चल जाएगा कि उसके खिलाफ क्या सख्त कार्रवाई होने वाली है।' उन्होंने कहा, 'मदरसों की जरूरत ही क्यों है? यही मूल प्रश्न है। ये मदरसे आतंकवाद के गढ़ हैं। यहीं पर आतंकवादी तैयार होते हैं।' राणे ने कहा कि वह जानना चाहते हैं कि क्या कोई इस्लामी देश हिंदुओं के लिए ऐसे स्कूलों की अनुमति देता है, जहां केवल भगवद गीता पढ़ाई जाती है। उन्होंने कहा, अगर आप कुरान पढ़ाना चाहते हैं, तो उसके लिए मस्जिदें हैं। कभी-कभी इन मदरसों में हथियार मिलते हैं, और कभी-कभी बच्चों की पिटाई जैसी घटनाएं भी होती हैं।'

आशुतोष महाराज बोले- माघ मेला साजिश में यूपी के डिप्टी सीएम शामिल

वाराणसी, एजेंसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर बच्चों के यौन शोषण का केस दर्ज कराने वाले आशुतोष महाराज ने बुधवार शाम प्रयागराज में मीडिया से बात की। आशुतोष महाराज ने यूपी के डिप्टी सीएम पर प्रयागराज माघ मेले में साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, डिप्टी सीएम ने कहा था कि अभी धरना दो, जब हम आएं, तब खत्म करना।' हालांकि आशुतोष महाराज ने दोनों में से किसी डिप्टी ष्टरू का नाम नहीं लिया। इसके बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने वाराणसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मेडिकल में यौन शोषण की पुष्टि के दावे पर शंकराचार्य ने कहा, वह बच्चा हमारे पास आया ही नहीं, तो यह सब कैसे हो सकता है। हमारे वकीलों ने सारे प्रमाण दिखा दिए कि वो बच्चे उसी के पास थे।

संसद को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, बोले ...

हम ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने देंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्टेट ऑफ दी यूनियन को संबोधित किया। डोनाल्ड ट्रंप ने इस वक्तव्य के दौरान अपनी भावी नीतियों के साथ-साथ देश की राजनीति से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर बातें कीं।

रिपब्लिकन खेमे के राष्ट्रपति ट्रंप आने वाले समय में डेमोक्रेट्स खेमे के अलावा भारत, चीन, ईरान, रूस, इजराइल, मैक्सिको, ग्रीनलैंड, कनाडा और अन्य देशों के साथ कैसे संबंध रखेंगे? बीते करीब एक वर्ष के दौरान टैरिफ को लेकर लगातार सुर्खियों में रहे ट्रंप ने क्या कुछ कहा? ट्रंप आने वाले तीन साल में कौन सी नीति अपनाएंगे? आज के संबोधन में उन्होंने जो बातें कहीं, इसके क्या निहितार्थ हैं?

राष्ट्रपति ट्रंप ने स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण में अपनी सरकार की उपलब्धियों का गुणगान किया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की आजादी को 250 साल पूरे होने जा रहे हैं और दुनिया में कोई भी अमेरिका जैसा देश नहीं है और हम लगातार खुद को बेहतर कर रहे हैं। यह अमेरिका का स्वर्णिम काल चल रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ पर रोक लगी है और सीमा पर हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। इस दौरान डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप के भाषण का विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट किया, जिसके जवाब में रिपब्लिकन सांसदों ने नारेबाजी की।

अमेरिका रोज नई ऊंचाइयों को छू रहा

ट्रंप ने कहा, हमने अमेरिका में डीईआई बंद किया। लोगों को मुफ्त खाना मुहैया कराया गया। हमारा देश लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है और हमारे देश के लोगों को इतनी जीत की आदत ही नहीं है। हम हमेशा हारते रहे थे और अब हम लगातार जीत रहे हैं। इसके बाद अमेरिकी संसद में शीत ओलंपिक में गोल्ड मेडल विजेता आइस हॉकी टीम का स्वागत किया गया। ट्रंप ने कहा, हॉकी टीम ने कनाडा की टीम को हराकर ये खिताब जीता। ट्रंप ने आइस हॉकी टीम के खिलाड़ी कॉनर को सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित करने का भी एलान किया।

टैरिफ के दम पर हमने कई देशों के साथ ट्रेड डील की

ट्रंप ने कहा हम टैरिफ से अरबों डॉलर लेकर आए। हमने उन टैरिफ के दम पर विभिन्न देशों के साथ ट्रेड डील की। और ये देश भी डील से खुश हैं। हमने टैरिफ से बहुत ज्यादा रकम इकट्ठा की है। देश में अब कोई महंगाई नहीं है। अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है, लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने दुर्भाग्यपूर्ण फैसला देकर टैरिफ को खत्म कर दिया। लेकिन राष्ट्रपति की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए नई डील की हैं, जिनसे देश में पैसा आता रहेगा। टैरिफ से इतना पैसा आएगा कि ये आधुनिक आयकर सिस्टम की जगह ले सकता है और लोगों को बड़ी राहत दे सकता है। देश में अरबों डॉलर का निवेश आ रहा है और नई कंपनियां यहां उत्पादन कर रही हैं।

'हमने ओबामा केयर को बंद किया, ये योजना इंश्योरेंस कंपनियों को फायदा पहुंचा रही थी'

ट्रंप ने अपने संबोधन में डेमोक्रेटिक पार्टी की तीखी आलोचना की और कहा कि टैक्स कटौती से देश के लोगों के पास पैसा आ रहा है, लेकिन जिन लोगों ने देश की हालत खराब की, वही किफायती जीवन की बात कर रहे हैं। सभी रोजमर्रा की चीजों की कीमतें कम हुई हैं। ट्रंप ने कहा डेमोक्रेटिक पार्टी की योजना ओबामा केयर से इंश्योरेंस कंपनियों को फायदा हुआ। अब हम जो हेल्थकेयर प्लान लेकर आए हैं, उसमें लोगों को सीधे पैसा दिया जा रहा है ताकि वे अपनी जरूरत के हिसाब से बेहतर हेल्थकेयर प्लान खरीद सकें। मैंने अपने पहले कार्यकाल में भी ऐसा किया था, लेकिन डेमोक्रेट्स ने सत्ता में आते ही उसे पलट दिया। हमने दवाई की कीमतों को कम किया।

'मैंने दखल न दिया होता तो पाकिस्तान के पीएम मर भी सकते थे'

ट्रंप ने फिर से आठ युद्धों को रुकवाने का दावा किया।' ट्रंप ने कहा, बीते 10 माह में हमने आठ युद्ध रुकवाए हैं, जिनमें कंबोडिया-थाईलैंड, भारत-पाकिस्तान का संघर्ष भी शामिल है। भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध भी हो सकता था।' ट्रंप ने बड़ा बयान देते हुए कहा, 'अगर मैंने दखल न दिया होता तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मर भी सकते थे। हमने इजराइल-ईरान, आर्मेनिया-अजरबैजान, कांगो और रवांडा और कंबोडिया थाईलैंड जैसी लड़ाईयां रुकवाईं।' राष्ट्रपति ट्रंप ने स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भी तारीफ की।

घूसखोर पंडत पर अदालत की टिप्पणी

भाषण या फिल्मों से किसी समुदाय को निशाना नहीं बनाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को नेटफ्लिक्स की फिल्म घूसखोर पंडत से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए बड़ी टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी व्यक्ति, चाहे वह राज्य का प्रतिनिधि हो या गैर-राज्य अभिनेता, को भाषण, मीम, कार्टून या दृश्य कला के माध्यम से किसी भी समुदाय को बदनाम या अपमानित करना सांविधानिक रूप से स्वीकार्य नहीं है। अदालत ने साफ किया कि उच्च सांविधानिक पदों पर आसीन सार्वजनिक हस्तियां, जैसे मंत्री, यदि धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र के आधार पर किसी समुदाय को निशाना बनाती हैं तो यह संविधान का उल्लंघन होगा। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने अपने अलग निर्णय में की, जो नेटफ्लिक्स फिल्म 'घूसखोर पंडत' के शीर्षक को चुनौती देने वाली याचिका से जुड़ा था। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के बयान से जुड़े विवाद के बीच सामने आई हैं। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने सीएम हिमंत सरमा के खिलाफ अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिकाओं पर विचार करने से इनकार करते हुए पक्षकारों को उच्च न्यायालय जाने को कहा था। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति भुइयां की पीठ ने निर्माताओं द्वारा फिल्म का शीर्षक बदलने पर मामला बंद कर दिया।

केरल के बाद दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को केंद्र सरकार की सहमति मिल गई है। अब देश के दूसरे राज्यों का नाम भी बदलने की मांग होने लगी है। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इंद्रप्रस्थ से हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान जुड़ी हुई है। केंद्र सरकार को दिल्ली का नाम बदलने पर विचार करना चाहिए। दिल्ली के चांदनी चौक से भाजपा सांसद और कन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ करने से देश की राजधानी की ऐतिहासिक और सभ्यतागत पहचान को मान्यता मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली का संबंध पांडवों से रहा है।

एपस्टीन फाइल्स पर बिल गेट्स का बड़ा कबूलनामा

हां, रूसी महिला से थे संबंध; स्टाफ के सामने मांगी माफी

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के मशहूर उद्योगपति और परोपकारी बिल गेट्स एक बार फिर जेफ्री एपस्टीन से जुड़े विवादों के चलते सुर्खियों में हैं। इस मामले में फंसे बिल गेट्स अब माफी मांग रहे हैं। उन्होंने कबूल किया है कि उनके दो रूसी महिलाओं से संबंध थे।

हाल ही में सामने आए नए दस्तावेजों के बाद बढ़े विवाद के बीच गेट्स ने अपनी संस्था बिल गेट्स फाउंडेशन के कर्मचारियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा है कि उनसे बड़ी गलती हुई है। सूत्रों के अनुसार, एक आंतरिक टाउनहॉल मीटिंग में गेट्स ने अपने पुराने संबंधों को लेकर सवालों का जवाब देते हुए स्वीकार किया कि एपस्टीन के साथ समय बिताना और फाउंडेशन के वरिष्ठ अधिकारियों को उससे मिलवाना 'एक बड़ी गलती' थी। उन्होंने कहा कि इस फैसले के कारण संगठन के लोगों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसके लिए वे जिम्मेदारी लेते हैं। टाउन हॉल में, गेट्स ने कथित तौर पर यह भी माना कि एपस्टीन फाइल्स में बताए गए रूसी महिलाओं के साथ उनके दो अफेयर थे, लेकिन उन्होंने साफ किया कि उन रिश्तों का एपस्टीन के पीड़ितों से कोई लेना-देना नहीं था। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर की यह बात मीडिया रिपोर्ट्स में एपस्टीन के साथ उनकी पिछली बातचीत की डिटेल्स सामने आने के बाद नए सिरे से जांच के बाद आई है।

'मैंने कुछ भी गैरकानूनी नहीं किया': बिल गेट्स

यह विवाद तब फिर से उभरा जब अमेरिकी न्याय विभाग से जुड़े दस्तावेज और तस्वीरें सार्वजनिक हुईं, जिनमें गेट्स और एपस्टीन की कई मुलाकातों का जिक्र है। कुछ तस्वीरों में गेट्स उन महिलाओं के साथ नजर आए, जिनकी पहचान गोपनीय रखी गई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, टाउनहॉल मीटिंग के दौरान बिल गेट्स ने यह भी स्वीकार किया कि उनके दो निजी संबंध रूसी महिलाओं के साथ थे, जिनका जिक्र इन फाइल्स में किया गया है। हालांकि उन्होंने कर्मचारियों से कहा, 'मैंने कुछ भी गैरकानूनी नहीं किया और न ही ऐसा कुछ देखा।'

प्रधानमंत्री मोदी को दौरा भारत के लिए होगा मास्टर स्ट्रोक

इजराइल से हो सकती है आयरन बीम, ब्रह्मोस से तेज मिसाइल और ट्रेड डील

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को इजराइल का दौरा शुरू कर रहे हैं। 2017 के बाद यह इस देश का उनका दूसरा दौरा है। माना जा रहा है कि बीते एक दशक में भारत-इजराइल के संबंध जिस तेजी से बढ़े हैं, अब पीएम मोदी के दौरे से यह रिश्ते नए पड़ाव में पहुंच जाएंगे।

पीएम मोदी का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब पश्चिम एशिया में तनाव जारी है। एक तरफ ईरान पर अमेरिकी हमले का खतरा बरकरार है तो दूसरी तरफ इजराइल भी लंबे समय से फलस्तीन में हमास से संघर्ष में जुटा है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी की इजराइल यात्रा पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है। माना जा रहा है कि पीएम मोदी और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपनी मुलाकात के दौरान रक्षा से लेकर व्यापार और तकनीक से लेकर कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के मुद्दे पर समझौता कर सकते हैं।

इजराइल दौरे के सबसे अहम बिंदु रक्षा और सुरक्षा पर समझौता : प्रधानमंत्री मोदी के इजराइल दौरे के सबसे अहम बिंदु रक्षा और सुरक्षा पर होने वाले समझौते होंगे। भारत इस क्षेत्र में हथियार खरीद से लेकर उन्नत तकनीक हासिल करने पर जोर दे सकता है। मौजूदा समय में भारत इजराइल का सबसे बड़ा रक्षा खरीदार है। इस दौरे पर 2026 के लिए 8.6 अरब डॉलर के हथियार सौदों को मंजूरी मिल सकती है, जिसमें सटीक निशाना लगाने वाले युद्धक हथियार, मिसाइलें और बैलिस्टिक मिसाइल प्रणालियां शामिल हैं।

उन्नत तकनीक की खरीद : इस समझौते के तहत भारत को इजराइल के उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों तक पहुंच मिल सकती है, जिसमें अत्याधुनिक लेजर-आधारित आयरन बीम शामिल है। साथ ही गोल्डन होराइजन एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल पर भी चर्चा हो सकती है। इस मिसाइल को ब्रह्मोस से भी तेज बताया जाता है।

संयुक्त परियोजनाएं : एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली, निर्देशित-ऊर्जा लेजर हथियारों, लंबी दूरी की मिसाइलों और नेक्स्ट-जेनरेशन ड्रोन के संयुक्त विकास पर विचार-विमर्श होने की संभावना है।

व्यापार और अर्थव्यवस्था

मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) : दोनों देश वर्तमान में मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत कर रहे हैं और इस वर्ष इसके पूरा होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि पीएम मोदी और उनके इजराइली समकक्ष इसकी आधारभूत शर्तें तय करेंगे। इजराइल भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को अपने देश में निर्माण और निवेश करने के लिए न्योता दे रहा है। पिछले साल सितंबर में दोनों देशों ने निवेशकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक नई द्विपक्षीय निवेश संधि पर भी हस्ताक्षर किए थे। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को आगे बढ़ाने को लेकर भी मोदी-नेतन्याहू के बीच चर्चा होने की संभावना है। इसमें इजराइल भी एक अहम हिस्सेदार है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कट्टरपंथी विरोधियों का सामना करने के लिए 'हेक्सागॉन गठबंधन' नाम का एक क्षेत्रीय गुट बनाने की योजना पर चर्चा कर सकते हैं। इसमें इजराइल, भारत, ग्रीस, साइप्रस और कुछ अरब-अफ्रीकी देश शामिल होंगे। हालांकि, माना जा रहा है कि ईरान के साथ अपने अच्छे संबंधों को देखते हुए भारत इस प्रस्ताव पर सावधानी से कदम बढ़ाएगा। पीएम मोदी के इजराइल दौरे पर कृषि, जल प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा में सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा होगी।

सिंचाई के 100 हेक्टेयर रकबे के लक्ष्य को जल्द करेंगे हासिल : नए बजट में सिंचाई के लिए किए महत्वपूर्ण प्रावधान

हर किसान के खेत तक पहुंचेगा सिंचाई के लिए पानी : डॉ. यादव

विनय उजाला

उज्जैन,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों के सूखे खेतों में जब सिंचाई का पानी पहुंचता है तो मिट्टी सोना उगलती है। किसान कल्याण वर्ष 2026 में किसानों की समृद्धि के लिए उनके खेतों में सिंचाई की भरपूर व्यवस्था की जाएगी, जिससे वे वर्ष भर फसलें ले सकें। सिंचाई का रकबा बढ़ाने और हर खेत किसान के खेत तक पानी पहुंचाने के लिये मध्यप्रदेश के बजट 2026-27 में जल प्रदाय योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किये गये हैं। प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से सिंचित रकबे में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। शीघ्र ही प्रदेश में सिंचाई के रकबे को 100 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष में जल प्रदाय योजनाओं के लिये जो प्रावधान किये गये हैं, उनमें मुख्य रूप से नर्मदा घाटी विकास के अंतर्गत एन.वी.डी.ए. के सभी

केन बेतवा परियोजना के लिए 1000 करोड़ का प्रावधान

जल संसाधन विभाग के अंतर्गत किये गए प्रावधानों में बांध तथा संलग्न कार्य के लिए 3062 करोड़ रुपये, केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना के लिए 1000 करोड़ रुपये, कार्यपालिक स्थापना के लिए रुपये 992 करोड़, नहर तथा उससे संबंधित निर्माण कार्य के लिए 450 करोड़ रुपये, बांध तथा नहरों के लिए 312 करोड़ रुपये, लघु एवं लघुतम सिंचाई योजनाएं के लिए 300 करोड़ रुपये, कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना के लिए 290 करोड़ रुपये, लघु सिंचाई योजनाओं के लिए 200 करोड़ रुपये, नहरें तथा तालाब के लिए 198 करोड़ रुपये, अन्य लघु सिंचाई निर्माण कार्य के लिए 115 करोड़ रुपये और निर्वाचित कृषक संस्थाओं को राशि की व्यवस्था के लिए 61 करोड़ रुपये के प्रावधान शामिल हैं।

बिजली बिलों के लिए 689 करोड़ रुपये, सेंधवा उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना में 500 करोड़ रुपये, सांवेर माइक्रो उद्वहन सिंचाई योजना में 400 करोड़ रुपये, आई.एस.पी. कालीसिंध उद्वहन माइक्रो सिंचाई योजना फेस-2 में 400 करोड़ रुपये, बरगी नहर व्यपवर्तन योजना में 399 करोड़ रुपये, चिंकी बोरास बैराज संयुक्त बहुउद्देशीय माइक्रो सिंचाई परियोजना में 350 करोड़ रुपये, सरदार सरोवर के डूब प्रभावित क्षेत्र का भू-अर्जन तथा अन्य कार्यों पर खर्च के लिये 308 करोड़ रुपये, एन.बी. कम्पनी लिमिटेड का निवेश में 303 करोड़ रुपये, खण्डवा उद्वहन माइक्रो सिंचाई योजना में 300 करोड़ रुपये, महेश्वर-जानापाव (लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर) उद्वहन सिंचाई योजना में 200 करोड़ रुपये, निवाली उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना में 200 करोड़ रुपये, मोरण्ड गंजाल परियोजना से संबंधित स्थापना व्यय के लिए 200 करोड़ रुपये, धार उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना में 150 करोड़ रुपये, बसानिया परियोजना में 100 करोड़ रुपये और अपर बुढ़नेर सिंचाई योजना में 100 करोड़ रुपये, हाट पिपल्या सिंचाई योजना के में 100 करोड़ रुपये, अपर नर्मदा परियोजना में 100 करोड़ रुपये, बहोरीबंद माइक्रो उद्वहन सिंचाई योजना में 100 करोड़ रुपये, सोंडवा उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना के लिए 100 करोड़ रुपये, भू अर्जन के लिये मुआवजा के लिये 100 करोड़ रुपये, सिंचाई एवं पेयजल योजनाओं का सौर उर्जीकरण के लिए 100 करोड़ रुपये, हण्डिया बैराज परियोजना में 100 करोड़ रुपये, मुख्य अभियंता आई.एस.पी. के अधीन संचालित सभी योजनाओं के स्थापना व्यय के लिए 74 करोड़ रुपये, मुख्य अभियंता आर.ए.वी.एल.एस. के अधीन संचालित सभी योजनाओं के स्थापना व्यय में 66 करोड़ रुपये, मुख्यालय स्थापना के लिए 53 करोड़ रुपये, दूधी परियोजना में 50 करोड़ रुपये, कुक्षी उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना के लिए 50 करोड़ रुपये, मछरेवा सिंचाई योजना के लिए 50 करोड़ रुपये और खालवा उद्वहन माइक्रो सिंचाई योजना के लिए 50 करोड़ रुपये के प्रावधान शामिल हैं।

नानाजी देशमुख ने सम्पूर्ण जीवन ग्राम विकास को किया समर्पित : सीएम

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख केवल एक राजनेता नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के महान साधक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन ग्राम विकास-शिक्षा-स्वावलंबन के लिए समर्पित कर दिया और समाज सेवा के उद्देश्य को तप के साथ सिद्ध किया। स्व. नानाजी देशमुख का मानना था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। जब गांव मजबूत होंगे तभी राष्ट्र मजबूत बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि के संदर्भ में चित्रकूट स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम को विधानसभा भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। स्व. नानाजी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि 27 फरवरी को है।

- समाजसेवा के उद्देश्य को तप से किया सिद्ध
- मुख्यमंत्री ने चित्रकूट के पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान के कार्यक्रम को किया वर्चुअली संबोधित
- स्व. नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर चित्रकूट में हो रहा 3 दिवसीय कार्यक्रम

डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट को भगवान श्री राम की तपोस्थली के साथ-साथ नानाजी देशमुख की कर्मस्थली होने का भी गौरव प्राप्त है। स्व. नानाजी देशमुख ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सपने को मूर्त रूप देने के संकल्प को, चित्रकूट से ही साकार करने का प्रण किया। इस उद्देश्य से ही ग्रामीण विश्वविद्यालय की स्थापना 1991 में चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के रूप में की गई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार स्व. नानाजी देशमुख की शिक्षाओं के अनुरूप समाज और देश के संवर्धन तथा सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रही है।

दीनदयाल शोध संस्थान, ग्रामीण विकास के साथ ही स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, कृषि, स्वावलंबन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय कार्य कर रहा है। राज्य सरकार विरासत के साथ विकास को ध्यान में रखते हुए गांवों को मजबूत कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही है। चित्रकूट में स्थानीय सांसद श्री गणेश सिंह, विश्वविद्यालय के कुलगुरू श्री आलोक दुबे, दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन तथा विषय विशेषज्ञ और शोधार्थी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मालवा निमाड़ का 87वां ग्रिड बुरहानपुर शहर में ऊर्जीकृत : तोमर

भोपाल,निप्र। शासन की महत्वपूर्ण रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) में मालवा निमाड़ निमाड़ में नए 33/11 केवी ग्रिड श्रृंखलाबद्ध रूप से बनाए जा रहे हैं। आरडीएसएस अंतर्गत मालवा निमाड़ का 87वां सब स्टेशन बुरहानपुर शहर के मंडी क्षेत्र में ऊर्जीकृत किया गया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि इस नये ग्रिड से बुरहानपुर मध्य शहर के हजारों उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि निमाड़ का 26वां और पश्चिम क्षेत्र कंपनी का यह 87वां ग्रिड बुरहानपुर के मध्य शहरी क्षेत्र में 2.18 करोड़ रुपए से निर्मित हुआ है। इसकी क्षमता 5 एमवीए है। इससे मध्य शहरी क्षेत्र को ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी। निमाड़ में सबसे ज्यादा ग्रिड बुरहानपुर, खंडवा में 8, 8, खरगोन में 6, बड़वानी में 4 तैयार किए गए हैं। वहीं इंदौर शहर व ग्रामीण वृत्त में कुल 13, उज्जैन जिले में 12 ग्रिड तैयार किए गए हैं। शेष ग्रिड अन्य जिलों में तैयार किए गए हैं। कंपनी क्षेत्र में अब तक आरडीएसएस के 87 ग्रिड ऊर्जीकृत होकर विद्युत प्रदाय कर रहे हैं। आरडीएसएस के इन ऊर्जीकृत ग्रिडों से पश्चिम मप्र की वितरण क्षमता में 435 एमवीए की और वृद्धि हो चुकी है। कंपनी क्षेत्र में कुछ जिलों में ग्रिडों के कार्य अभी भी प्रगतिरत हैं।

एमओयू से 10 हजार से अधिक विद्यार्थियों को दिलाएंगे रोजगार

भोपाल,निप्र। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ उद्योग आधारित व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त हो और रोजगारपरक कौशल में वृद्धि हो, इस उद्देश्य से बुधवार को अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (AEDP) को बढ़ावा देने के लिए अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन एवं आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा की उपस्थिति में 85 महाविद्यालयों, 5 शासकीय एवं 3 निजी विश्वविद्यालयों ने क्रिस्प, नई दिल्ली (CRISP) के सहयोग से बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (BOAT-पश्चिमी क्षेत्र) के साथ एमओयू किया। महाविद्यालय, विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों और बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (BOAT- पश्चिमी क्षेत्र) के पदाधिकारियों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। राज्य स्तरीय समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह का आयोजन सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में भोपाल में हुआ। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने कहा कि वर्ष 2024-25 में एईडीपी प्रारंभ किया गया था। विभाग का प्रयास है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में, शिक्षा को रोजगारमूलक बनाया जाए तथा विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ, उद्योग जगत की आवश्यकता अनुरूप रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराई जाए। वर्तमान में आईआईटी दिल्ली के सहयोग से AI, FinTech with AI एवं ईडीपी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। आज की आवश्यकता के अनुरूप विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

'वीमेन इन साइंस' थीम के साथ 28 फरवरी को होगा राज्य स्तरीय विज्ञान महोत्सव

भोपाल,निप्र। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) द्वारा 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के अवसर पर प्रदेश में विज्ञान जागरूकता एवं नवाचार आधारित विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम 'वीमेन इन साइंस: कैटेलाइजिंग विकसित भारत' है, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की सशक्त भूमिका और विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय सहभागिता को रेखांकित करती है। थीम के अनुरूप आयोजनों में विज्ञान एवं अनुसंधान में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, महिला वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को सम्मानित करने और छात्राओं को विज्ञान के क्षेत्र में करियर के लिए प्रेरित करने पर विशेष बल दिया जाएगा। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 28 फरवरी को रवीन्द्र भवन, भोपाल में आयोजित होगा। कार्यक्रम में महिला वैज्ञानिकों एवं नवाचारकर्ताओं के विचार-विमर्श, विशेषज्ञ व्याख्यान, आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी द्वारा 'स्टेम शो' और 41वें युवा वैज्ञानिक सम्मेलन के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया जाएगा। आयोजन में लगभग 1500 विद्यार्थी एवं शिक्षक प्रत्यक्ष रूप से सहभागी होंगे। साथ ही प्रदेश के विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, स्वैच्छिक संगठनों और अनुसंधान संस्थानों से विद्यार्थी, शिक्षक कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़ेंगे।

बीहर रिवर फ्रंट के शेष कार्य को शीघ्र पूर्ण करें : उपमुख्यमंत्री शुक्ल

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा शहर में पुनर्घनत्वीकरण योजना की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं, अधोसंरचना उन्नयन तथा सौंदर्यीकरण कार्यों पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विशेष रूप से बीहर नदी के रिवर फ्रंट विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि नदी के पूर्वी तट का सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि पश्चिमी तट का कार्य शेष है। उन्होंने पश्चिमी तट पर शेष रिवर फ्रंट कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि बीहर नदी के दोनों तटों का समग्र विकास होने से रीवा शहर को विशिष्ट पहचान मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही पुनर्घनत्वीकरण योजना अंतर्गत अन्य प्रस्तावित कार्यों को भी समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाने, आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृतियों को शीघ्र पूर्ण करने तथा समन्वय के साथ कार्य करने पर बल दिया गया। उन्होंने केंद्रीय जेल रीवा में पुनर्घनत्वीकरण योजना के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के आयुक्त गौतम सिंह सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

समर्थन मूल्य के लिए 7 मार्च तक होगा किसानों का पंजीयन

गेहूं उपार्जन के 4.42 लाख से अधिक पंजीयन : राजपूत

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने जानकारी दी है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये अब तक 4 लाख 42 हजार 288 किसानों ने पंजीयन करा लिया है। किसान 7 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि निर्धारित समय में पंजीयन जरूर करा लें। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कुल 3186 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है।

मंत्री राजपूत ने बताया कि अभी तक इंदौर संभाग में 54 हजार 587, उज्जैन में एक लाख 48 हजार 905, ग्वालियर में 9695, चम्बल में 4692, जबलपुर में 39 हजार 885, नर्मदापुरम में 34 हजार 181, भोपाल में एक लाख 9 हजार 134, रीवा में 13 हजार 260, शहडोल में 2551 और सागर में 25 हजार 398 किसानों ने पंजीयन कराया है।

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था : पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

- **पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था :** पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है।
- **किसानों को करें एसएमएस :** खाद्य मंत्री राजपूत ने बताया है कि विगत रबी एवं खरीफ के पंजीयन में जिन किसानों के मोबाइल नंबर उपलब्ध हैं, उन्हें एसएमएस से सूचित करने के निर्देश दिये गये हैं। गांव में डोंडी पिटवाकर ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर पंजीयन सूचना प्रदर्शित कराने तथा समिति/मंडी स्तर पर बैनर लगवाने के निर्देश भी दिये गये हैं।

शिक्षा से जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग होता है प्रशस्त : राज्यपाल

राज्यपाल पटेल धरती आबा ग्राम सलैया के कार्यक्रम में हुए शामिल

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि शिक्षा से ही जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है। शिक्षा जीवन में प्रगति का आधार है। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने जनजातीय और वंचितों को शासन की योजनाओं का प्राथमिकता से लाभ दिलाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से समाज के अंतिम व्यक्ति का सशक्तिकरण संभव होगा। राज्यपाल मंगुभाई पटेल मऊगंज जिले के हनुमना जनपद अंतर्गत दूरस्थ जनजातीय धरती आबा ग्राम सलैया खास में आयोजित कार्यक्रम में बुधवार को शामिल हुए।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि बिरसा मुंडा के त्याग से प्रेरणा लेकर जनजातीय समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने बताया कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के तहत 18 विभागों की योजनाओं का लाभ जनजातीय परिवारों को मिलेगा। उन्होंने जनजातीय युवाओं का शिक्षित होकर समाज को जागरूक करने और मुख्यधारा में शामिल करने के प्रयासों में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण में स्वसहायता समूहों के योगदान की सराहना की। सिकल सेल उन्मूलन के लिए संवेदनशील प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 हजार करोड़ रूपये के प्रावधान की जानकारी दी। प्रधानमंत्री के प्रति आभार प्रदर्शन किया। उन्होंने निक्षय मित्र योजना, उज्ज्वला योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल पटेल ने सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों की सराहना सांसद जनार्दन मिश्र ने की। उन्होंने सलैया मार्ग निर्माण के लिये सांसद निधि से राशि उपलब्ध कराने की जानकारी दी। विधायक प्रदीप पटेल ने कहा कि हनुमना क्षेत्र के 144 ग्रामों को धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना से जोड़कर जनजातीय विकास और मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में राज्यपाल पटेल का जनजातीय पारंपरिक नृत्य शैला एवं कर्मा से स्वागत हुआ। भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ हुआ।

संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की उपलब्धि

पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने तकनीकी दक्षता की अनूठी मिसाल पेश की

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। विशेषज्ञ एजेंसियों की सलाह अनुसार मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की जिस यूनिट को वार्षिक रखरखाव के दौरान रोटर में क्रेक टरबाइन के लो-प्रेशर रोटर ब्लेड में गंभीर दरार होने और नए रोटर लगाने के लिए लगभग 48 माह लगते, उसी यूनिट को पावर जनरेटिंग कंपनी के इंजीनियरों ने इन-हाउस मरम्मत करके 100 दिन तक लगातार संचालित कर दिया। यहां जिस यूनिट का जिक्र किया जा रहा है वह संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता यूनिट नंबर 5 है। इस यूनिट

ने गत दिवस लगातार 100 दिन संचालित होने का रिकार्ड बनाया। यदि यह यूनिट विशेषज्ञ एजेंसियों की सलाह के आधार नए रोटर लगने तक लगभग चार वर्ष के लिए बंद रहती तो विद्युत उत्पादन का नुकसान होता। संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 को गत वर्ष 10 जुलाई को केपिटल ओवरहालिंग के लिए बंद किया गया था।

गडकरी की उपस्थिति में जल शक्ति मंत्री पाटिल ने पुरस्कार प्रदान किया

बुरहानपुर जल प्रदाय परियोजना बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवॉर्ड्स-2026 से अलंकृत

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। मध्यप्रदेश के नगरीय विकास और सुशासन के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिल रही है। नई दिल्ली में आयोजित 'बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवॉर्ड्स 2026' समारोह में मध्यप्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम, 'मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी' की बुरहानपुर जल प्रदाय परियोजना को 'सोशल इंपैक्ट एक्सीलेंस ऑफ द ईयर' की प्रतिष्ठित श्रेणी में सम्मानित किया गया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की गरिमामयी उपस्थिति में जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की ओर से मुख्य अभियंता शैलेन्द्र शुक्ला एवं तकनीकी अधिकारी कमलेश भटनागर द्वारा यह सम्मान प्राप्त किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाईक सहित भारत सरकार के पूर्व सचिव डी.एस. मिश्रा और सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस राघव चंद्रा उपस्थित रहे।

विश्व बैंक के वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग से पल्लवित यह परियोजना बुरहानपुर के शहरी जनजीवन में आमूलचूल परिवर्तन का संवाहक बनी है। परियोजना की तकनीकी सुदृढ़ता का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि यहाँ 50 एमएलडी क्षमता का एक अत्याधुनिक जलशोधन संयंत्र स्थापित किया गया है। इसमें जल को फिल्ट्रेशन, क्लोरीनेशन और परिष्कृत वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से पूर्णत: निरापद और स्वास्थ्यवर्धक बनाया जाता है। जल की गुणवत्ता और निर्बाध आपूर्ति की चौबीस घंटे निगरानी के लिये अत्याधुनिक 'स्काडा' प्रणाली और एक उच्च स्तरीय वॉटर टेस्टिंग लैब का भी समावेश किया गया है। वितरण व्यवस्था को नवीन स्वरूप देते हुए शहर में 8 नवीन ओवरहेड टैंकों और सुदृढ़ पाइप नेटवर्क का जाल बिछाया गया है, जिससे पुराने और जर्जर वितरण तंत्र से होने वाले जल के अपव्यय पर पूर्णत: अंकुश लगा है।

सामाजिक सरोकारों और लोक-कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध इस योजना के अंतर्गत लगभग 41 हजार परिवारों को मीटरयुक्त नल कनेक्शनों के माध्यम से जोड़ा गया है। वर्तमान में बुरहानपुर के प्रत्येक नागरिक को प्रतिदिन औसतन 135 लीटर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, जो समान और न्यायपूर्ण वितरण प्रणाली का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रबंध संचालक संकेत भोंडवे और अतिरिक्त प्रबंध संचालक दिव्यांक सिंह ने इस उपलब्धि को समूची टीम की कर्तव्यनिष्ठा और नवाचार के प्रति समर्पण का प्रतिफल बताया है। मुख्य अभियंता शैलेन्द्र शुक्ला के अनुसार, यह पुरस्कार न केवल परियोजना के प्रभावी प्रबंधन की स्वीकारोक्ति है, अपितु मध्यप्रदेश में शहरी अधोसंरचना के क्षेत्र में अपनाए जा रहे आधुनिक प्रतिमानों और सतत विकास के संकल्प की विजय भी है। यह गौरवपूर्ण उपलब्धि प्रदेश की जल प्रबंधन नीतियों को राष्ट्रीय पटल पर एक आदर्श के रूप में स्थापित करती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा मृणाल पब्लिकेशंस, 13, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इन्दौर से मुद्रित एवं 37/1, महादजी मार्ग, कार्तिक चौक, उज्जैन से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, स्थानीय संपादक - धर्मेन्द्र भाटी *, स्थानीय प्रबंधक - पराग पांचाल, फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, 0734-4011949, मो. 9425910888, 9424515199, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। डाक पंजीयन क्रमांक एमपी/आईडीसी/1359/2014-16, RNI. Reg. MPHIN/2016/68363.